divyahimachal.com

RNI HPHIN/2003/11579

दिव्य हिमाचल

देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

सूर्योदय 5:30 | सूर्यास्त 7:32

शिमला

मंगलवार, 30 जून, 2026

16 आषाढ़, 2083

वर्ष 30 | अंक 129 | पृष्ठ 10+4 | ₹ 5.00

हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व उत्तराखंड में प्रसारित

दिशा पटानी का अगली फिल्म 'आवारापन-2' में रहस्यमय किरदार —यूथ लाइफ

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ओलंपिक-2028 के लिए किया क्वालिफाई —खेलकूद

मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में फिर बनेंगे विपक्ष के नेता —देश.विदेश

बम्पर उपहार योजना 2026
कूपन नं. 3

राधा पालमपुर, सुमन मंडी की मेयर

मंडी में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस का कब्जा, बहिष्कार के कारण धर्मशाला-सोलन में चुनाव टले

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

पालमपुर। नगर निगम की नई अध्यक्ष और उपाध्यक्ष स्थानीय विधायक के साथ

मंडी। ताजपोशी के बाद मंडी की नई अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

हिमाचल के चारों नगर निगमों मंडी, पालमपुर, धर्मशाला और सोलन में सोमवार को नए पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इसके बाद मंडी और पालमपुर में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव हो गया, जबकि सोलन और धर्मशाला में शपथ के बाद चुनाव अगली बैठक के लिए टल गया। भाजपा के गढ़ रहे मंडी नगर निगम में भाजपा पार्षद सुमन ठाकुर मेयर और जितेंद्र शर्मा को डिप्टी मेयर चुना गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद सिकंदर कुमार और भाजपा विधायक मंडी में मौजूद थे। नगर निगम पालमपुर में कांग्रेस पार्षद राधा सूद लगातार दूसरी बार सर्वसम्मति से महापौर बनीं, जबकि नीलम मलिक उपमहापौर चुनी गईं। यहां कांग्रेस को बहुमत मिला था। पालमपुर नगर निगम में अब पूरी तरह नारी शक्ति का वर्चस्व हो गया है। पालमपुर नगर निगम के दूसरे चुनावों में कांग्रेस ने 15 में से 11 वार्डों पर जीत हासिल की थी, जिसमें महिलाओं का आंकड़ा नौ था, जबकि चार सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे। इस तरह नगर निगम में कांग्रेस समर्थित मेयर और डिप्टी मेयर बनना तय थे। इसके अलावा धर्मशाला में चुनाव टल गए हैं। शपथ के बाद कांग्रेस पार्षदों के चुनाव में भाग नहीं लिया। यहां चुनाव अब पहली जुलाई को होंगे। धर्मशाला नगर निगम की नई परिषद का पहला दिन भारी राजनीतिक गहमागहमी और हाई वोल्टेज ड्रामे का गवाह बना। मिनी सचिवालय में 17 नवनिर्वाचित पार्षदों के शांतिपूर्ण शपथ ग्रहण के ठीक बाद, कांग्रेस के पार्षदों ने रणनीतिक वॉकआउट कर दिया। इस सियासी दांव-पेंच के चलते मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव कोरम के अभाव में स्थगित करना पड़ा। अब शहर की सरकार के मुखिया का फैसला पहली जुलाई को होने वाली साधारण बैठक में होगा। सोलन में भी पार्षदों का शपथ समारोह हुआ, लेकिन मेयर व डिप्टी मेयर के चुनाव नहीं हुए। उपायुक्त सोलन ने अब दो जुलाई को दोबारा से चुनाव की तिथि घोषित की है। उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने बताया कि चुनाव को स्थगित कर दिया है और अब दोनों पदों के लिए चुनाव दो जुलाई को शाम तीन बजे आयोजित किए जाएंगे। सुबह 11 बजे आयोजित इस समारोह में सभी 17 पार्षदों को शपथ दिलाई जानी थी। इस समारोह में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते 10 पार्षद और एक निर्दलीय पार्षद समय पर पहुंच गए और उपायुक्त ने इन पार्षदों को

राधा पालमपुर : पृष्ठ आठ पर

इस साल नहीं होंगे श्रीखंड महादेव के दर्शन

निजी संवाददाता — निरमंड

- डीसी कुल्लू ने यात्रा पर लगाई रोक; धारा 163 लागू, तीन दिन में टेंट हटाने के आदेश

भोले के भक्तों के लिए बुरी खबर है। इस साल 10 जुलाई से 23 जुलाई तक होने वाली दुनिया की सबसे कठिन श्रीखंड महादेव कैलाश यात्रा आधिकारिक तौर पर रद्द कर दी गई है। यात्रा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 163(1) के तहत अधिसूचना जारी कर दी है। आदेश में साफ लिखा है कि श्रीखंड यात्रा मार्ग फिलहाल किसी भी लिहाज से चलने योग्य नहीं है। प्रशासन के मुताबिक वैकल्पिक रास्ता खोजना भी संभव नहीं है। ऐसे में यात्रा ट्रस्ट और जिला प्रशासन कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। डीसी अनुराग चंद्र शर्मा ने कहा कि हम किसी भी यात्री को खतरे में नहीं डाल सकते। इसी बीच यात्रा मार्ग पर लगे सभी टेंटों और व्यापारिक गतिविधियों को तीन दिन के भीतर हटाने के सख्त आदेश दिए गए हैं। आमतौर पर श्रीखंड महादेव यात्रा हर साल जुलाई में 10 से 14 दिन के लिए आयोजित होती है। 18570 फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड महादेव की शिला तक पहुंचना सबसे कठिन तीर्थों में गिना जाता है, लेकिन इस बार भारी बारिश और भू-स्खलन से रास्ते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं।

चोरी-छिपे गए, तो खैर नहीं

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंध के बावजूद अगर कोई यात्री चोरी-छिपे यात्रा पर जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और बचाव दलों को मार्ग पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

सवाल

क्या हिमाचल के हक हासिल करने में पूर्व सरकारों ने ज्यादा काम नहीं किया ?

जवाब देने के लिए

लॉगऑन करें :
divyahimachal.com या
divyahimachal
divyahimachal

पत्र भेजें: हमारे इस सवाल पर आपकी सहमति और असहमति बहुत मायने रखती है। आपके विचारों का हम पत्र के रूप में भी स्वागत करेंगे।

ईमेल करें :
edit.dshala@divyahimachal.com

एक नजर

मेडिकल रीइंबर्समेंट के लिए 212 करोड़ जारी

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे 'व्यवस्था परिवर्तन' के सकारात्मक परिणाम अब आर्थिक मोर्चे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इसी क्रम में वित्त वर्ष 2026-27 में 27 जून तक राज्य सरकार ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान के लिए 212 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इनमें 131.03 करोड़ रुपए पेंशनरों तथा 80.97 करोड़ रुपए सरकारी कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान के लिए जारी किए गए हैं। (विस्तृत दो पर)

आईजीएमसी, चमियाणा टांडा को मिलेगी लैब

शिमला। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया गया है। तीन प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाणा और इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आईजीएमसी और डॉ राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में अत्याधुनिक ट्रैक बेस्ड ऑटोमेटेड लैब स्थापित करने को मंजूरी मिली है। (विस्तृत दो पर)

यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की पहली पूजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में पारंपरिक प्रथम पूजा के साथ सोमवार को सालाना अमरनाथ यात्रा 2026 की औपचारिक शुरुआत हुई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी की पूजा-अर्चना की और देश भर के लोगों के लिए शांति, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। ज्येष्ठ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयोजित इस पवित्र समारोह के साथ ही भारत की सबसे पवित्र हिंदू तीर्थयात्राओं में से एक की तैयारियों की आधिकारिक शुरुआत हो गई। यह तीर्थयात्रा तीन जुलाई, 2026 को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार ज़ब्त

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर सफल अभियान चलाते हुए राज्य भर में अलग-अलग विद्रोही संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस अभियान में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और हेरोइन भी बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जगहों से चार संदिग्ध उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान उसके पास से मैगज़ीन के साथ एक नौ एमएम पिस्तौल भी बरामद की गई।

सीबीएसई का फैसला, तीसरी भाषा में नहीं होगी बोर्ड परीक्षा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

- थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर नई गाइडलाइन जारी
- नौवीं में पढ़ रहे छात्रों को भी एक बार की छूट

सीबीएसई ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने को लेकर नई गाइडलाइन जारी की। बोर्ड ने साफ किया है कि मौजूदा 10वीं के छात्रों पर थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं होगी। वहीं, अभी सातवीं,आठवीं और नौवीं में पढ़ रहे छात्रों को 10वीं में पहुंचने पर तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम नहीं देना होगा। सीबीएसई की अकादमिक निदेशक प्रज्ञा एम सिंह ने बताया कि 2026-27 में पहले से नौवीं में पढ़ रहे छात्रों को एक बार की छूट भी दी है। ऐसे छात्र दो विदेशी (गैर-भारतीय) भाषाएं पढ़ना जारी रख सकते हैं,

सीबीएसई का फैसला : पृष्ठ आठ पर

इलेक्ट्रिक पर 50, डीजल बसों पर 30 फीसदी सबसिडी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ला रहे राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना का चौथा चरण

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

- बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर
- 1,000 चिन्हित मार्गों पर संचालित होंगी स्पेशल बसें
- पांच वर्षों तक दिया जाएगा मासिक परिचालन प्रोत्साहन
- महिलाओं-छात्रों को मिलेगी रियायती यात्रा सुविधा

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने युवाओं को रोजगार प्रदान करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित करने, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सदृढ़ बनाने तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना (चरण-4) प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर 50 प्रतिशत तथा डीजल बसों की खरीद पर 30 प्रतिशत पूंजीगत सबसिडी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेशभर में चिन्हित 1,000 मार्गों पर बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक बसों के लिए पांच वर्षों तक 65 हजार रुपए प्रतिमाह तथा डीजल बसों के लिए 50 हजार रुपए प्रतिमाह परिचालन प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। यह योजना पूरे हिमाचल प्रदेश में लागू होगी तथा प्रत्येक उपमंडल में कम-से-कम 10 मार्ग चिन्हित किए जाएंगे। योजना के तहत न्यूनतम 32 सीटों वाली इलेक्ट्रिक एवं डीजल यात्री

इलेक्ट्रिक पर 50 : पृष्ठ आठ पर

आवेदन के लिए ये होंगी शर्तें

योजना के लिए आवेदक का हिमाचल प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा। उसकी आयु 25 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उसके पास कम-से-कम तीन वर्ष का अनुभव और वैध हैवी ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक होगा। बस का संचालन स्वयं लाभार्थी द्वारा किया जाएगा। राज्य के रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा चयन प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवेदकों को वरीयता प्रदान की जाएगी।

चढ़ावा चोरी के आठों आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

एजेंसियां — अयोध्या

- चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पुलिस ने की पूछताछ
- अयोध्या के वकीलों ने आरोपियों की पैरवी करने से किया इनकार
- सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, सीबीआई जांच पर तुरंत सुनवाई से इनकार

तीन दिन की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपियों की रिमांड नहीं मांगी। फिर कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे। हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ आंदोलन की चेतावनी भी दी

चढ़ावा चोरी के : पृष्ठ आठ पर

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने बिना टोल दिए पार किया होर्मुज स्ट्रेट

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की। चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए।

एक महीने में संशोधित करो बेअदबी कानून

अकाल तख्त के आदेश; आप विधायकों ने कबूला, बिना पढ़े साइन किए

निजी संवाददाता — अमृतसर

अमृतसर। अकाल तख्त में मामले की सुनवाई करते पांच सिंह साहिबान

श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026 में एक महीने में संशोधन करने का आदेश दिया है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कानून पर छह एतराज जताए। उन्होंने कहा कि सरकार बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाए, इस पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों में विधानसभा फैसला नहीं कर सकती। तब तक इस कानून को होल्ड किया जाए। इस दौरान वहां मौजूद विधायकों ने माना कि उन्होंने कानून को बिना पढ़े सहमति दी है। सुनवाई से पहले

एक महीने में : पृष्ठ आठ पर

पुणे में 65 साल के रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा

भीमराव कांबले

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिला में तीन साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर है। वह सात बच्चों का पिता और 11 बच्चों का दादा है। यह घटना पहली मई को पुणे जिला के नसरापुर गांव में हुई थी।

हरियाणा-राजस्थान में यमुना जल विवाद खत्म

केंद्र ने करवाया समझौता, यमुना जल परियोजना का रास्ता साफ

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

दोनों राज्यों में समझौता करवाते शाह

राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना के जल को लेकर दशकों से चल रहा विवाद आखिरकार खत्म हो गया है और दोनों राज्यों ने यमुना जल समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर कर दिए। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और प्रयासों से राजस्थान की बहुप्रतीक्षित यमुना जल परियोजना को यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। लगभग तीन दशक से लंबित यह परियोजना

हरियाणा-राजस्थान : पृष्ठ आठ पर

यह है यमुना परियोजना

यमुना जल परियोजना के तहत राजस्थान के हिस्से का 577 एमसीएम यमुना जल हरियाणा स्थित हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से चूरू जिले के हंसियावास जलाशय तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 34,102 करोड़ रुपए है।

अब खराब दृश्यता में भी सुरक्षित उतरेंगे प्लेन

सेटेलाइट सिग्नल से भारत में पहली बार कॉमर्शियल जेट की लैंडिंग, स्वदेशी गगन सिस्टम का सफल ट्रायल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — नई दिल्ली

अब खराब विजिबिलिटी (दृश्यता) में भी प्लेन सुरक्षित लैंड कर सकेंगे, क्योंकि भारत में पहली बार किसी बड़े कॉमर्शियल जेट को ग्राउंड से रेडियो सिग्नल भेजे बिना सीधे सेटेलाइट सिग्नल्स की मदद से सुरक्षित उतारने का सफल ट्रायल कर लिया गया है।

विमानन नियामक डीजीसीए की देखरेख में इंडिगो एयरलाइंस के एयरबस ए-320 विमान ने स्वदेशी गगन नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल कर यह ऐतिहासिक लैंडिंग की। हालांकि इंडिगो ने 2022 में छोटे एटीआर विमानों पर इसका परीक्षण किया था, लेकिन बड़े कॉमर्शियल जेट के साथ देश में यह पहला सफल ट्रायल है। यह ट्रायल 27 जून को किया गया था। अब विमान को लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट के रेडियो उपकरणों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा।

क्या फायदा होगा

- कोहरे, बारिश और खराब विजिबिलिटी में भी सुरक्षित लैंडिंग आसान होगी
- जिन एयरपोर्ट्स पर महंगे ग्राउंड रेडियो सिस्टम नहीं हैं, वहां भी आधुनिक नेविगेशन की सुविधा मिल सकेगी
- पायलट को विमान की स्थिति की ज्यादा सटीक जानकारी मिलेगी, जिससे सुरक्षा बढ़ेगी

स्वदेशी गगन सिस्टम

गगन का पूरा नाम जीपीएस एडेड जियो ऑगमेंटेड नेविगेशन (जीएजीएएन) है। यह भारत का अपना सेटेलाइट-बेस्ड ऑगमेंटेशन सिस्टम है, जिसे इसरो और भारतीय विमानन प्राधिकरण ने मिलकर तैयार किया है। गगन, भारत के नाविक या अमरीका के जीपीएस की तरह कोई स्वतंत्र नेविगेशन सिस्टम नहीं है, जो सीधे लोकेशन बताता हो। बल्कि, यह पहले से मौजूद जीपीएस सिग्नल्स की कमियों और गलतियों को ठीक करके उन्हें विमानों के लिए और ज्यादा सटीक व भरोसेमंद बनाता है।

ABHILASHI UNIVERSITY
(Accredited by NAAC with 'B+' Grade)
Approved By: HP Govt., UGC, PCI, VCI, NCISM, NCTE, HPSPVC, HPPERC & Member AIU
ADMISSION OPEN 2026-27

FACULTY OF AYURVEDA
- B.A.M.S.
- D. PHARMACY (AYURVEDA)
- DIPLOMA IN YOGA

SCHOOL OF HEALTH SCIENCES
- DIPLOMA IN MULTIPURPOSE HEALTH WORKER (MPHW)
- BACHELOR OF PHYSIOTHERAPY (B.P.T.)
- BACHELOR OF MEDICAL LABORATORY SCIENCE (BMLS)
- BACHELOR OF ANESTHESIA & OPERATION THEATRE TECHNOLOGY (BAOTT)
- BACHELOR OF MEDICAL RADIOLOGY AND IMAGING TECHNOLOGY (BMRIT)

FACULTY OF AGRICULTURE
- B.Sc. (Hons.) AGRICULTURE
- M.Sc. AGRICULTURE
  - AGRONOMY
  - HORTICULTURE (VEG. SCIENCES)
  - GENETICS & PLANT BREADING
  - ENTOMOLOGY

FACULTY OF VET. SCIENCES
- BACHELOR OF VETERINARY SCIENCE & ANIMAL HUSBANDRY (B.V.SC & AH) COURSE DURATION: 5½ years
- TWO YEARS VETERINARY PHARMACIST TRAINING COURSE

FACULTY OF PHARMACY
- B. PHARMACY • B. PHARMACY (LE)
- D. PHARMACY
- Pharm. D (6 Years-Doctor of Pharmacy)
- Pharm. D-PB • Ph.D. in Pharmaceutical Science
- M. PHARMACY (Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics)

FACULTY OF ENGG. & MANAGEMENT
- B.TECH (CSE) • M.TECH (CSE)
- BCA • BBA • MBA • MBA (EXECUTIVE)
- MBA (PART TIME) • Ph.D. MANAGEMENT

FACULTY OF EDU. HUMANITIES & BASIC SCIENCES
- DIPLOMA IN ART & CRAFTS (DRAWING MASTER)
- B.A. B.Ed. (ITEP-Middle), B.Sc. B.Ed. (ITEP-Middle)
- B.Sc. MED./ NON-MED. • B.A.
- M.A. EDUCATION • Ph.D. EDUCATION

SCHOLARSHIP available to SC/ST STUDENTS T & C Apply

H.O. NER CHOWK, TEHSIL BALH, DISTT. MANDI, HIMACHAL PRADESH
9459052533, 9816242139, 9816102238
Website: www.abhilashiuniversity.ac.in Email: admissioncell@abhilashiuniversity.ac.in regabhilashi@gmail.com

नाहन नगर परिषद चुनाव के लिए विधायक सोलंकी पर्यवेक्षक नियुक्त

शिमला — प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने नाहन के विधायक अजय सोलंकी को तत्काल प्रभाव से नगर परिषद पांवटा साहिब के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के गठन के लिए पार्टी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। प्रदेश संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने इसकी अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि अजय सोलंकी को चुनाव प्रक्रिया के समन्वय और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशों के अनुसार नगर परिषद के नेतृत्व के सफल गठन को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है...

नहीं कोई जिनके आसपास, वे लोग भी मुख्यमंत्री सुक्खू के लिए बहुत खास

सीएम का दुर्गम क्षेत्रों से लगाव फिर आया सामने; डोडरा क्वार, कुपवी, सरची, बागा सराहन के बाद पहुंचे बड़ा भंगाल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने बड़ा भंगाल में यूं सुनीं लोगों की समस्याएं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — धर्मशाला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का हिमाचल प्रदेश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में शामिल कांगड़ा जिले के बड़ा भंगाल का दो दिवसीय प्रवास दूरस्थ क्षेत्र के लोगों के समग्र विकास के प्रति उनकी संवेदनशीलता एवं विशेष लगाव का सशक्त प्रमाण है। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि वर्तमान सरकार की विकास यात्रा केवल सड़कों और शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने के संकल्प से प्रेरित है। जिन क्षेत्रों की आवाज़ वर्षों तक शिमला में सत्ता के गलियारों तक मुश्किल से पहुंच पाती थी, वहां आज मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचकर लोगों के बीच बैठ रहे हैं, उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और मौके पर समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 'व्यवस्था परिवर्तन' के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए यह सिद्ध किया है कि उनके लिए विकास का पैमाना वोटों की संख्या नहीं, बल्कि लोगों की जरूरतें हैं। कम आबादी वाले और राजनीतिक दृष्टि से कम प्रभाव वाले क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई देती है। बड़ा भंगाल पहुंचकर मुख्यमंत्री ने स्वयं कहा, 'मैं यहां राजनीति करने नहीं, बल्कि आपका दुख-दर्द बांटने आया हूं।' यह कथन उनकी कार्यशैली और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। कांग्रेस सरकार के गठन के बाद जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों के संतुलित विकास को नई गति मिली है।

सीएम को देख बड़ा भंगाल के लोग खुश

कमलो देवी

रिशु राम

संतोष कुमारी

मुख्यमंत्री के आगमन से बड़ा भंगाल के लोग बहुत खुश नजर आए। स्थानीय निवासी कमलो देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे से उम्मीद है कि यहां पर सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। वहीं, रिशू राम ने कहा कि सुखविंदर सिंह सुक्खू पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने यहां पर रात्रि ठहराव किया है। उन्होंने कहा कि अब हमारी समस्याओं का समाधान होगा। संतोष कुमारी ने कहा कि हमने अपनी बातें मुख्यमंत्री सुक्खू के सामने रखी हैं और उन्होंने अधिकारियों को इनका तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं निकट से समझीं

मुख्यमंत्री सुक्खू इससे पहले शिमला के दुर्गम क्षेत्र डोडरा-क्वार और कुपवी, कुल्लू के बागा सराहन तथा बंजार के सरची जैसे कठिन इलाकों का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने इन क्षेत्रों में रात्रि प्रवास कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए तत्काल निर्णय भी लिए। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशीलता और जनसरोकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। इसी सोच के तहत सरकार बनने के बाद पहला राज्य स्तरीय हिमाचल दिवस जनजातीय क्षेत्र स्पीति के काजा में आयोजित किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2025 का राज्य स्तरीय हिमाचल दिवस भी देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में से एक पांगी में आयोजित कर सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया कि विकास और सम्मान पर प्रदेश के हर क्षेत्र का समान अधिकार है।

वीबी जीराम जी के लिए जुलाई की डेडलाइन

स्कीम लागू नहीं की, तो पैसा जारी नहीं करेगी केंद्र सरकार

VB-GRAM G Act — Viksit Bharat 2047

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

- प्रदेश सरकार ने बनाई कमेटी कई प्रावधानों पर आपत्ति

केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा की जगह लागू की गई वीबी जीराम जी योजना को लेकर डेडलाइन तय कर दी गई है। भारत सरकार ने जुलाई तक इस योजना पर अंतिम फैसला लेने की बात कही है। यदि जुलाई तक फैसला नहीं लिया, तो न सिर्फ अगला पैसा रखेगा, बल्कि पुरानी लायबिलिटी को भी केंद्र सरकार अदा नहीं करेगी। हिमाचल के अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भी इस बात को साफ कर दिया गया है। हालांकि हिमाचल को कई तरह की आपत्तियां नई योजना से हैं। इन्हीं आपत्तियां पर चर्चा को कैबिनेट ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री की अध्यक्षता में कमेटी बना रखी है। इस कमेटी को 29 जून तक रिपोर्ट देने को कहा गया था। अधिकारियों का कहना है कि हिमाचल सरकार नई योजना को लागू कर रही है, लेकिन इससे पहले केंद्र सरकार को अपनी आपत्तियों से संबंधित ज्ञापन भेजा जा रहा है। नई योजना में न सिर्फ मनरेगा में मिलने वाली दिहाड़ी का मसला है, बल्कि इस योजना के लिए हिमाचल में नियुक्त किए गए करीब 1200 कर्मचारियों की वेजिज को लेकर भी दिक्कत है। हिमाचल सरकार मनरेगा में 320 रुपए दे रही है, जबकि केंद्र सरकार की दिहाड़ी 247 रुपए है। मनरेगा में राज्य सरकार टॉप अप करके भुगतान कर रही थी। यह टॉप अप सुविधा वीबी जीराम जी में भी रहेगी या नहीं? इस पर निर्णय अभी होना है।

हिमाचल पर आर्थिक बोझ

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने प्रेस वार्ता कर अन्य आपत्तियों को भी उजागर किया था। इस योजना से हिमाचल प्रदेश पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। नई व्यवस्था का प्रतिकूल असर ग्रामीण मजदूरों की आजीविका, रोजगार के अवसरों और मनरेगा से जुड़े कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ेगा। अनिरुद्ध सिंह ने कहा था कि केंद्र सरकार नई योजना के फायदे तो बता रही है, लेकिन इसके संभावित प्रभावों पर चर्चा नहीं कर रही है। ग्रामीण विकास मंत्री ने ये तर्क भी दिया था कि नई योजना के लागू होने के बाद मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी पर भी असर पड़ेगा। ऐसे में गैर-जनजातीय क्षेत्रों में मजदूरी सिमटकर 247 रुपए और जनजातीय क्षेत्रों में 309 रुपए रह जाएगी।

आईजीएमसी, चमियाणा, टीएमसी में ऑटोमेटेड लैब

सरकार ने दी मंजूरी; 75 करोड़ में मिलेगी आधुनिक सुविधाएं, एक ही ब्लड सैंपल से हो जाएगी कई तरह की जांच

स्टाफ रिपोर्टर — शिमला

प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया गया है। तीन प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाणा और इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आईजीएमसी और डाक्टर राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में अत्याधुनिक ट्रैक बेस्ड ऑटोमेटेड लैब स्थापित करने को मंजूरी मिल गई है। सरकार ने आईजीएमसी, चमियाणा और टीएमसी संस्थानों में इन प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए 25-25 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत और जारी कर दी है। योजना के तहत इन तीनों जगह आधुनिक ट्रैक बेस्ड ऑटोमेटेड लैब स्थापित करने के लिए कुल 75 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। इन प्रयोगशालाओं में खून के एक ही नमूने से कई प्रकार की जांच की जा सकेंगी, जिससे मरीजों को बार-बार सैंपल देने की आवश्यकता नहीं होगी और जांच रिपोर्ट पहले की तुलना में कम समय में उपलब्ध हो सकेगी। सरकार ने इन प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए निविदाएं भी आमंत्रित कर दी हैं। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपकरणों की स्थापना का कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

समय पर मिलेगी रिपोर्ट

नई ऑटोमेटेड लैब की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि मरीज के खून के एक ही नमूने से विभिन्न प्रकार की जांचें की जा सकेंगी। वर्तमान व्यवस्था में कई बार अलग-अलग जांचों के लिए अलग-अलग नमूने लेने पड़ते हैं, जिससे मरीजों को असुविधा होती है और रिपोर्ट मिलने में भी अधिक समय लगता है। ट्रैक बेस्ड प्रणाली में नमूना संग्रह से लेकर परीक्षण और रिपोर्ट की पूरी प्रक्रया स्वचालित होगी।

आधुनिक प्रयोगशालाएं

प्रदेश में इन प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक मशीनें और स्वचालित ट्रैक सिस्टम स्थापित किए जाएंगे, जो विभिन्न विभागों की जांच मशीनों को आपस में जोड़ेंगे। नमूने को एक मशीन से दूसरी मशीन तक ले जाने का कार्य भी स्वचालित रूप से होगा। इससे जांच प्रक्रिया तेज होगी। ट्रैक बेस्ड ऑटोमेटेड लैब में बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और अन्य महत्वपूर्ण जांचें एकीकृत प्रणाली के तहत की जा सकेंगी।

मरीजों को सीधा लाभ

प्रदेश भर में इस परियोजना के शुरू होने के बाद अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। जांच रिपोर्ट जल्द उपलब्ध होने से गंभीर मरीजों के उपचार में तेजी आएगी और डॉक्टरों को समय पर सही चिकित्सकीय निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा मरीजों की लंबी कतारों और जांच रिपोर्ट के इंतजार की समस्या भी काफी हद तक कम होने की संभावना है।

हिमाचल में हर महीने बैठक करेगी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

- संगठन महामंत्री ने जारी किए निर्देश, पार्टी मुख्यालय भेजनी होगी मीटिंग की रिपोर्ट

प्रदेश संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने सभी ब्लॉक पार्टी प्रभारियों से अपने-अपने ब्लॉकों में नियमित रूप से प्रवास करने और इन ब्लॉकों की नियमित बैठकों में भाग लेने को कहा है। उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की हर माह में एक बैठक सुनिश्चित करने और बैठक के तुरंत बाद इसकी पूरी रिपोर्ट, पदाधिकारियों की उपस्थिति सहित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन को भेजने को कहा है। संगठन में अनुशासन बनाएं रखने और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशानिर्देशों की अनुपालना को सुनिश्चित करने को कहा है। विनोद जिंटा ने कहा कि प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि पीसीसी, जिला और ब्लॉक स्तर के सभी पदाधिकारियों के कामकाज की हर तीन माह में समीक्षा होगी। उन्होंने सभी ब्लॉक प्रभारियों से हर महीने के पहले सप्ताह या 10 दिनों के भीतर ब्लॉक की एक बैठक सुनिश्चित करने को कहा है। बैठक में पार्टी के सभी नेताओं, विधायक, पूर्व विधायक, अग्रणी संगठनों के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है।

पालमपुर-मंडी में नारी शक्ति में हाथ शहर की कमान

राधा सूद पालमपुर नगर निगम की मेयर चुनी गई हैं, जबकि डिप्टी मेयर का ताज नीलम मलिक की सिर सजा है। इस तरह पालमपुर नगर निगम में अब पूरी तरह नारी शक्ति का वर्चस्व हो गया है। पालमपुर में कांग्रेस ने 15 में से 11 वार्डों पर जीत हासिल की थी, जिसमें महिलाओं का आंकड़ा नौ था, जबकि चार सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे।

मंडी नगर निगम में भाजपा की सुमन ठाकुर नई मेयर बन गई हैं। डिप्टी मेयर के तौर पर जितेंद्र शर्मा की ताजपोशी हुई है। पार्षदों की शपथ के तुरंत बाद मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव कर लिया गया। दोनों पदों के लिए एक-एक नामांकन प्राप्त होने के कारण सुमन ठाकुर को महापौर तथा जितेंद्र शर्मा को निर्विरोध उपमहापौर निर्वाचित घोषित किया गया।

बिजली-पानी की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता

राधा सूद

पालमपुर — पालमपुर नगर निगम के मेयर पद पर निर्वाचित होने के बाद वार्ड नंबर-2 की पार्षद राधा सूद ने पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल, पार्टी नेतृत्व, सभी पार्षदों, कार्यकर्ताओं और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया है। राधा सूद ने कहा कि नगर निगम के सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी और प्रत्येक वार्ड के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के रखरखाव तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखी जाएगी।

विकास कार्यों को रफ्तार देने का रहेगा प्रयास

नीलम मलिक

नगर निगम के वार्ड नंबर-10 से लगातार दूसरी बार पार्षद चुनी गईं नीलम मलिक को नगर निगम की उपमहापौर बनने का अवसर मिलने पर उन्होंने इसे जनता के विश्वास और प्यार की जीत बताया है। डिप्टी मेयर बनने के बाद नीलम मलिक ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य जनसुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जाएगी।

मंडी नगर निगम की मेयर करवाएंगी नालों की सफाई

सुमन ठाकुर

मंडी — मंडी नगर निगम की कमान एक बार फिर से महिला के हाथों में सौंपी गई है। निगम की पहली बार मेयर बनी सुमन ठाकुर ने मंडी के नालों की सफाई को प्राथमिकता दी है। मेयर सुमन ठाकुर ने कहा कि बीती बरसात में मंडी शहर से गुजरने वाले नालों ने कहर बरपाया था, ऐसे में इस बरसात में ऐसी आपदा न आए उससे पहले ही सभी नालों की सफाई करवाई जाएगी। शहर में जल भराव की स्थिति से निपटा जाएगा और शहरियों के लिए मूलभूत सुविधाएं जुटाई जाएंगी। स्ट्रीट लाइट, पेयजल सहित सड़कों-रास्तों की दशा सुधारी जाएगी। डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सभी 15 वार्डों में एक समान विकास कार्य करवाए जाएंगे।

सीवरेज समस्या का स्थायी हल निकाला जाएगा

जितेंद्र शर्मा

मंडी के डिप्टी मेयर जितेंद्र शर्मा ने कहा कि पंडित सुखराम के विजन से बनी इंदिरा मार्किट की चोक होती सीवरेज व्यवस्था का स्थायी हल निकाला जाएगा और मार्किट के सौंदर्यीकरण की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पार्क की दशा भी सुधारी जाएगी। जनता की समस्याओं का समाधान जाएगा तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि निगम के तहत आने वाले क्षेत्रों में विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

मेडिकल रीइम्बर्समेंट को 212 करोड़ जारी

सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन से लगातार सुदृढ़ हो रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे 'व्यवस्था परिवर्तन' के सकारात्मक परिणाम अब आर्थिक मोर्चे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। वित्तीय अनुशासन, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की नीति के चलते कांग्रेस सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबे समय से लंबित वित्तीय लाभों का तेजी से निपटारा कर रही है। इसी क्रम में वित्त वर्ष 2026-27 में 27 जून तक राज्य सरकार ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान के लिए 212 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इनमें 131.03 करोड़ रुपए पेंशनरों तथा 80.97 करोड़ रुपए सरकारी कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान के लिए जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वित्त विभाग ने कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों के शीघ्र भुगतान के लिए यह धनराशि जारी की है। कांग्रेस सरकार ने वर्ष 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुए अथवा दिवंगत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिवारों को भी बड़ी राहत प्रदान की है। जिनकी मूल पेंशन 25,000 रुपए तथा पारिवारिक पेंशन 15,000 रुपए प्रतिमाह तक है, उनके लंबित एरियर जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहली जनवरी, 2016 से पूर्व सेवानिवृत्त हुए पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनरों के संशोधित पेंशन एरियर का पूर्ण भुगतान भी सुनिश्चित किया गया है।

पिछली सरकार को केंद्र से मिले थे 60 हजार

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार को आरडीजी तथा जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में केंद्र सरकार से लगभग 60 हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्राप्त हुई थी। इसके बावजूद कर्मचारियों और पेंशनरों को छठे वेतन आयोग के एरियर तथा अन्य देय वित्तीय लाभों का समयबद्ध भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभालते ही कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया तथा अब प्रदेश की वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ-साथ कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित वित्तीय लाभों का भी भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है।

बहिष्कार के कारण नहीं बन पाई दो शहरों की सरकार

सोलन नगर निगम में दो जुलाई को मेयर-डिप्टी मेयर का चयन

निजी संवाददाता — सोलन

नगर निगम सोलन में सोमवार को महापौर और उपमहापौर के चुनाव से ठीक पहले सियासी घटनाक्रम ने अचानक नया मोड़ ले लिया। सभी 17 नवनिर्वाचित पार्षदों के पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के बाद कांग्रेस के पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए सभागार छोड़ दिया। इसके चलते चुनाव के लिए आवश्यक कोरम पूरा नहीं हो सका और महापौर तथा उपमहापौर का निर्वाचन टालना पड़ा। नगर निगम सभागार में आयोजित समारोह में उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने सभी 17 नवनिर्वाचित पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद महापौर और उपमहापौर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होनी थी। इसी बीच आगामी प्रक्रिया से पहले लगभग आधे घंटे का अवकाश दिया गया, लेकिन बैठक दोबारा शुरू होने से पहले ही कांग्रेस के सभी पार्षद सभागार से बाहर निकल गए। इससे महापौर और उपमहापौर का चुनाव नहीं कराया जा सका। उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा-36 तथा हिमाचल प्रदेश नगर निगम निर्वाचन नियम, 2012 के नियम-81 के अनुसार महापौर और उपमहापौर के चुनाव के लिए आवश्यक संख्या पूरी न होने के कारण निर्वाचन स्थगित करना पड़ा। उपायुक्त ने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए अब महापौर और उपमहापौर के चुनाव के लिए दो जुलाई को दोपहर बाद तीन बजे नगर निगम सोलन के बैठक कक्ष में नई बैठक निर्धारित की है। इसी दिन महापौर और उपमहापौर का निर्वाचन कराया जाएगा।

धर्मशाला नगर निगम अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव कल होगा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — धर्मशाला

धर्मशाला नगर निगम के 17 नवनिर्वाचित पार्षदों के शांतिपूर्ण शपथ ग्रहण के ठीक बाद कांग्रेस के पार्षदों ने वॉकआउट कर दिया। इसके चलते मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव कोरम के अभाव में स्थगित करना पड़ा। अब शहर की सरकार के मुखिया का फैसला पहली जुलाई को होने वाली साधारण बैठक में होगा। धर्मशाला स्थित सचिवालय भवन के कैबिनेट हॉल में सोमवार को शहर की नई सरकार के गठन की औपचारिक शुरुआत हुई। उपायुक्त कांगड़ा एवं पीठासीन अधिकारी हेमराज बैरवा ने नवनिर्वाचित 17 पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी होते ही राजनीतिक समीकरणों ने अचानक करवट ली। नियमों के अनुसार मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए पहले दिन तीन-चौथाई बहुमत (कोरम) की आवश्यकता थी। इसी बीच, कांग्रेस के पांच पार्षदों ने सदन से अचानक वॉकआउट कर दिया। उनका साथ देते हुए वार्ड नंबर-9 सकोह से निर्वाचित निर्दलीय पार्षद भी सदन से बाहर चले गए। इस अचानक हुए वॉकआउट ने चुनाव प्रक्रिया पर सीधा ब्रेक लगा दिया। वॉकआउट के बाद उपायुक्त ने स्थिति को संभालने के लिए लगभग आधे घंटे बाद दोबारा बैठक बुलाई। दूसरी बार जब बैठक शुरू हुई, तो सदन में केवल भाजपा समर्थित 11 पार्षद और पदेन पार्षद के रूप में विधायक सुधीर शर्मा ही मौजूद रहे। अंततः पीठासीन अधिकारी को मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव स्थगित करने की औपचारिक घोषणा करनी पड़ी।

पंचायत चुनाव परिणाम विकास की राजनीति पर जनता की मुहर

रोहडू — शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को जीत मिली है, जो कि इस बात का प्रमाण है कि जनता सकारात्मक सोच और विकास की राजनीति का सदैव समर्थन करती है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर सोमवार को शिमला के शुराचली क्षेत्र की ग्राम पंचायत रावीं में मौजूद रहे। रोहित ठाकुर ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इन चुनावों में महिला शक्ति विशेष रूप से उभर कर सामने आई है। बहुत सारी पंचायतों में महिलाएं प्रधान और उपप्रधान के पदों पर निर्वाचित हुई।

सरकार ने किया था चुनाव टालने का प्रयास

जयराम का आरोप, अब जीते हुए सदस्यों पर बनाया जा रहा दवाब

जयराम ठाकुर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी नगर निगम मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के बाद पत्रकारवार्ता में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले तो चुनावों को टालने का हरसंभव प्रयास किया और अब जब परिणाम उनके पक्ष में नहीं आए, तो वे जीते हुए जनप्रतिनिधियों को शपथ लेने से रोक रहे हैं, जो पूरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार दबाव डालकर जनप्रतिनिधियों को अपने पक्ष में करने की हरसंभव कोशिश कर रही है, लेकिन हमारी विचारधारा के जीते हुए पार्षदों की एकजुटता के आगे उनकी एक नहीं चल रही है। धर्मशाला और सोलन में आज कांग्रेस के सदन से भाग जाने वाला के कारण कोरम पूरे नहीं हुए, लेकिन मंडी में हमारा कोरम पूरा हुआ और हमारी जीत पक्की हुई। मंडी नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला है। जयराम ठाकुर ने कहा कि चुनाव परिणाम अनुकूल न होने के कारण कांग्रेस मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव को टालने का प्रयास कर रही थी। मंडी नगर निगम में दोबारा भाजपा का कब्जा होने पर उन्होंने जनता का आभार जताया और पार्षदों को बधाई दी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी नगर निगम में सुमन ठाकुर को महापौर तथा जितेंद्र कुमार को उपमहापौर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई दी।

राम मंदिर चंदा चोरी पर भड़कीं सांसद महुआ मोइत्रा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने राम मंदिर के लिए जुटाए गए चंदे में गड़बड़ को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला। सोमवार को उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है। बीजेपी की सरकार युवाओं के नाम पर बनी। भाजपा खुद को हिंदू सरकार और सनातन सरकार बताती रही, लेकिन राम मंदिर निर्माण के नाम पर देशभर में लोगों के बीच विभाजन पैदा किया और दंगे भड़काए। आज राम मंदिर में क्या हो रहा है, इसका जवाब नहीं दिया जा रहा है।

अमरीका-ईरान हमले रोकने पर राजी

आज कतर में फिर होगी बातचीत, होर्मुज स्ट्रेट से जारी रहेगी जहाजों का आवाजाही

एजेंसियां—वाशिंगटन/तेहरान

अमरीका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले तीन दिन से हमले जारी थे। अमरीकी अधिकारियों के मुताबिक, अमरीका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते (एमओयू) के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे। समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। अमरीका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमरीकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है। अमरीका ने कहा है कि ईरान के साथ मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में उच्च स्तरीय बैठक होगी। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो करीबी सहयोगी स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही दोनों देशों की तकनीकी टीमों के बीच भी अलग से बातचीत होगी। दोनों देशों के बीच बातचीत की निगरानी के लिए चार कमेटियों का गठन किया गया है। वहीं अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर दावा किया है कि ईरान ने बातचीत की अपील की है और दोनों देशों के संसदीय कार्य मंत्री जेपी नड्डा ... दोनों देशों के बीच मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में बैठक होगी। हालांकि, ईरान ने ट्रंप के इस दावे से अलग बयान दिया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि इस सप्ताह कतर में अमरीकी अधिकारियों के साथ तकनीकी टीमों की कोई बैठक तय नहीं है। यानी अमरीका और ईरान दोनों के दावे अलग-अलग हैं।

- ईरान से बातचीत के लिए दो खास सहयोगी भेजेंगे ट्रंप
- दोनों देशों के बीच बातचीत की निगरानी करेंगी चार कमेटियां

घटने लगी जहाजों की तादाद

अमरीका और ईरान के बीच शुरुआती समझौते पर तनाव बढ़ने और होर्मुज से गुजर रहे एक जहाज पर हमले के बाद जहाजों की आवाजाही काफी कम हो गई। समुद्री ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को कुल 29 मालवाहक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे, जबकि रविवार को यह संख्या घटकर सिर्फ 12 रह गई। यह पिछले सप्ताह की तुलना में बड़ी गिरावट है। पिछले हफ्ते अमेरिका और अमेरिका के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही युद्ध शुरू होने के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। बुधवार को 70 जहाजों ने इस जलमार्ग को पार किया था। ईरान ने बिना मंजूरी वाले शिपिंग मार्गों का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कई जहाज अलग-अलग रास्तों से इस स्टेट को पार करते रहे।

ज्वाइंट होर्मुज कमेटी की मस्कट में बैठक

ईरान और ओमान ने सोमवार को मस्कट में ज्वाइंट होर्मुज कमेटी की पहली बैठक की। इस बैठक में होर्मुज स्ट्रेट को चलाने को लेकर चर्चा हुई। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बताया कि उन्होंने ओमान के विशेष राजदूत अब्दुलअजीज अल हिनाई से मुलाकात की और होर्मुज से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की। गरीबाबादी के मुताबिक दोनों देशों ने तेहरान-वॉशिंगटन समझौता की आर्टिकल-5 के तहत होर्मुज के भविष्य के प्रबंधन पर विचार-विमर्श किया। बैठक में होर्मुज के संचालन, सुरक्षा और आगे की व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर दोनों पक्षों ने अपने विचार साझा किए।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा ने पीएम मोदी को भेजा खास संदेश

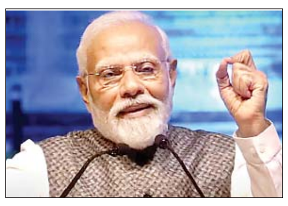

नई दिल्ली। ईरान के अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई ने भारतीय प्रधानमंत्री को ईद-उल-अज़हा की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। यह पहली बार है जब ईरान के नए सुप्रीम लीडर ने भारत को लेकर कुछ कहा है। उन्होंने लिखा कि भारत गणराज्य के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे ईद-उल-अज़हा के मुबारक मौके पर आपका बधाई संदेश मिला। मैं इसके लिए आपका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं और आपको भी बधाई देता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आपसी सम्मान और साझे हितों पर टिकी हमारे दोनों देशों की ऐतिहासिक दोस्ती, हमारी सरकारों की कोशिशों से और मजबूत होगी और इसका दायरा बढ़ेगा। मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर से भारत सरकार और भारत के महान लोगों की खुशहाली और लगातार कामयाबी के लिए प्रार्थना करता हूं। ईरानी सूत्रों के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मुजतबा खामेनेई ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से ईद-उल-अज़हा की बधाई देने के लिए आभार व्यक्त किया है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों को और मजबूत करने के महत्त्व पर जोर दिया है।

खामेनेई की अंतिम विदाई में भारत भेजेगा दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

- विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा और बिहार के गवर्नर सैयद हसनैन होंगे शामिल

भारत सरकार ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन को भेजेगी। पिछले हफ्ते ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता दिया था। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चार जुलाई को शुरू होगी और नौ जुलाई को उत्तर-पूर्वी ईरान के पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफ़नाए जाने के साथ पूरी होगी, मशहद वहीं शहर है, जहां उनका जन्म हुआ था। खामेनेई, जो 86 साल के थे, 28 फरवरी को मारे गए थे। यह वही दिन था जब तेहरान पर इज़रायल और अमरीका ने हवाई हमले किए थे।

ईरान को छह अरब डॉलर देगा कतर

अमरीका से तनाव के बीच हाथ लगेगा खजाना, डीफ्रीज होगी संपत्ति

एजेंसियां— तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोमवार को कहा कि कतर में फ्रीज ईरान के 12 अरब डॉलर की संपत्ति में से छह अरब डॉलर की संपत्ति जल्द ही डीफ्रीज की जाएगी। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाल में फारस की खाड़ी में हुए हमलों की वजह से अमरीका और ईरान के बीच चल रही वार्ताओं पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। कहा जा रहा है कि पेजेश्कियान का यह बयान देश की आवाम को अंतरिम समझौते के पक्ष में भरोसा दिलाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। खासकर तब, जब होर्मुज पर ईरान की पकड़ को चुनौती देने के लिए ओमान के समुद्री क्षेत्र को खाड़ी में आने-जाने वाले जहाजों के लिए खोलने की कोशिशें हो रही हैं। ईरान के हमलों और धमकियों की वजह से होर्मुज से मालवाहक जहाजों और तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी। शांतिकाल में दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल और प्राकृतिक गैस का व्यापार इसी जलमार्ग से होता है। इस रुकावट ने वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दिया। हालांकि होर्मुज ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र के बीच स्थित है, लेकिन लंबे समय से इसे एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता रहा है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने ओमान की ओर से गुजरने वाले समुद्री मार्ग पर दो बार जहाजों को निशाना बनाया, जिसके जवाब में अमरीका ने हवाई हमले किए। इससे दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए चल रही औपचारिक वार्ता पर भी असर पड़ने की आशंका बढ़ गई।

कराची शहर के बाद पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमले

एजेंसियां— इस्लामाबाद/काबुल

पाकिस्तान के कराची शहर में रेंजर्स के क्षेत्रीय मुख्यालय पर हुए हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई और हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोमवार को दावा किया कि इस अभियान में 25 आतंकवादी मारे गए हैं।

अफगानिस्तान के अनुसार इन हमलों में 36 नागरिक मारे गए हैं। पाकिस्तान के अनुसार यह कार्रवाई उस समूह के खिलाफ की गई, जिसे वह कराची में सप्ताहांत में हुए घातक हमले के लिए जिम्मेदार मानता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार लगातार इस बात से इनकार करती रही है कि आतंकवादी समूह उसकी सरजमीं का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान ने कहा कि जमीनी अभियान के बाद रविवार रात पूर्वी अफगानिस्तान में सटीक हवाई हमले किए गए। इस्लामाबाद के अनुसार इन हमलों का निशाना पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से अलग हुआ संगठन जमात-उल-अहरार था।

दूसरी ओर, काबुल स्थित तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के दावों को खारिज करते हुए कहा कि तीनों पूर्वी प्रांतों में हुए हवाई हमले मुख्य रूप से नागरिक क्षेत्रों पर किए गए, जिनमें 36 लोगों की मौत हो गई और 163 अन्य घायल हो गए।

खड़गे होंगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता

सदस्य के रूप में शपथ लेते ही दूसरे कार्यकाल का आगाज, राधाकृष्णन ने दिलाई सौगंध

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

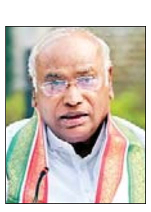

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का राज्यसभा में बतौर सदस्य कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में खड़गे का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही विपक्ष के नेता का पद भी रिक्त हो गया था। अब खड़गे के राज्यसभा सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल का आगाज हो गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली। मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए हैं। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मल्लिकार्जुन खड़गे समेत सभी आठ सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने हिंदी में शपथ ली। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, नेता सदन जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहे। राज्यसभा सदस्यता की शपथ लेने के साथ ही मल्लिकार्जुन खड़गे को फिर से विपक्ष का नेता भी चुन लिया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने शपथ ग्रहण के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि जनता की चिंता, आकांक्षा और आवाज को पूरी ईमानदारी, दृढ़ विश्वास और संकल्प के साथ उठाते रहेंगे।

- कांग्रेस संसदीय दल प्रमुख सोनिया गांधी समेत प्रियंका वाड्रा भी रहीं मौजूद

कांग्रेस अध्यक्ष को प्रियंका गांधी ने दी बधाई

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष परम आदरणीय श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी लगभग 50 बरसों से देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने एक आम कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और आज पार्टी के सर्वोच्च पद की जिम्मेदारी संभालते हुए, कांग्रेस की विचारधारा और देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि आदरणीय खड़गे जी ने आज एक बार फिर से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है। उन्हें हार्दिक बधाई एवं बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी पर प्रियांक खड़गे को समन

बंगलुरू। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे और यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड को आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी करने पर समन जारी किया गया है। बंगलुरू की एक अदालत ने 27 जून को समन जारी कर 21 जुलाई तक जवाब मांगा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ प्रियांक की टिप्पणियों को लेकर आपराधिक मानहानि की शिकायत की गई थी। इसी शिकायत पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने समन जारी किया है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने माना कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत आपराधिक मानहानि के अपराध के लिए प्रियांक खड़गे और नलपाड के खिलाफ मामला बनता है।

यूपी में हाई-वे पर गिरा एयरक्राफ्ट

उड़ान के दौरान तारों में उलझा; ट्रेनी महिला पायलट आगरा रैफर

एजेंसियां— लखनऊ

यूपी के कासगंज में सोमवार दोपहर 3.30 बजे एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। विमान उड़ा रही 27 साल की महिला ट्रेनी पायलट घायल हो गईं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर किया गया है। हादसा पुलिस लाइन के पीछे 6-लेन हाई-वे के पास हुआ। दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 3.40 बजे सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी की गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। अलीगढ़ में चेतक एविएशन कंपनी है, जो डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन) से मान्यता प्राप्त फ्लाइंग ट्रेनिंग अकादमी है। यहां पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए सेसना 172 और सेसना 152 जैसे विमान इस्तेमाल किए जाते हैं। मुंबई की रहने वाली पायलट कायनात पुत्री कादरखान ट्रेनिंग ले रही थीं। सोमवार दोपहर कायनात ने अलीगढ़ में धनीपुर हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी। विमान में वह अकेली थीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान आसमान में मंडरा रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और बिजली के तारों से टकराकर बरेली-मथुरा हाईवे किनारे गिर गया। विमान क्षतिग्रस्त हो गया है। पायलट को विमान से बाहर निकालकर पहले जिला अस्पताल भेजा गया। जहां गंभीर हालत देख उन्हें आगरा रैफर कर दिया गया।

ब्रिटेन बदलेगा नौसेना की रणनीति

पुराने डेस्ट्रॉयर की जगह बनाएगा छह नए ड्रोन-सक्षम हाइब्रिड युद्धपोत

एजेंसियां— लंदन

ब्रिटेन ने अपनी नौसेना के आधुनिकीकरण के लिए रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने पुराने टाइप-45 डेस्ट्रॉयर की जगह टाइप-83 युद्धपोत विकसित करने की योजना रद्द कर दी है। इसके बजाय कम से कम छह नए ड्रोन-सक्षम कॉमन कॉम्बैट वेसल्स बनाए जाएंगे, जो आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप मानव रहित प्रणालियों के साथ मिलकर काम करेंगे। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के अनुसार, ये हाइब्रिड युद्धपोत हवा, समुद्र की सतह और पानी के भीतर संचालित ड्रोन सिस्टम का समन्वय कर सकेंगे। इससे नौसेना की वायु रक्षा, निगरानी क्षमता और मारक शक्ति बढ़ेगी, जबकि चालक दल और संचालन लागत में अपेक्षाकृत कम बढ़ोतरी होगी। इन जहाजों की डिलीवरी 2030 के दशक में शुरू होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय ने इस परियोजना को समुद्री रक्षा क्षमता में एक पीढ़ी में एक बार होने वाला निवेश बताया है। हालांकि रक्षा निवेश योजना (डीआईपी) के बजट को लेकर सरकार के भीतर लंबे समय से मतभेद रहे हैं। पर्याप्त फंडिंग नहीं मिलने के मुद्दे पर हाल ही में रक्षा सचिव जॉन हीली और सशस्त्र बल मंत्री अल कार्न्स ने इस्तीफा दिया था। विपक्ष का कहना है कि सरकार की रक्षा योजनाएं अब भी जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त हैं। ब्रिटेन सरकार ने 2027 तक रक्षा खर्च को जीडीपी के 2.5 फीसदी और 2035 तक 3.5 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

नोएडा में एसी ब्लास्ट 21वीं मंजिल पर भड़की भीषण आग

नोएडा। नोएडा की एक बिल्डिंग में सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे भीषण आग लग गई। 21वें फ्लोर के एक फ्लैट में एसी ब्लास्ट के बाद लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। आग देखकर फ्लोर के लोग भी चिल्लाते हुए नीचे भागे। खिड़कियों से आग की ऊंची-ऊंची लपटें बाहर निकलने लगीं और पूरा फ्लोर धुएं से भर गया। आसपास के लोग पाइप के जरिए आग बुझाने की कोशिश करने लगे। इसी बीच फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। फायर फाइटर्स ने मोर्चा संभाला और लोगों की मदद से इमारत में लगे संसाधनों की सहायता से आग बुझाई।

पहली जुलाई से लागू होगी वीबी-जीरामजी योजना

दिल्ली में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में शिवराज सिंह चौहान ने साझा किया रोडमैप

अब 125 दिन रोजगार

मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों को साल में 100 दिन के रोजगार की गारंटी मिलती है, लेकिन पहली जुलाई से यह सीमा बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। यानी जरूरतमंद परिवारों को अब 25 दिन ज्यादा काम मिल सकेगा।

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से आए 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ व्यापक मंथन किया। सम्मेलन में न सिर्फ योजनाओं की समीक्षा हुई, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विकसित ग्राम-विकसित भारत के विजन को जमीन पर उतारने के लिए ठोस रणनीतियां भी सामने आईं। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत- जीरामजी योजना और लखपति दीदी के रोडमैप के बारे में भी बताया। शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि पहली जुलाई से विकसित भारत-जीरामजी योजना देशभर में लागू होगी, जो मनरेगा की जगह लेगी। इसके लिए 95,682 करोड़ रुपए की अंतिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें। अब अगर आवेदन के 15 दिन के अंदर रोजगार नहीं मिलता है, तो संबंधित व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

छह करोड़ महिलाओं को बनाएंगे लखपति दीदी

सम्मेलन में लखपति दीदी डैशबोर्ड लॉन्च किया गया और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करते हुए शिवराज सिंह ने बताया कि पीएम मोदी की ओर से 3 करोड़ से बढ़ाकर 6 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अगले 5 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपए का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है।

राम मंदिर दान घोटाले पर सिब्बल ने घेरी केंद्र सरकार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

- कहा, राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को लूटा गया है और भगवान राम के नाम पर भी कथित अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। सिब्बल ने कहा कि मोदी सरकार का अच्छे दिन का नारा भी झूठा साबित हुआ है। कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने लिखा कि इस सरकार को हराओ। राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। उन्होंने आगे कहा, ऐसे शासन को तोड़ेंगे, मिलकर देश को जोड़ेंगे, न दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा। विपक्ष ने अयोध्या राम मंदिर में दान में कथित घोटाले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने इस पर सरकार से जवाब मांगा। पार्टी ने कहा कि यह केवल वित्तीय घोटाला नहीं, बल्कि आस्था के साथ विश्वासघात है, क्योंकि राम मंदिर निर्माण को भाजपा ने राष्ट्रीय आंदोलन बताया था। देशभर से लोगों ने दान दिया था।

असर 2032 तक भारत को 94 लाख करोड़ के नुकसान की चेतावनी; उत्पादन घटेगा, बिजली की बढ़ेगी डिमांड

मानसून रोक गर्मी बढ़ा रहा अल-नीनो

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

अल-नीनो को लेकर वैज्ञानिकों ने गंभीर चेतावनी दी है। अनुमान है कि नवंबर, 2026 से जनवरी, 2027 के बीच इसका असर सबसे ज्यादा रहेगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत को 2032 तक करीब एक ट्रिलियन डॉलर (करीब 94,55,960 करोड़ रुपए) का आर्थिक नुकसान हो सकता है। वहीं, पूरी दुनिया को 10 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। यह नुकसान केवल मौसम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेती, रोजगार, एनर्जी और अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल सकता है। अल-नीनो एक ऐसी मौसमी घटना है, जो भारत में मानसून को कमजोर कर सकती है और गर्मी बढ़ा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार अल-नीनो की वजह से भारत में भीषण गर्मी बढ़ सकती है और मानसून कमजोर हो सकता है। इसका सीधा असर खेती पर पड़ेगा। बारिश कम होने से फसलों का उत्पादन घट सकता है, सिंचाई की जरूरत बढ़ेगी और बिजली की मांग भी बढ़ सकती है। इससे खाद्य कीमतों और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका है। रिसर्चर्स का कहना है कि अल-नीनो का असर केवल उसी साल तक सीमित नहीं रहता। इससे आर्थिक विकास की रफ्तार कई वर्षों तक धीमी रह सकती है। अनुमान है कि 2032 तक भारत की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हो सकता है। वहीं, वैश्विक स्तर पर यह नुकसान 10 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो सकता है। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि कुछ आर्थिक असर लंबे समय तक बने रह सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सरकारों को अभी से तैयारी शुरू करनी चाहिए। इसके लिए बेहतर वेदर फोरकास्ट, समय पर चेतावनी देने वाले सिस्टम, गर्मी सहने वाली फसलों का विकास, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करना और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश बढ़ाना जरूरी होगा। इससे अल-नीनो और क्लाइमेट चेंज दोनों के असर को कम करने में मदद मिल सकती है।

क्लाइमेट के हिसाब से प्लानिंग जरूरी

एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाला अल-नीनो केवल मौसम की घटना नहीं है, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, खेती और लोगों के जीवन पर बड़ा असर डाल सकता है। ऐसे में समय रहते तैयारी और क्लाइमेट के हिसाब से प्लानिंग बनाना फ्यूचर के नुकसान को कम करने के लिए जरूरी होगा।

जर्मनी के स्टेड शहर में गोलीबारी, पांच लोगों की मौत

स्टेड। जर्मनी के उत्तरी शहर स्टेड के एक युवा केंद्र में सोमवार को एक अज्ञात हमलावर ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है, हमले के कारण का अभी पता नहीं चला है। जर्मनी की डीपीए न्यूज एजेंसी ने पुलिस के हवाले से कहा कि शहर के केंद्र में एक युवा केंद्र के पास अज्ञात हमलावर ने गोलियां चलाई। पुलिस ने व्हाट्सऐप पर साझा बयान में कहा कि डैंकरस्ट्राब में एक 'बड़ा अभियान' चलाया जा रहा है और लोगों को इस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई है।

दिन की खबर

चंबा में चमेरा डैम ने उगला युवती का शव

मैहला। चमेरा-दो के जलाशय बग्गा से पुलिस ने सोमवार दोपहर बाद एक युवती का शव बरामद किया है। शव की पहचान बबिता पुत्री वासी गांव जडौथा के तौर पर की गई है, जो कि पिछले सोमवार से लापता चल रही थी। परिजनों ने युवती की गुमशुदगी की रपट पुलिस में दर्ज करवा रखी थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मेडिकल कालेज चंबा भिजवा दिया है।

राजगढ़ में बस की ब्रेक फेल, अफरातफरी

राजगढ़। राजगढ़-सनौरा मार्ग पर सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा उस समय टल गया जब शिलाई से सोलन होते हुए शिमला जा रही बस की ब्रेक फेल हो गई। बस में सवार यात्रियों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। चालक ने धैर्य और साहस का परिचय देते हुए बस को सड़क किनारे सुरक्षित दिशा में मोड़ दिया, जिससे बस गहरी खाई में जाने से बच गई।

सुंदरनगर में घर से दारू की 166 बोतलें पकड़ी

सुंदरनगर। पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव लाग में बलबीर सिंह पुत्र राम सिंह के घर से विभिन्न ब्रांडों की 70 बोतलें शराब बरामद की हैं। उधर, दूसरे मामले में सत्या देवी पत्नी बलबीर सिंह निवासी गांव लाग के घर पर छापेमारी कर 96 बोतलें शराब बरामद की हैं।

अवैध लकड़ी से लदी पिकअप जब्त

सुंदरनगर। सुकेत वन मंडल के जयदेवी वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध देवदार कटान और तस्करी के बड़े प्रयास को विफल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान विभाग ने मौके पर पिकअप सहित दस देवदार के लट्ठे वाहन से तथा 15 लट्ठे सड़क किनारे बरामद किए गए। आरोपियों के पास लकड़ी के परिवहन से संबंधित कोई वैध ट्रांजिट परमिट या अन्य अधिकृत दस्तावेज नहीं मिले।

रोहतांग, बारालाचा चंद्रताल में उमड़े सैलानी

पतलीकूहल। मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी के चलते रोहतांग दर्राए बारालाचाए चंद्रताल झील और सिस्सू सैलानियों की पहली पसंद बन गए हैं। पिछले तीन-चार दिन से इन ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ी है। पर्यटकों के वाहन अटल टनल होकर सिस्सू, जिस्पा और बारालाचा की ओर रवाना हो रहे हैं। रोहतांग दर्रे में बर्फ व चंद्रताल झील का नीला पानी सैलानियों को आकर्षित कर रहा हैं।

जंपिंग झूले की निकली हवा, नीचे दबे मासूम

सोलन। सोलन के ऐतिहासिक शूलिनी मेले में बच्चों के लिए लगाए गए एक हवा वाले जंपिंग झूले में तकनीकी खराबी आने से सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। झूले की अचानक हवा निकलने से उस पर खेल रहे करीब 12 बच्चे नीचे दब गए। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत झूले का भारी हिस्सा हटाकर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मनाली घूमने आई बच्ची नाले में बही

उत्तर प्रदेश के बिजनौर से परिवार संग आई थी मासूम, ब्यास नदी में मिला शव

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-कुल्लू

- क्लब हाउस के पास हादसा पर्यटकों से अपील; नदी नालों, खड्डों से दूर रहें

उत्तर प्रदेश के बिजनौर से माता-पिता के साथ मनाली घूमने आई 14 साल की बच्ची की मनालसू नाले में बहने से मौत हो गई। बच्ची का शव वोल्वो बस स्टैंड के पास व्यास नदी से बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार दोपहर बच्ची क्लब हाउस के पास मनालसू नाले में बह गई। हादसे के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग ने संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। देर शाम बच्ची का शव ब्यास नदी से मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। मनाली में इन दिनों पर्यटकों की भीड़ है। पुलिस ने पर्यटकों से नदी-नालों के पास सावधानी बरतने की अपील की है।

लाहुल के जाहलमा नाले में बाढ़, 14 पंचायतों से संपर्क कटा

निजी संवाददाता- केलांग

केलांग। सोमवार को लाहुल के जाहलमा नाले में आई बाढ़

बदले मौसम के बीच लाहुल घाटी में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ तेजी से पिघ रहा है। इस दौरान सोमवार को जाहलमा नाले में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे एसकेटीटी सड़क बंद हो गई।

पानी जोबरंग पुल के ऊपर से बहने लगा। सड़क बंद होने से लाहुल की 14 पंचायतों और चंबा के दुर्गम पांगी क्षेत्र का शेष प्रदेश से सड़क संपर्क कट गया है। प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार को बारिश हुई, जबकि कुछ क्षेत्रों में गर्मी और उमस का असर बना रहा। राजधानी शिमला में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मंडी के जोगिंद्रनगर में दोपहर बाद झमाझम बारिश हुई, जिससे लंबे समय से वर्षा का इंतजार कर रहे किसानों को राहत मिली।

झंडूता में खड्ड में नहाते समय डूबने से ग्रामीण की दर्दनाक मौत

निजी संवाददाता-बरठीं

- पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

झंडूता थाना के तहत एक व्यक्ति की सीर खड्ड में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान राजेश कुमार (39) पुत्र लेखराम निवासी गांव एवं डाकघर समोह, तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर के तौर पर हुई है। राजेश कुमार निवासी समोह रविवार को सीर खड्ड में नहाने के लिए गया हुआ था, लेकिन वापस नहीं आया। सोमवार को किसी ने सीर खड्ड के किनारे तुंगड़ी में शव होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस भी सूचना मिलने पर पहुंची और आगामी कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। मामले को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रदेश के दस जिलों में बारिश का अलर्ट

दो से पांच जुलाई तक ऊना-बिलासपुर-हमीरपुर-चंबा-कांगड़ा कुल्लू-मंडी-शिमला-सिरमौर- सोलन में झमाझम के आसार

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

हिमाचल प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले दो से तीन दिनों के भीतर दस्तक दे सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला के अनुसार मानसून की उत्तरी सीमा लगातार आगे बढ़ रही है और परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। अगले दो दिनों में मानसून के उत्तर अरब सागर से हिमाचल प्रदेश तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से जारी सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार आज यानी मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान विशेषकर निचले और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पहली जुलाई को मौसम और अधिक सक्रिय होगा तथा कई स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। विभाग ने दो जुलाई से पांच जुलाई तक प्रदेश के कई जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी सप्ताह में अधिकतम तापमान म गिरावट आ सकती है।

बारिश से ब्यास पुल पर थमा ट्रैफिक

बारिश ने नादौन में जनजीवन को प्रभावित कर दिया। हमीरपुर और कांगड़ा जिला को जोड़ने वाले पुराने ब्यास पुल पर जलभराव हो गया। पानी और मलबा जमा होने से पुल पर आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

न्यूनतम तापमान

शिमला में न्यूनतम तापमान 16.5, सुंदरनगर 22.3, भुंतर 21.2, कल्पा 13.0, धर्मशाला 19.6, ऊना 23.0, नाहन 21.6, केलांग 11.2, सोलन 19.6, मनाली 16.9, कांगड़ा 24.2, मंडी 24.5, बिलासपुर 23.0, हमीरपुर 23.9, जुब्बड़हट्टी 19.0, कुफरी 15.5, कुकुमसेरी 8.3, नारकंडा 13.8, भरमौर 13.0, रिकांगपिओ 16.9, सेऊबाग 21.4, बरठीं 23.1, पांवटा साहिब 28.0, देहरा गोपीपुर 27.1, ताबो 12.0, मशोबरा 17.2 व नेरी में 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग से बचें ड्राइवर

मानसून को लेकर पुलिस ने चालकों के लिए जारी की एडवाइजरी

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

- बारिश से सड़कों पर फिसलन, हादसे का खतरा

प्रदेश मानसून का मौसम शुरू होने से पहले ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं, जबकि कई स्थानों पर घना कोहरा और धुंध छाने से दृश्यता काफी कम हो जाती है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार बारिश के दौरान वाहन निर्धारित गति सीमा के भीतर ही चलाएं। तेज रफ्तार से वाहन चलाने और अनावश्यक ओवरटेकिंग से बचें। चालक आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें, ताकि अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में दुर्घटना से बचा जा सके। मोड़ों, ढलानों और संकरी सड़कों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। बारिश के समय सड़क पर पानी जमा होने या फिसलन के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ सकता है। ऐसे में चालक धैर्य के साथ वाहन चलाएं और जल्दबाजी से बचें। पुलिस ने यह भी सलाह दी है कि यात्रा शुरू करने से पहले वाहन के ब्रेक, टायर, वाइपर, हैडलाइट और इंडिकेटर की जांच अवश्य कर लें। धुंध या तेज बारिश के दौरान हैडलाइट का उचित इस्तेमाल करें तथा मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाएं। शिमला ट्रैफिक पुलिस की टीमें शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों पर तैनात हैं ।

मंडी में पकड़ी एक किलो चरस

फोरलेन पर तरोट बस अड्डे के पास राजस्थान के चार युवक गिरफ्तार

दिव्य हिमाचल टीम-मंडी, कुल्लू

- डिक्की में मैट के नीचे छिपाए थे पांच पैकेट
- पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की छानबीन

एसटीएफ ने कार से 1.055 किलो चरस बरामद की है। अवैध चरस तस्करी के आरोप में पुलिस ने राजस्थान के चार युवक गिरफ्तार किए है। इन युवकों ने चरस डिक्की में मैट के नीचे छिपाई थी। एसटीएफ को जांच के दौन मैट के नीचे पांच पैकेट मिले, जिसमें चरस थी। फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार मंडी-सुंदरनगर फोरलेन पर तरोट बस अड्डा के समीप नियमित नाकाबंदी एवं वाहन चेकिंग के दौरान सफेद रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट (आरजे-18सीबी-3954) को जांच के लिए रोका गया। गाड़ी को रोकते ही युवक डर गए। तलाशी के दौरान कार की डिक्की में मैट के नीचे छिपाकर रखे गए पांच पैकेटों से 1.055 किलोग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने मामले में कार चालक आशीष कुमार (39) तथा वीरेंद्र कुमार (29), जैकी (20) और प्रमोद (19) निवासी जिला झुंझुनूं, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में पुलिस थाना धनोटू में 20, 25 और 29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद चरस कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

कुल्लू - फोरलेन पर पकड़े चरस तस्कर

बरसात से पहले दूरसंचार विभाग ठीक कर रहा ऑप्टिकल फाइबर केबल और पोल

आपदा से सबक, इंट्रा सर्किल रोमिंग पर काम

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-शिमला

- पिछले साल थुनाग-चंबा-कुल्लू-लाहुल में काम आई थी इंट्रा सर्किल रोमिंग

मानसून को देखते हुए दूरसंचार विभाग के हिमाचल प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र द्वारा राज्य भर में दूरसंचार तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा संचार नेटवर्कको सुदृढ़ता को और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। दूरसंचार विभाग के हिमाचल प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र के अपर महानिदेशक (दूरसंचार) वीरेंद्र कुमार ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों तथा भू-स्खलन, अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड), बादल फटने की घटनाओं एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रति इसकी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, आपातकालीन परिस्थितियों में निर्बाध दूरसंचार संपर्क सुनिश्चित करना दूरसंचार विभाग की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। विश्वसनीय दूरसंचार सेवाएं आपदा प्रतिक्रिया, राहत कार्यों के समन्वय तथा नागरिकों तक समयबद्ध सूचना के प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बीते सालों की आपदा स्थितियों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर विभाग ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों तथा राज्य में कार्यरत दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के साथ निकट समन्वय स्थापित करते हुए अनेक तैयारी संबंधी उपाय किए हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने क्षतिग्रस्त ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) व पोल आदि को बदलकर तथा ओएफसी के वैकल्पिक मार्गों की योजना बनाकर अपने नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। दूरसंचार विभाग के हिमाचल प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र ने आपातकालीन परिस्थितियों में दूरसंचार सेवाओं की समयबद्ध प्रतिक्रिया एवं बहाली सुनिश्चित करने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए), जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (डीडीएमए) तथा दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है। एक प्रमुख फोकस क्षेत्र इंट्रा-सर्किल रोमिंग की संचालनात्मक तत्परता सुनिश्चित करना रहा है। विभाग ने आगे निर्देश दिया है कि दूरसंचार सेवा प्रदाता पर्याप्त आपातकालीन बहाली संसाधन, सक्रिय ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बहाली किट, पोर्टेबल बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) तथा दूरसंचार सेवाओं की त्वरित बहाली हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखें।

जून में कुल्लू पहुंची तीन लाख गाड़ियां

मनाली, लाहुल-स्पीति में सैलानियों का मेला, छोटी पड़ गई घाटी की सड़कें

कार्यालय संवाददाता-कुल्लू

निचले इलाकों में भीषण गर्मी के बीच हिमाचल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मनाली और लाहुल-स्पीति इन दिनों पर्यटकों से गुलजार हैं। जून महीने में मनाली और लाहुल-स्पीति में तीन लाख से अधिक वाहन पहुंचे। मई के मुकाबले 106732 पर्यटक ज्यादा आए। पर्यटन विभाग के अनुसार यह इस सीजन की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। मनाली मॉल रोड से लेकर सोलंगनाला और लाहुल-स्पीति के विभिन्न इलाकों में सैलानियों की भारी भीड़ है। गर्मी से राहत पाने के लिए पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। होटल, होमस्टे और कैंप साइटें लगभग फुल हैं। मई महीने के मुकाबले जून महीने में बड़ी संख्या में जिला कुल्लू में पर्यटक पहुंचे हैं। पूरे महीने में ट्रैफिक जाम की समस्या भी हर दिन रही। पर्यटकों के आने से पर्यटन कारोबारियों के कारोबार में भी इजाफा हुआ है।

“मई महीने से ज्यादा पर्यटक जून महीने में अटल टनल रोहतांग से इन और आउट हुए हैं। जून में मनाली में पर्यटकों की संख्या में काफी ज्यादा रही

केडी शर्मा, डीएसपी, मनाली

दो महीने के वाहनों के आंकड़े

महीना	इन	आउट
4-10 मई	23250	21729
11-17 मई	24051	21715
18-24 मई	31580	27524
25-31 मई	31960	33522
1-7 जून	36108	41883
8-14 जून	36905	44712
15-27 जून	71244	90961

मई में 215351 गाड़ियां अटल टनल के आर-पार

मई के मुकाबले जून में बड़ी संख्या में पर्यटक वाहन यहां पहुंचे, जिसमें लाखों सैलानियों ने मनाली और लाहुल की वादियों का दीदार किया। मई महीने में कुल 215351 पर्यटक वाहन अटल टनल रोहतांग से आर-पार हुए थे। जून महीने में 322083 पर्यटक वाहन अटल टनल रोहतांग से इन और आउट हुए। मई के मुकाबले 105732 पर्यटक वाहन अधिक पहुंचे।

शिमला में राज्यपाल से मिलीं पूर्व चीफ इंजीनियर विमल नेगी की पत्नी

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

शिमला। पत्रकारों से रू-ब-रू किरण नेगी

- पति की मौत पर जांच से असंतुष्ट, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

एचपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के दिवंगत चीफ इंजीनियर विमल नेगी की पत्नी किरण नेगी ने मामले में दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। सोमवार को शिमला में उन्होंने हिमाचल जनजातीय लोक अधिकार महासंघ के प्रतिनिधियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी मांगों से अवगत कराया। इसके बाद प्रेस वार्ता में किरण नेगी ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच में दोनों अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े तथ्य सामने आए हैं। इसके बावजूद दोनों अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। किरण नेगी ने यह भी आरोप लगाया कि मामले की जांच के दौरान शिमला पुलिस ने सबूत मिटाने की कोशिश की है। इस संबंध में भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। किरण नेगी ने कहा कि परिवार जल्द ही दोनों अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सीबीआई को अलग से शिकायत सौंपेगा।

संजौली मस्जिद मामले पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए टली

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में संजौली मस्जिद मामले पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए टल गई है। पिछली सुनवाई को नगर निगम शिमला की ओर से अनुपालना रिपोर्ट पेश की गई थी। कोर्ट को बताया गया था कि मस्जिद की निचली दो मंजिलों को छोड़ कर ऊपरी अवैध मंजिलें गिरा दी गई है। न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह ने मामले पर सभी पक्षकारों के आग्रह पर आगामी विचार करने हेतु चार सप्ताह के पश्चात सुनवाई करने के आदेश जारी किए।

प्रदेश में 4567 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद, 11.81 करोड़ रुपए भुगतान

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

- विभाग के पोर्टल पर अब तक 1621 किसानों ने करवाया पंजीकरण

खाद्य आपूर्ति विभाग में गेहूं की फसल खरीदने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब धान खरीदने की प्रक्रिया की तैयारी शुरू कर दी है। धान खरीदने के लिए पोर्टल पर कब से पंजीकरण शुरू होगा, इसके लिए विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। हिमाचल प्रदेश में किसानों से इस सीजन में 4567.50 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। किसानों को गेहूं की फसल का 11.81 करोड़ का भुगतान जारी कर दिया है। प्रदेश में किसानों से गेहूं की फसल की खरीद करने के लिए बनाए दस गेहूं खरीद केंद्रों में गेहूं की खरीद की गई है। प्रदेश में किसानों से गेहूं की फसल खरीदने के लिए आठ अप्रैल से गेहूं खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आठ अप्रैल से 15 जून तक इन केंद्रों में 4567.50 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। किसानों से गेहूं की फसल खरीदने के लिए प्रदेश में दस मंडियां बनाई गई थी गेहूं की फसल बेचने के लिए विभाग के पोर्टल पर 1621 किसानों ने पंजीकरण करवाया।

कुल्लू में आईपीएस अफसर को सौंपें एसपी का कार्यभार

कसोल में रेव पार्टियों-ड्रग्स तस्करी पर कार्रवाई न करने पर हाई कोर्ट के आदेश

विधि संवाददाता -शिमला

- जिलाधीश सहित एसडीएम का तबादला कर नए अधिकारियों की करें तैनाती

हाई कोर्ट ने एचपीएस ऑफिसर की बजाए आईपीएस ऑफिसर को पुलिस अधीक्षक कुल्लू के पद पर तैनाती देने के आदेश दिए हैं। कसोल में रेव पार्टियों और ड्रग्स तस्करी के मामलों पर उचित कार्रवाई न करने पर कोर्ट ने जिलाधीश कुल्लू सहित संबंधित एसडीएम का तबादला कर नए अधिकारियों को तैनात करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को इन आदेशों की अनुपालना एक सप्ताह के भीतर करने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बीसी नेगी की खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रेव पार्टियों के आयोजन में जिला प्रशासन और आयोजकों में मिलीभगत की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश भी दिया। हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन के खिलाफ टिप्पणी करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के पास पहले से खुफिया इनपुट थे कि इन पार्टियों में बड़े स्तर पर नशे का इस्तेमाल और तस्करी हो सकती है, फिर भी इन्हें मंजूरी दी गई। हाई कोर्ट के आदेशानुसार डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी कुल्लू के सचिव ने नौ जून, 2026 को मौके का दौरा किया था। अपनी रिपोर्ट में सचिव ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजकों की ओर से सिर्फ साउंड सिस्टम की मंजूरी का पत्र दिखाया गया जबकि निरीक्षण के दौरान वहां शराब भी परोसी जा रही थी। आयोजकों के पास उस जगह पर शराब परोसने का ज़रूरी परमिट नहीं था। निरीक्षण के दौरान शराब की खाली बोतलें बीयर और व्हिस्की की बोतलें, सिगरेट के टुकड़े, परफेक्ट रोल्स और रोलिंग पेपर पाए गए। परफेक्ट रोल्स और रोलिंग पेपर का इस्तेमाल गांजा और तंबाकू का मिश्रण भरने और उसे जलाकर नशा करने के लिए किया जाता है। जगह इतनी बड़ी थी कि वहां 4000 से 5000 तक लोग आ सकते थे। कुल्लू के चीफ मेडिकल ऑफिसर ने बताया कि कसोल में उनके किसी भी सेंटर में इलाज के लिए ऐसा कोई मरीज नहीं लाया गया। कुल्लू के डिप्टी कमिश्नर अनुराग चंदर शर्मा ने कोर्ट में दिए शपथ पत्र में कहा कि जिला प्रशासन ने पर्यटन के नाम पर रेव पार्टियों के लिए कोई अनुमति नहीं दी थी। नौ जून, 2026 को हाईकोर्ट ने दखल न दिया होता, तो एसडीएम, डिप्टी कमिश्नर और पुलिस सुपरिटेंडेंट की बिना मंजूरी के यह पार्टी 11 जून, 2026 तक मजे से चलती रहती। अगली सुनवाई छह अगस्त 2026 को होगी।

पांवटा साहिब में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की चयन प्रक्रिया लटकाने पर मांगा जवाब

विधि संवाददाता-शिमला

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने नगर परिषद पांवटा साहिब के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया को लटकाने के आरोपों पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट राज्य सरकार को एक सप्ताह के अपनी रिपोर्ट रिकॉर्ड पर रखने के आदेश दिए। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रंजन शर्मा की खंडपीठ ने आदेश दिए कि इस रिपोर्ट में एसडीएम और चुनाव आयोग यह बताए कि उन्होंने निर्वाचन संबंधी कानूनी कर्त्तव्यों का किस प्रकार वहन किया। मामले को छह जुलाई को सूचीबद्ध किया गया है। याचिकाकर्ता कुलदीप चौधरी व अन्य सिरमौर जिला की पांवटा साहिब म्युनिसिपल काउंसिल के विधिवत चुने गए वार्ड पार्षद हैं। इस म्युनिसिपल काउंसिल के लिए वोटिंग 17 मई, 2026 को हुई थी। वोटों की गिनती उसी दिन पूरी हो गई थी। पांवटा साहिब म्युनिसिपल काउंसिल के चुनाव के नतीजे भी 17 मई, 2026 को ही औपचारिक रूप से घोषित कर दिए गए थे। 23 मई, 2026 को राज्य चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश म्युनिसिपल एक्ट, 1994 की धारा 27 (2) और हिमाचल प्रदेश म्युनिसिपल चुनाव नियम, 2015 के नियम 80 के तहत एक नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें उक्त म्युनिसिपल काउंसिल समेत सभी म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायतों के चुने गए सदस्यों के नामों की आधिकारिक घोषणा की गई।

दिन की खबर

मंडी में पैदा होगा ओक टसर रेशम

मंडी। मंडी जिला में रेशम के धागे से लोगों की तकदीर संवारी जा रही है। जिला में ओक टसर रेशम उत्पादन की कवायद भी तेज हुई है। वन आधारित इस गतिविधि से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिल रहा है। मंडी जिला के 105 रेशम उत्पादकों को 1.63 करोड की आर्थिक सहायता सरकार द्वारा मुहैया करवाई गई है। वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान जिला में 3619 औंस रेशम बीज वितरित किए गए,

उत्पादन कम, सेब बागबान परेशान

पतलीकूहल। प्रदेश के प्रमुख सेब उत्पादक क्षेत्रों में इस वर्ष सेब सीजन को लेकर बागबानों का उत्साह पहले जैसा नजर नहीं आ रहा है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों, फल की कमजोर सेटिंग और उत्पादन में संभावित गिरावट ने बागबानों की चिंता बढ़ा दी है। कम उत्पादन की आशंका के चलते अधिकांश बागवान बागानों पर होने वाले अतिरिक्त खर्च में भी कटौती कर रहे हैं, जिसका असर कृषि आदानों की बिक्री और बागबानी से जुड़े कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है।

घर-घर जाकर बच्चों को पिलाई पोलियो ड्राप्स

चंबा। प्रदेश भर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने आशा वर्कर ने बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने अभियान के दौरान घर-घर जाकर बच्चों को पोलिया ड्रॉप्स पिलाई।

पंडोह डैम से छोड़ा जाएगा पानी

मंडी। जिला प्रशासन मंडी ने ब्यास नदी में पंडोह डैम से पानी छोडे जाने पर अलर्ट जारी किया है। सोमवार रात 8:30 बजे एक अत्यावश्यक सूचना जारी कर सभी नागरिकों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। पंडोह डैम से डाउनस्ट्रीम की ओर 13000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण व्यास नदी का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नदी किनारे बिलकुल न जाएं।

छात्रों को हर बुधवार अंडे और फल

राज्य के सरकारी स्कूलों में मुख्यमंत्री आहार योजना से लाखों बच्चों को पोषण की नई ताकत

कार्यालय संवाददाता — शिमला

■ प्रदेश सरकार सालाना खर्च रही 15 करोड़ रुपए

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण स्तर को मजबूत बनाने के लिए हिमाचल सरकार की मुख्यमंत्री आहार योजना प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत मिड-डे मील के साथ बच्चों को प्रत्येक सप्ताह बुधवार को अतिरिक्त पौष्टिक आहार (सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन) उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें बच्चों को उबले हुए अंडे तथा मौसमी फल दिए जा रहे हैं, ताकि उन्हें संतुलित पोषण मिल सके और उनके शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा मिले। प्रदेश सरकार इस योजना पर हर वर्ष करीब 15 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च वहन कर रही है। मुख्यमंत्री आहार योजना का कुल वार्षिक बजट लगभग 115 करोड़ रुपए है, जिसमें राज्य सरकार अपने हिस्से के रूप में 15 करोड़ रुपए उपलब्ध करवा रही है। इस पहल को देश की अन्य राज्यों की योजनाओं से अलग और अभिनव माना जा रहा है, क्योंकि हिमाचल ने बच्चों के पोषण को मिड-डे मील से आगे बढ़ाकर अतिरिक्त पौष्टिक आहार से जोड़ा है। योजना का उद्देश्य केवल बच्चों का पेट भरना नहीं, बल्कि उनमें कुपोषण और सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी को दूर करना भी है। नियमित रूप से अंडे और मौसमी फलों के वितरण से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पढ़ाई में एकाग्रता सुधारने और स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने की दिशा में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। शिक्षा विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री आहार योजना के सफल संचालन से सरकारी स्कूलों में बच्चों को पौष्टिक भोजन की बेहतर व्यवस्था मिल रही है। सरकार का मानना है कि स्वस्थ विद्यार्थी ही बेहतर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं, इसलिए शिक्षा के साथ-साथ पोषण को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है। यह योजना प्रदेश में बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल बनकर उभरी है।

आंगनबाड़ी में पढ़ेंगे प्री-प्राइमरी के बच्चे

कार्यालय संवाददाता — शिमला

■ नजदीकी आंगनबाड़ी और प्राथमिक स्कूलों की तैयार होगी सूची

प्रदेश में तीन से छह वर्ष तक के बच्चों की शुरुआती शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। नई व्यवस्था के तहत जिन स्थानों पर आंगनबाड़ी केंद्र और सरकारी प्राथमिक विद्यालय एक-दूसरे के निकट हैं, वहां दोनों को को-लोकेट कर प्री-प्राइमरी कक्षाओं का संचालन आंगनबाड़ी केंद्रों से किया जाएगा। इसके लिए शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग ऐसे केंद्रों और स्कूलों की पहचान कर सूची तैयार कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य शुरुआती शिक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है। इसके लिए राज्यभर में सर्वे शुरू किया गया है। जिन क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र और स्कूल साथ-साथ हैं, वहां प्री-प्राइमरी कक्षाएं आंगनबाड़ी परिसर में संचालित की जाएंगी, जबकि प्राथमिक कक्षाओं का संचालन स्कूलों में पहले की तरह जारी रहेगा। योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है, जो को-लोकेशन की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगी और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। समिति की सिफारिशों के आधार पर योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग जल्द ही संयुक्त सर्वे पूरा कर ऐसे केंद्रों की सूची सरकार को सौंपेंगे।

एचपीयू 10 से करवाएगी परीक्षाएं

पीजीडीसीए, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की डेटशीट जारी

स्टाफ रिपोर्टर — शिमला

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने पीजीडीसीए सहित विभिन्न डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की जुलाई में आयोजित होने वाली परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अधिकांश डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 10 जुलाई से शुरू होंगी। परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय ने सभी संबंधित विभागों और विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। जारी डेटशीट के अनुसार पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन पीजीडीसीए की परीक्षाएं 10 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। वहीं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट की परीक्षाएं 10 से 15 जुलाई, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ट्राइबल स्टडीज की परीक्षाएं 10 से 14 जुलाई, डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन की परीक्षाएं 10 से 18 जुलाई और डिप्लोमा इन डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षाएं भी 10 से 18 जुलाई के बीच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगी। इसके अलावा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन तबला एंड ऑन कोर्स की परीक्षा 10 जुलाई को होगी। वहीं मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स मिनिएचर पेंटिंग की परीक्षाएं पहली से आठ जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय ने इन पाठ्यक्रमों के साथ विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्सों की डेटशीट भी जारी कर दी है। विस्तृत डेटशीट विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है, जहां से विद्यार्थी अपने संबंधित पाठ्यक्रम की परीक्षा तिथियों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पीएचडी काउंसिलिंग शेड्यूल जारी

दस्तावेज सत्यापन; शोध प्रस्ताव, साक्षात्कार के आधार पर चयन प्रक्रिया

स्टाफ रिपोर्टर - शिमला

■ कल से बुलाए अभ्यर्थी नियमों के अनुसार तय होगी अंतिम पात्रता

प्रदेश विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के लिए कुछ विभागों की काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है। विभागों द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर काउंसिलिंग शेड्यूल अपलोड किया कर दिया गया है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर विभागवार काउंसिलिंग की तिथि, समय और आवश्यक दिशा-निर्देश देख सकते हैं। निर्धारित तिथियों पर अभ्यर्थियों को दस्तावेजों के सत्यापन, शोध प्रस्ताव (रिसर्च प्रोपोजल) की प्रस्तुति और विभागीय प्रक्रिया में भाग लेना होगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार भूगोल विभाग में पहली से तीन जुलाई तक सुबह 10 बजे से काउंसिलिंग शुरू होगी। दो जुलाई को भौतिकी और परफार्मिंग आर्ट्स (संगीत) विभाग के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। तीन जुलाई को अर्थशास्त्र विभाग, योग अध्ययन विभाग और शिक्षा विभाग के अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग को बुलाया गया है। मैथेमेटिक्स, फिजिकल एजुकेशन और फोरेंसिक साइंस विभागों में चार जुलाई को काउंसिलिंग होगी। फिजिकल एजुकेशन विभाग में काउंसिलिंग प्रक्रिया सुबह 10 बजे शुरू होगी, जबकि मैथेमेटिक्स और फोरेंसिक साइंस विभागों में काउंसिलिंग सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि काउंसिलिंग में शामिल होना प्रवेश की गारंटी नहीं है। अभ्यर्थियों की अंतिम पात्रता का निर्धारण एचपीयू पीएचडी विनियम-2025 (संशोधित) और पार्ट टाइम पीएचडी कार्यक्रम-2026 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

दस्तावेजों के साथ रिसर्च प्रोपोजल भी जरूरी

अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रति, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, मैट्रिक से स्नातकोत्तर तक के मूल प्रमाणपत्र, उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां, यूजीसी-नेट, जेआरएफ या समकक्ष योग्यता प्रमाणपत्र आदि अन्य जरूरी दस्तावेज साथ लाने होंगे। वहीं विभागीय परिषद के समक्ष शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

अर्नी के रोजगारपरक शिक्षा की ओर बढ़े कदम

विश्वविद्यालय ने स्काई स्किल अकादमी, स्काई स्किल लैब के साथ किया करार

निजी संवाददाता — इंदौरा

रोजगारपरक एवं उद्योगोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में अर्नी विश्वविद्यालय ने स्काई स्किल अकादमी एवं स्काई स्किल लैब्स के साथ महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय परिसर में इलेक्ट्रिक वाहन एवं बैटरी प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी तथा ड्रोन प्रौद्योगिकी के तीन अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन, लाइव प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इससे हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा सहित आसपास के राज्यों के युवाओं को अपने क्षेत्र के निकट ही विश्वस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होगा। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. विवेक सिंह ने कहा कि अर्नी विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को कौशल, संपन्न, आत्मनिर्भर और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को भविष्य की उभरती तकनीकों में दक्ष बनाकर राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगी।

अर्नी विश्वविद्यालय और स्काई स्किल अकादमी-स्काई स्किल लैब्स के साथ समझौता ज्ञापन के दौरान गणमान्य

बाढ़ प्रबंधन पर चर्चा

अर्नी विश्वविद्यालय के चांसलर डा. विवेक सिंह सोमवार को भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के चेयरमैन इंजीनियर मनोज त्रिपाठी के साथ बाढ़ प्रबंधन, नदी संरक्षण तथा मंड क्षेत्र की सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह दौरा केवल एक औपचारिक बैठक नहीं था, बल्कि वर्षों से उठाए जा रहे जनहित के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से रखने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह को अति विशिष्ट सेवा मेडल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — हमीरपुर

■ हमीरपुर के सेना अफसर को राष्ट्रपति मुर्मू ने सौंपा सम्मान

राष्ट्रपति से सम्मान पाते रंजीत सिंह

जिला हमीरपुर के नाम एक और बड़ी उपलब्धि उस समय जुड़ गई, जब शहर के हीरानगर से ताल्लुक रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह को अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) से नवाजा गया। उन्हें यह सम्मान सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह शहर की हीरानगर कालोनी के रहने वाले हैं। वह लेफ्टिनेंट कर्नल किशन सिंह के बेटे और हवलदार ठाकुर मुंशी राम के पोते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह 1986 में नेशनल डिफेंस एकेडमी में शामिल हुए और 1989 में इंडियन मिलिट्री एकेडमी से कमीशन प्राप्त किया। उन्होंने अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी की परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्हें आर्टिलरी रेजिमेंट, 11 फील्ड (ज़ोजिला) जो अब एक मीडियम रेजिमेंट है, में कमीशन मिला।

शिमला-हरोली बस सेवा 10 दिन से बंद मरीज परेशान

शिमला। शिमला-हरोली (वाया बिलासपुर एम्स) एचआरटीसी बस सेवा पिछले करीब 10 दिनों से बंद होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बस के बंद होने से सबसे अधिक दिक्कत बिलासपुर एम्स में इलाज के लिए जाने वाले मरीजोंए उनके तीमारदारों और ऊना.हरोली क्षेत्र के यात्रियों को हो रही है। नाराज यात्रियों ने बस सेवा बहाल करने की मांग को लेकर 1100 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है। यात्रियों में सुरेंद्र ठाकुर, करण पाल कंवर, रमेश चंद ने बताया कि बस सेवा बंद होने के बाद अब यात्रियों को कालका या चंडीगढ़ के रास्ते सफर करना पड़ रहा है।

प्रशासनिक आंकड़े विकास योजनाओं के लिए जरूरी

शिमला। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर गणमान्य

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

■ शिमला में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर प्रधान सचिव जैन ने साझा किए विचार

प्रख्यात सांख्यिकीविद् प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को प्रदेश में 20वां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया। उनके योगदान ने भारत की आधुनिक सांख्यिकीय प्रणाली की नींव रखी। इस वर्ष का राष्ट्रीय विषय प्रशासनिक आंकड़ों की संभावनाओं को उजागर करना है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, प्रभावी शासन तथा नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में प्रशासनिक आंकड़ों के बढ़ते महत्त्व को रेखांकित करता है। इस अवसर पर प्रधान सचिव आर्थिक एवं सांख्यिकी डा. अभिषेक जैन ने विभागीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया, जिससे विभाग में ज्ञान संसाधनों के सुदृढ़ीकरण तथा अनुसंधान एवं डेटा-आधारित अधिगम की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन उत्पन्न प्रशासनिक आंकड़े देश की सबसे मूल्यवान, लेकिन अभी तक कम उपयोग में लाई गई सार्वजनिक परिसंपत्तियों में से एक हैं। यदि इन्हें व्यवस्थित रूप से संगठित, समन्वित एवं सुरक्षित रूप से साझा किया जाए, तो ये शासन को अधिक तीव्र, सूचित और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सरकारों से जटिल विकासात्मक चुनौतियों का त्वरित समाधान अपेक्षित है, जिसके लिए समयबद्ध, विश्वसनीय एवं सूक्ष्म स्तर की जानकारी आवश्यक है, जिसे पारंपरिक सर्वेक्षण हमेशा उपलब्ध नहीं करा सकते। सरकारी कार्यक्रमों के नियमित क्रियान्वयन से उत्पन्न प्रशासनिक आंकड़े वास्तविक समय में सतत जानकारी प्रदान करते हैं, जो नीति निर्माण, निगरानी एवं मूल्यांकन को सुदृढ़ बनाते हैं। डा. जैन ने कहा कि प्रशासनिक डाटा शासन को प्रतिक्रियात्मक व्यवस्था से सक्रिय निर्णय प्रणाली में परिवर्तित करने की क्षमता रखता है। यह कल्याणकारी योजनाओं के लक्ष्य निर्धारण में सुधार, सार्वजनिक संसाधनों के समुचित आबंटन, निगरानी प्रणाली को सशक्त बनाने तथा पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डा. जैन ने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ डेटा शासन गोपनीयता, सुरक्षा और सार्वजनिक विश्वास के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। डेटा साझाकरण के लिए मजबूत विधिक प्रावधान, पारदर्शी व्यवस्था और स्पष्ट जवाबदेही आवश्यक है।

विकसित भारत का संकल्प और मजबूत होगा

अनुराग बोले, केंद्र ने हिमाचल को दी हजारों करोड़ की परियोजनाएं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

■ सांसद ने हनुमान मंदिर जाखू में माथा टेकने के दौरान साझा की बात

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को शिमला प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध जाखू मंदिर में भगवान हनुमानजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भगवान हनुमान के चरणों में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा विकसित भारत के संकल्प की सफलता के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के स्वर्णिम अध्याय रहे हैं। वहीं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से शिमला स्थित लोकभवन में भेंट कर उनका पारंपरिक हिमाचली रीति से अभिनंदन कर राज्य के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

शिमला। जाखू मंदिर में आशीर्वाद लेने पहुंचे भाजपा नेता अनुराग ठाकुर

हर्ष महाजन का कुशलक्षेम जाना

शिमला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन के पंथाघाटी स्थित आवास पर पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हर्ष महाजन के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व एक धरना-प्रदर्शन के दौरान राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी और चक्कर आने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की देखरेख में उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अपने निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

जम्वाल-शर्मा बोले, राजनीतिक दबाव बना रही प्रदेश सरकार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — शिमला

■ कहा, जांच के दायरे में आएंगे इशारों पर काम करने वाले अफसर

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा ने कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, हास्यास्पद और जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी विफलताओं, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली और प्रशासनिक अराजकता को छिपाने के लिए अब भाजपा पर मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर अधिकारी और कर्मचारी जानता है कि आज हिमाचल प्रदेश में सबसे अधिक राजनीतिक दबाव कांग्रेस सरकार बना रही है। अधिकारियों की कलम का दुरुपयोग कर नियमों के विरुद्ध निर्णय करवाए जा रहे हैं। कई मामलों में अधिकारियों को विवश होकर ऐसे आदेश लागू करने पड़ रहे हैं, जो न प्रशासनिक दृष्टि से उचित हैं और न ही जनहित में हैं। राकेश जम्वाल और रणधीर शर्मा ने प्रदेश के सभी सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव में आने के बजाय संविधान, कानून और अपने विवेक के अनुसार कार्य करें।

रिसर्च मंडी आईआईटी के शोध ने हिलाया वैज्ञानिक जगत, दिमाग के बिना भी अनुभव की बेहोशी

पौधों में मिले चेतना के सबूत

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — कमांद (मंडी)

मंडी आईआईटी के वैज्ञानिकों ने वह कर दिखाया, जो अब तक कल्पना से भी परे रहा है। टमाटर और बैंगन के पौधों पर बेहोशी की दवा का असर देखते ही उनकी जड़ों की कोशिकाएं एक साथ, एक तय क्रम में निष्क्रिय हो गईं। यह सब ठीक वैसे ही हुआ जैसे जानवरों और इनसानों में होता है। इस शोध में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सभी कोशिकाओं के केंद्र न्यूक्लियस एक साथ एक ही दिशा में घूम गए। डीएनए का सक्रिय हिस्सा भी एक साथ केंद्र की सतह पर आ गया। ऐसे में जब दवा का असर खत्म हुआ, तो सब कुछ उल्टे क्रम में वापस सामान्य हो गया। यह शोध दुनिया की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं एडवांस्ड बायोलॉजी और केमिकल एंड बायोमेडिकल इमेजिंग में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस खोज से यह सवाल और मजबूत हुआ है कि क्या चेतना केवल मस्तिष्क तक सीमित है या फिर जीवित कोशिकाओं में भी किसी रूप में मौजूद हो सकती है। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि पौधे हमारी सोच से कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। मंडी आईआईटी के निदेशक प्रो लक्ष्मीधर बेहरा की टीम ने यह शोध एडवांस्ड बायोलॉजी और केमिकल एंड बायोमेडिकल इमेजिंग प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है। इस शोध का नेतृत्व आईआईटी मंडी के निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा, प्रोफेसर चयान कांति नंदी और उनकी शोध टीम ने किया। अब टीम ने सूक्ष्म कृमि पर शोध शुरू कर दिया है।

जड़ों को माना गया पौधे का दिमाग

वैज्ञानिकों ने अध्ययन के लिए पौधों की जड़ों के सबसे आगे वाले हिस्से को चुना। यह हिस्सा पौधे के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यही आसपास के वातावरण से मिलने वाले संकेतों को पहचानता है और उसी के आधार पर पौधे की बढ़त, पानी और पोषक तत्त्वों के उपयोग जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है।

टमाटर और बैंगन के पौधों पर शोध

बेहोशी की दवा का असर पौधों पर कैसे होता है? जानने के लिए यह शोध किया है। वैज्ञानिकों ने टमाटर और बैंगन के पौधों की जड़ों की कोशिकाओं का अध्ययन किया। इसके लिए आधुनिक सूक्ष्मदर्शी तकनीक का इस्तेमाल किया गया, जिससे जीवित कोशिकाओं के अंदर होने वाले बदलावों को सीधे देखा जा सका।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN:L65910KL1992PLC006623,
RegisteredOffice:W-4/638A,ManappuramHouse,
P.O.Valapad,Thrissur-680567,Kerala,India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/07/2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

कांगड़ा, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश, 0138470730003919, धर्मशाला रोड़ कांगड़ा, 0135950730012909, मंडी, नेर चौक सुंदरनगर, 0139010730003911, सुंदर नगर-एपी, 0136030730008116, 8202, सोलान, बद्दी एच.पी., 0135990730012350, परवानू, 0127190700008484, 0127190730005704, उना, अम्ब उना एच.पी., 0138770730002022, संतोखगढ़ ऊना हिमाचल प्रदेश, 0138710730002225,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के जरिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु

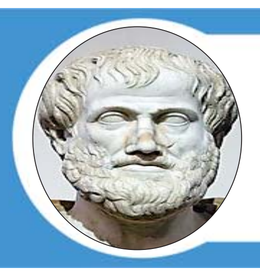

दिल को शिक्षित किए बिना दिमाग को शिक्षित करना बिल्कुल भी शिक्षा नहीं है।

-अरस्तु

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुड़िया में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा। दरअसल आर्थिक दुरुहता के खिलाफ राज्य की प्राथमिकताएं कम विकसित क्षेत्रों पर आकर ही तय होंगी और इस दृष्टि से रात्रि विश्राम की पहल करके मुख्यमंत्री सुक्खू ने पांगी-बड़ा भंगाल जैसे इलाकों की नब्ज टटोली है। इसी परिप्रेक्ष्य में कभी बीबीएन जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम, कई खामियों को दुरुस्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री अगर शिमला की तर्ज पर जिला मुख्यालयों, प्रमुख शहरों व धार्मिक नगरियों में सुबह की सैर करें, तो मालूम होगा कि कितने आवारा पशु शहरों के अमन को बर्बाद कर रहे हैं या बंदरों के नाच ने नागरिकों का जीना हराम किया है। आश्चर्य यह कि जिलाधीश कार्यालयों में जहां फूल उगने चाहिएं, वहां खड़पतवार चिढ़ा रहे होते हैं। ट्रैफिक जाम में कई कस्बे फंसे रहते हैं। इतना ही नहीं जो क्षेत्र स्थानीय निकायों के हवाले होने चाहिएं, वहां पंचायतें सिर्फ नागरिकों को मुजरिम बना रही होती हैं। उदाहरण के लिए छावनी क्षेत्रों से आजाद होकर अगर दशकों की शहरी परिपाटी को पंचायतों में बांटा जा रहा है, तो यह लज्जाजनक उपलब्धि है। सबसे बड़े योल छावनी से नागरिक क्षेत्र बाहर करके न जाने किस सियासत की संतुष्टि हुई, लेकिन अब चार पंचायतों में विघटित क्षेत्र गंदगी, नागरिक सुविधाओं की अफरातफरी और मूलभूत सुविधाओं की योजनाओं में दरिद्र हो गए। आजादी के पहले से योल छावनी प्रशासन इन क्षेत्रों में सुरक्षित पानी, साफ आबोहवा और व्यवस्थित जीवन की गारंटी दे रहा था, तो अब गांव की दहलीज पर आटा गीला करके क्या मिलेगा। हिमाचल की प्रगति, आर्थिक दुरुहता और पिछड़ेपन को दूर करके साबित होगी, तो धर्मशाला से चंद कदम दूर योल छावनी के पिछड़े ग्राम नगर निगम की परिधि में समाहित होने चाहिएं।

समझौता संभव नहीं...

आखिर राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान क्या चाहते हैं? वे युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर हैं अथवा युद्धविराम का ढोंग करते रहना चाहते हैं? दुनिया की पतली आर्थिक स्थितियों और ऊर्जा-खाद्य संकट के कोहराम के लिए दोनों ही देश जिम्मेदार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट लिखी है, जिसके भाषायी मायने साफ हैं कि उन्होंने मान लिया है कि ईरान मानने लायक नहीं है, लिहाजा अब सेना के जरिए काम पूरा करना पड़ेगा। यदि ऐसा करना पड़ा, तो ईरान का वजूद ही खत्म हो जाएगा। पलटबयान में ईरान भी कम नहीं है। उसके प्रवक्ता भी खूब धमकियां देते हैं। अप्रत्याशित हथियारों की बात करते हैं। समझौते के सहमति-पत्र पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे। उसकी अपनी राष्ट्रीय और द्विपक्षीय महत्ता और गरिमा होती है, लेकिन ईरान में कट्टरपंथियों और आईआरजीसी का एक तबका ऐसा है, जो युद्ध खत्म करने के खिलाफ है। और कितना बर्बाद, खंडहर होना चाहता है ईरान? उसकी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है। मुद्रास्फीति 65-70 फीसदी के करीब है, लिहाजा ब्रेड, मांस, खाने-पीने की आम चीजों की कीमतें 140 फीसदी तक उछल गई हैं। अर्थव्यवस्था में 8.8 से 10 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। यह आकलन आईएमएफ का है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' का ऐसा ऐतिहासिक पतन हुआ है, लिहाजा लोग किश्तों पर 'रोटी' खाने को विवश हैं। युद्ध में ईरान का नुकसान करीब 270 अरब डॉलर आंका गया है, जो उसकी जीडीपी के 57 फीसदी के बराबर है। और कितना दरिद्र होगा ईरान? ताजा हालात ये हैं कि अमरीकी सेना ने ईरान के 10 मिसाइल और ड्रोन के ठिकानों पर हमले किए। उसने ईरान के रडार और सर्विलांस सिस्टम को तबाह कर दिया। पलटवार में ईरान ने कुवैत के अमरीकी वायुसेना बेस और बहरीन के अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। ईरान ने कतर में भी हमले किए, लेकिन इस बार सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नहीं छुआ। शायद कोई 'मोटी डील' हो गई होगी! अमरीका ने होर्मुज के तटीय इलाकों में, केश्म द्वीप और सिरिक में, एफ-16 समेत 6 लड़ाकू विमानों से हमले किए और ईरान के 4 अहम ठिकानों को तबाह, बर्बाद करने का दावा किया। अब ईरान ने हुंकार भरी है कि होर्मुज पर उसका ही कब्जा बरकरार रहेगा। जिस जहाज, टैंकर ने उसके निर्देश नहीं माने, तो उन पर हमला कर नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। यह समझौते और युद्धविराम की कौन-सी भाषा है? इन हमलों और जंगी परिस्थितियों से स्पष्ट है कि अमरीका-ईरान के दरमियान एक ठोस, स्थायी समझौता संभव नहीं है। दोनों की मानसिकता ही समझौते की नहीं है, बल्कि वे अब भी कट्टर दुश्मन की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दोनों के बीच जिस तरह हमले बोले जा रहे हैं, वे कोई सामान्य, छुटपुट टकराव नहीं हैं, संपूर्ण युद्ध के आक्रमण हैं। शायद इस युद्ध से अमरीकी अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर उतना असर न पड़े, लेकिन युद्ध के दौरान उसके भी 14 सैनिक मारे गए और 300 से अधिक घायल हुए। यह पेंटागन की ही रपट है कि 42 मानवरहित विमान, ड्रोन, लड़ाकू विमान नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुए। अमरीका का कुल युद्ध खर्च 5 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। पेंटागन ने शेष युद्ध और हथियारों के लिए 80 अरब डॉलर (करीब 6.6 लाख करोड़ रुपए) के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन संसद ने फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। यदि युद्ध के संदर्भ में भारत का आकलन करें, तो ईरान युद्ध से भारत को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक और राजकोषीय झटका लगा है। भारत करीब 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। जब तेल के दाम 110 डॉलर तक उछले थे, तो पेट्रोल-डीजल, एलपीजी, सीएनजी, खाद आदि के दाम भी बढ़ाए गए थे। फिलहाल उन्हें सस्ता नहीं किया गया है। युद्ध और आयात बिल बढ़ने से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11.68 अरब डॉलर कम हुआ है। भारत की औसत विकास दर भी 1 फीसदी कम हो सकती है। युद्ध के तनाव और हमलों के कारण करीब 13 लाख भारतीय प्रवासी खाड़ी देश छोड़ कर स्वदेश लौट आए हैं। उनके रोजगार का अब क्या होगा? बहरहाल यह युद्ध खत्म होना ही चाहिए। दोनों पक्षों को नुकसान ही हुआ है। साथ ही विश्व के कई देश भी इससे प्रभावित हुए हैं। जनकल्याण के लिए विकास गतिविधियां जरूरी हैं, और विकास तभी होगा, जब विश्व भर में शांति कायम होगी।

संपादकीय लेखों पर सुधी पाठकों की प्रतिक्रियाएं आमंत्रित हैं, भेजें : पाठकों के पत्र, द्वारा संपादक, पोस्ट बॉक्स 14, धर्मशाला-176215
फोन : 01892-264713, 260676
फैक्स : 01892-264700
Email : feature@divyahimachal.com या edit.dshala@divyahimachal.com

सरकार के 12 साल : वे अजेय क्यों हैं?

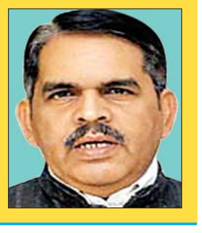

डा. अश्वनी महाजन
पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

26 मई 2014 को, भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद, नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली और पहली पूर्ण गैर-कांग्रेसी सरकार का नेतृत्व किया। जहां आजादी के बाद के शुरुआती तीन दशकों में भारत की आर्थिक विकास दर 3 से 4 प्रतिशत के बीच रही, वहीं पश्चिमी एशिया और दूसरी जगहों के छोटे देशों ने तकनीकी तरक्की के साथ-साथ बहुत तेजी से आर्थिक विकास किया। जहां भारत को एक विकासशील देश माना जाता रहा, वहीं ये छोटे देश 'एशियन टाइगर्स' के तौर पर मशहूर हो रहे थे। गरीबी कम होने की रफ्तार भी बहुत प्रभावशाली नहीं थी। एक खास ढांचे के आधार पर गरीबी का पहला आकलन 1973-74 में किया गया, जब योजना आयोग ने गरीबी रेखा की अवधारणा पेश की, जिसके मुताबिक 54.9 प्रतिशत आबादी इसके नीचे रह रही थी। हालांकि समय के साथ गरीबी रेखा की परिभाषाएं बदलती रहीं, लेकिन 2012-13 में भी 21.9 प्रतिशत आबादी- यानी 269.3 मिलियन (26.93 करोड़) लोग- गरीबी रेखा से नीचे माने जाते थे। इस बीच, वर्ल्ड बैंक की परिभाषा के मुताबिक- जिसमें 2012-13 में रोजाना 1.25 अमरीकी डालर से कम कमाने वालों को घोर गरीबी में रहने वाला माना गया था- दुनिया के 1.2 अरब गरीब लोगों में से एक-तिहाई, यानी 40 करोड़ लोग, भारत में थे। हालांकि, 2025 तक, वर्ल्ड बैंक की परिभाषा- जिसे बढ़ाकर 2.15 अमरीकी डालर प्रति दिन कर दिया गया था- के आधार पर घोर गरीबी में रहने वाली कुल आबादी का हिस्सा घटकर सिर्फ 2.3 प्रतिशत रह गया है।

अमरीकी डालर प्रति दिन की ज्यादा नई परिभाषा के तहत भी, यह आंकड़ा सिर्फ 5.3 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसे निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है, जो प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में हुई। आज भारत और दुनिया भर में गरीबी की एक ऐसी परिभाषा मौजूद है जो इस घोर गरीबी से आगे जाती है, यानी 'बहुआयामी गरीबी'। इसे मापने में दस पैमाने शामिल हैं : दो शिक्षा से जुड़े, दो स्वास्थ्य से, और बाकी छह में आवास, बिजली, स्वच्छता, खाना पकाने के लिए साफ ईंधन, पीने का पानी और संपत्ति का मालिकाना हक शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के अनुसार, 2015-16 और 2019-21 के बीच, सिर्फ पांच सालों में बहुआयामी गरीबी सूचकांक 0.117 से घटकर 0.069 हो गया। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में अनुमानित 11.28 फीसदी हो गई, जो एक दशक में लगभग 18 प्रतिशत अंकों की कमी को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, यह कहा जा सकता है कि भारत में न केवल घोर गरीबी में बल्कि बहुआयामी गरीबी में भी उल्लेखनीय कमी आई है। आम तौर पर, कई आर्थिक विशेषज्ञ यह तर्क देते हैं कि यदि आर्थिक विकास के दौर में गरीबी कम करने के प्रयासों के तहत संसाधनों के पुनर्वितरण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, तो विकास की गति धीमी हो सकती है। इसलिए, उनका मानना है कि आर्थिक विकास के चरणों के दौरान पुनर्वितरण को प्राथमिकता देना उचित नहीं है। इस विचार को मानने वाले अर्थशास्त्री, जो मुक्त व्यापार और मुक्त बाजार के समर्थक भी हैं, उनमें न केवल वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के विशेषज्ञ शामिल हैं, बल्कि प्रो. जगदीश भगवती और उनके सह-लेखक प्रो. अरविंद पनगढ़िया जैसी बड़ी हस्तियां भी इसी श्रेणी में आती हैं। ऐसे अर्थशास्त्रियों की दलीलों के बावजूद, न केवल भारत ने आर्थिक विकास दर ऊंचा रखा, बल्कि बहुआयामी और अत्यधिक गरीबी को कम करने में भी बड़ी सफलता हासिल की। कोविड-19 के कारण एक साल के झटके के बावजूद, नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत की वास्तविक जीडीपी लगभग 7.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ती रही। हमें यह भी पहचानना होगा कि देश में असमानता और गरीबी को कम करने में कौनसी नीतियां असरदार साबित हुईं। यह समझना जरूरी है कि जहां आजादी के बाद के शुरुआती सालों में गरीबी कम होने की रफ्तार बहुत धीमी थी, वहीं मोदी के राज में गरीबी कम करने की दिशा में कैसे बड़ी प्रगति हुई, जिससे विकास पहले की तुलना में कहीं ज्यादा समावेशी हो गया।

वित्तीय समावेशन : आजादी और 2014 के बीच विकास की कई कोशिशों के बावजूद, देश में वित्तीय समावेशन के मामले में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसका सबूत यह है कि 2014 और 2026 के बीच 580 मिलियन (58 करोड़) जन धन खाते खोले गए। और इन जन धन खातों में कुल 3 लाख करोड़ रुपए जमा हो गए थे। जन धन खाते जीरो बैलेंस खाते होते हैं, यानी इन्हें खोलने के लिए किसी शुरुआती जमा राशि की जरूरत नहीं होती। वित्तीय समावेशन का एक और पहलू 'प्रत्यक्ष लाभ अंतरण' (डीबीटी) है।

> स्वच्छ ईंधन की बात करें तो, जहां 2014 में केवल 13 करोड़ एलपीजी कनेक्शन थे, वहीं अब यह संख्या 34 करोड़ से ज्यादा हो गई है। खास बात यह है कि इनमें से 10 करोड़ नए कनेक्शन उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए...

पहले, सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित फंड का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की बलि चढ़ सही लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता था। जन-धन खाते खुलने के बाद, उन्हें आधार (यूआईडी) और मोबाइल फोन नंबरों से जोड़ा गया, नतीजतन अब पूरी कल्याणकारी राशि सीधे लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर की जाती है, जिससे पैसे के बीच में ही गायब होने या चोरी होने की कोई गुंजाइश नहीं रहती। इस प्रक्रिया को वित्तीय समावेशन का एक और पहलू 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' (डीबीटी) है। पहले, सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित फंड का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार के कारण सही लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता था। हालांकि, जन-धन खाते खुलने के बाद, उन्हें आधार (यूआईडी) और मोबाइल फोन नंबरों से जोड़ा गया। नतीजतन अब पूरी कल्याणकारी राशि सीधे लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर की जाती है, जिससे पैसे के बीच में ही गायब होने या चोरी होने की कोई गुंजाइश नहीं रहती। इस प्रक्रिया को 'जैम त्रय' के नाम से जाना जाता है- जिसमें जन-धन खाते, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी शामिल हैं, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे भारत ने अपनी तकनीकी क्षमता के दम पर हासिल किया है।

महिलाओं के लिए खास : आवास, स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, बिजली और पानी : आजादी से लेकर 2014 तक के सफर की एक बहुत बड़ी सच्चाई यह थी कि 2014 में भी देश में 12.3 करोड़ लोग कच्चे (अस्थायी) घरों में रहते थे, जबकि 31.7 करोड़ लोग अर्ध-स्थायी घरों में रहते थे। इसके विपरीत, सिर्फ पिछले 12 वर्षों में ग्रामीण इलाकों में 3 करोड़ और शहरी इलाकों में 1 करोड़ घर बनाए गए हैं, और उसके अलावा 1.2 करोड़ घर या तो मंजूर हो चुके हैं या बन रहे हैं। खुले में शौच करने की मजबूरी को लंबे समय से देश के लिए एक बड़ा कलंक माना जाता था। यह संतोष की बात है कि 2014 के बाद से देश भर में 12.8 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, जिससे खुले में शौच की समस्या का प्रभावी ढंग से समाधान हो गया है। आज, देश में लगभग पूरी तरह से बिजली पहुंच चुकी है, और 'हर घर नल से जल' योजना के तहत ज्यादातर इलाकों में पीने का पानी उपलब्ध हो गया है। स्वच्छ ईंधन की बात करें तो, जहां 2014 में केवल 13 करोड़ एलपीजी कनेक्शन थे, वहीं अब यह संख्या 34 करोड़ से ज्यादा हो गई है। खास बात यह है कि इनमें से 10 करोड़ नए कनेक्शन उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए, जिसके जरिए गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर और गैस स्टोव उपलब्ध कराए गए। आवास, पानी, बिजली, स्वच्छता सुविधाएं और एलपीजी कनेक्शन ऐसी उपलब्धियां हैं जिनसे पूरे समाज और खासकर गरीबों को फायदा हुआ है। हालांकि, महिलाओं का सबसे ज्यादा सशक्तिकरण हुआ है क्योंकि सुविधाएं मिलने से वंचित परिवारों की महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है।

प्रसंगवश

संवाद का मंच है सोशल मीडिया

आज का युग सोशल मीडिया का युग है। सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को आपस में जोड़ने और संचार में इसकी भूमिका को रेखांकित करने के लिए 30 जून को प्रतिवर्ष विश्व सोशल मीडिया दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में लोकप्रिय डिजिटल समाचार और मीडिया मंच द्वारा की गई थी। वास्तव में इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों, विभिन्न समुदायों और विश्व के विभिन्न देशों को जोड़ने में इसकी भूमिका को पहचान देना था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य जोर जिम्मेदार, सुरक्षित और सकारात्मक डिजिटल संवाद पर है। हम सभी यह जानते हैं कि सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित ऐसे डिजिटल मंच हैं, जहां लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, विभिन्न जानकारियां, विचार आदि साझा करते हैं, अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं, फोटो-वीडियो आदि पोस्ट करते हैं और आपस में संवाद करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में जिसे ट्विटर के नाम से जाना जाता था), वाट्सएप, यू-ट्यूब, लिंकेडिन, स्नैपचैट, टेलीग्राम, पिंटेरेस्ट तथा रेडिट आदि इसके प्रमुख उदाहरण हैं। सरल शब्दों में कहें तो ऐसे सभी ऑनलाइन मंच जहां लोग आपस में जुड़कर सामग्री (टेक्स्ट, फोटो, वीडियो, ऑडियो) साझा करते हैं और आपसी संवाद करते हैं, सोशल मीडिया कहलाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज सोशल मीडिया संचार, मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार और जनजागरूकता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। सोशल मीडिया के लाभ यह हैं कि इससे जहां एक ओर त्वरित संचार और संपर्क संभव है, वहीं दूसरी ओर ये ज्ञान और जानकारी का आदान-प्रदान करने, व्यवसाय और रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा सामाजिक और जनहित अभियानों को बढ़ावा देने में सहायक और उपयोगी साबित हो सकते हैं। लेकिन आज सोशल मीडिया के समक्ष अनेक चुनौतियां भी विद्यमान हैं। मसलन, फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी, साइबर अपराध और गोपनीयता का खतरा, समय की बर्बादी और डिजिटल लत तथा मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव इन चुनौतियों में प्रमुख हैं। इसलिए सोशल मीडिया का उपयोग अत्यंत जागरूकता, जिम्मेदारी और संतुलन के साथ करना बहुत ही आवश्यक व जरूरी है, ताकि इसके लाभों का अधिकतम उपयोग किया जा सके और दुष्प्रभावों से बचा जा सके। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहा जा सकता है कि विश्व सोशल मीडिया दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सोशल मीडिया केवल और केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि यह आपसी संवाद, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली व बेहतरीन माध्यम है। इसका उपयोग जिम्मेदारी, सत्यता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए, तो यह समाज और मानवता के साथ ही साथ समाज और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण व अहम योगदान दे सकता है।

-सुनील कुमार महला

हिमाचल : शिक्षा

स्कूल प्रबंधन समिति : शिक्षा की नई उम्मीद

सिकंदर बंसल
शिक्षाविद

'यदि किसी राष्ट्र का भविष्य देखना हो तो उसके विद्यालयों को देखिए।' यह केवल एक प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि शिक्षा का शाश्वत सत्य है। विद्यालय किसी भी राष्ट्र की आत्मा होते हैं। यहीं से संस्कार, अनुशासन, नागरिक चेतना और जिम्मेदार भविष्य का निर्माण होता है। इसलिए शिक्षा केवल सरकार या शिक्षकों का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझी जिम्मेदारी है। आज जब हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में नई स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) का गठन हो रहा है, तब यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकारी विद्यालयों में जनविश्वास, उत्तरदायित्व और सामुदायिक भागीदारी को सशक्त बनाने का सुनहरा अवसर है। भारत में विद्यालयों के प्रबंधन में जनभागीदारी का विचार नया नहीं है। अंग्रेजी शासनकाल में 1882 के हंटर आयोग ने पहली बार यह सुझाव दिया कि प्राथमिक शिक्षा के विकास में स्थानीय निकायों और समुदाय की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। यद्यपि उस समय औपचारिक स्कूल प्रबंधन समितियां अस्तित्व में नहीं थीं, फिर भी यह स्वीकार किया गया कि विद्यालय केवल सरकार के भरोसे नहीं चल सकते। 1904 की भारतीय शिक्षा नीति तथा 1919 के भारत शासन अधिनियम ने भी स्थानीय संस्थाओं और समाज की भूमिका को प्रोत्साहित किया। यही वह दौर था जब अभिभावकों को विद्यालय से जोड़ने की सोच ने आकार लेना शुरू किया।

स्वतंत्रता के बाद शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम माना गया। 1964-66 के कोठारी आयोग ने स्पष्ट कहा कि विद्यालय तभी सफल होंगे जब समाज उन्हें अपना संस्थान माने। इसी सोच के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ने सामुदायिक सहयोग और समान अवसरों पर बल दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा 1992 के संशोधित कार्यक्रम ने विद्यालयों के प्रबंधन में अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को और अधिक महत्व दिया। आगे चलकर सर्व शिक्षा अभियान के दौरान विद्यालय शिक्षा समितियों और ग्राम शिक्षा समितियों के माध्यम से अभिभावकों को नामांकन बढ़ाने, विद्यालय विकास और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस व्यवस्था को कानूनी आधार बालकों का नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 से मिला, जो 1 अप्रैल 2010 से लागू हुआ। इसके तहत प्रत्येक सरकारी विद्यालय में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन अनिवार्य किया गया, जिसमें अधिकांश सदस्य अभिभावक रखने का प्रावधान किया गया। इसका उद्देश्य स्पष्ट था- विद्यालयों का संचालन जनता की भागीदारी से हो और प्रत्येक बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी केवल शिक्षक की नहीं, बल्कि पूरे समाज की बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने विद्यालय को समाज का केंद्र मानते हुए शिक्षक, अभिभावक, पंचायत, पूर्व विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी पर बल दिया। इसी दिशा में शिक्षा मंत्रालय द्वारा मई 2026 में जारी स्कूल प्रबंधन समिति दिशा-निर्देश विद्यालय प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सुधार माने जा रहे हैं। इन दिशा-निर्देशों में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली, मासिक बैठकें, तीन वर्षीय विद्यालय विकास योजना, महिला प्रतिनिधित्व, सीखने के परिणामों की समीक्षा तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एकीकृत एसएमसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है, जिससे विद्यालय प्रबंधन अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बन सके। हिमाचल प्रदेश लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में रहा है। ऊंची साक्षरता दर और दूरस्थ क्षेत्रों तक विद्यालयों की पहुंच इसकी पहचान है। फिर भी आज सरकारी विद्यालय घटते नामांकन, विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट, निजी विद्यालयों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और पलायन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इन परिस्थितियों में एसएमसी केवल एक समिति नहीं, बल्कि विद्यालय और समाज के बीच विश्वास का सेतु बन सकती है। सरकारी विद्यालयों में अध्ययन करने वाले अधिकांश बच्चे ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं। उनके माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए दिन-रात परिश्रम करते हैं, लेकिन व्यस्तता के कारण विद्यालय से नियमित संवाद नहीं हो पाता। कई बार यह सोच भी बन जाती है कि बच्चों की शिक्षा केवल शिक्षक की जिम्मेदारी है। जबकि प्रसिद्ध शिक्षाविद् मारिया मोंटेसरी का मानना था कि 'बच्चे का विकास तभी संभव है जब घर और विद्यालय एक-दूसरे के सहयोगी बनें।' वास्तव में जागरूक अभिभावक ही किसी भी विद्यालय की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। आज युवाओं में बढ़ता नशा समाज के सामने गंभीर चुनौती है। इसका समाधान केवल पुलिस या कानून नहीं कर सकते। इसकी शुरुआत घर से होती है और रोकथाम भी घर से ही संभव है। यदि अभिभावक अपने बच्चों की दिनचर्या, मित्रों, मोबाइल के उपयोग और व्यवहार पर संवेदनशीलता से ध्यान दें, उनसे नियमित संवाद रखें और विद्यालय के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें, तो अनेक बच्चे नशे की गिरफ्त में जाने से बच सकते हैं। स्कूल प्रबंधन समिति नशा निवारण अभियान, खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को सकारात्मक वातावरण दे सकती है।

जागरूक अभिभावक और सक्रिय एसएमसी मिलकर नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी सामाजिक अभियान बन सकते हैं। डिजिटल युग ने शिक्षा के नए अवसर दिए हैं, लेकिन मोबाइल, सोशल मीडिया और ऑनलाइन खेलों ने बच्चों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। ऐसे में एसएमसी अभिभावकों को डिजिटल अनुशासन, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रेरित कर सकती है। आज विद्यालयों को केवल परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र, व्यवहार और जीवन मूल्यों से भी आंकने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास है। स्वामी विवेकानंद ने चरित्र निर्माण को शिक्षा का मूल लक्ष्य बताया। बहरहाल, एसएमसी का गठन अत्यंत जरूरी है।

> आज विद्यालयों को केवल परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र, व्यवहार और जीवन मूल्यों से भी आंकने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास है...

छिलकों की छाबड़ी

कॉकरोच पुराण : भाषा की राजनीति

पीए सिद्धार्थ
स्वतंत्र लेखक

बहस का अगला विषय था- भाषा की राजनीति। कॉकरोचानंद व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोले, 'मनुष्य बड़ा विचित्र जीव है। अपनी भाषा बोलने वालों को पिछड़ा कहता है और अंग्रेज़ी भाषा में गलत बोलने वाले को आधुनिक।' साहित्य प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि ने उनका समर्थन करते हुए कहा, 'हमने देखा है कि कुछ मनुष्य 'वाटर' मांगते हैं, जबकि प्यास उन्हें पानी की ही लगी होती है।' सभा फिर हंसी से भर उठी। कॉकरोचानंद ने कहा, 'भाषा ज्ञान का माध्यम है, प्रतिष्ठा का नहीं। किंतु मनुष्य ने उसे पद, पैसा और पहचान का प्रवेश-द्वार बना दिया है।' एक छात्र ने प्रश्न किया, 'क्या अंग्रेजी सीखना गलत है?' 'कदापि नहीं।' वह बोले। 'फिर समस्या क्या है?' छात्र ने पूछा। 'समस्या तब है, जब भाषा सीखने के साथ मनुष्य स्वयं को भूलने लगे।' वह गंभीर होकर बोले। यह सुनकर सभा शांत हो गई। कॉकरोचानंद ने एक पुराना किस्सा सुनाया, 'एक बार एक युवा तिलचट्टा विदेश गया। लौटकर उसने कहा, 'अब मुझे तिलचट्टा मत कहिए, मैं इंटरनेशनल कॉकरोच हूं।' मैंने पूछा, 'बेटा, चप्पल किस भाषा में खाई?' यह सुनकर उसने सिर झुका लिया। संपूर्ण सभागार ठहाकों से गूंज उठा। इसके बाद पहचान पर चर्चा आरंभ हुई। एक प्रतिनिधि बोला, 'गुरुदेव! मनुष्य अपने शहरों, सड़कों, संस्थानों और योजनाओं के नाम दूसरी भाषाओं में बदलकर बहुत प्रसन्न होता है।' कॉकरोचानंद ने कहा, 'हां। उसे लगता है नाम बदलते ही इतिहास भी बदल जाएगा।' 'पर कुछ बदलता है?' एक अन्य ने पूछा। 'सिर्फ बोर्ड।' वह हंसते हुए बोले। सभा में तालियां बज उठीं। वह आगे कहने लगे, 'यदि अस्पताल का नाम 'आरोग्य भवन' रख देने से रोग समाप्त हो जाएं, तो चिकित्सा विज्ञान की आवश्यकता ही न रहे।' अब आधुनिकता पर बहस शुरू हुई। युवा प्रतिनिधियों का मत था कि हर पुरानी चीज़ बदलनी चाहिए। एक ने कहा, 'हमें अब दरारों में नहीं, मॉड्यूलर किचन में रहना चाहिए।' दूसरा बोला, 'पारंपरिक मूंछें पुरानी हो गई हैं।' तीसरा बोला, 'अब हमें जैविक नहीं, डिजिटल तिलचट्टा बनना चाहिए।' कॉकरोचानंद ने सबको ध्यान से सुना। फिर बोले, 'आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से भागना नहीं, समय के साथ चलना है। जो अपनी जड़ों से कट जाते हैं, वे पहचान खो देते हैं, और जो जड़ों से चिपककर बैठ जाते हैं, वे भविष्य खो देते हैं।' सभा में पहली बार पूर्ण मौन था। तभी विदेश प्रकोष्ठ के सचिव दौड़ते हुए आए। 'महामहिम! अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से समाचार आया है।' 'क्या हुआ?' उन्होंने पूछा। 'अमरीकी कॉकरोच स्वयं को 'ग्लोबल पेस्ट' कहते हैं। जर्मन प्रतिनिधियों ने गैस चैंबर से बचने की तकनीक विकसित कर ली है। जापानी प्रतिनिधियों ने स्वचालित दरारें विकसित कर ली हैं। चीनी कॉकरोच अब ड्रोन से आते-जाते हैं। रशियन कॉकरोच चांद के बाद अब बुध की ओर कूच कर चुके हैं। यहां तक कि पाकिस्तानी कॉकरोचों ने विदेशी सहायता से भारतीय कॉकरोचों के लड़ाकू जहाज़ों को गिराना सीख लिया है।' सचिव परेशान स्वर में बोले। कॉकरोचानंद मुस्कराए, 'अच्छा...अब समय आ गया है कि हम सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रों का अध्ययन करें।' उन्होंने अधिवेशन की अगली घोषणा पढ़ी, 'अगला विशेष सत्र- 'राष्ट्रवाद, पासपोर्ट और रसोईघर'। इसमें विश्व के सभी देशों के कॉकरोच प्रतिनिधि अपने-अपने राष्ट्रभक्ति मॉडल प्रस्तुत करेंगे।' सभा स्थगित हो गई। लेकिन कॉकरोचानंद की अंतिम बात देर तक मेरे भीतर गूंजती रही, 'जिस दिन किसी जीव को अपने नाम का अनुवाद कराने में गर्व और अपने नाम से पुकारे जाने में संकोच होने लगे, समझ लेना कि संकट उसकी भाषा का नहीं, उसके आत्मविश्वास का है।' मैं सोचता रहा- नाम बदलने से परिचय बदल सकता है, प्रकृति नहीं। चूहे को 'रैट' कह देने से वह सिंह नहीं बन जाता और मनुष्य को 'ग्लोबल सिटीजन' कह देने से उसका चरित्र विश्वव्यापी नहीं हो जाता। नगरों, सड़कों और संस्थानों के नाम बदलने से न इतिहास की धूल झड़ती है, न वर्तमान की दुर्गंध समाप्त होती है। यदि ऐसा होता तो केवल पट्टिकाएं बदल देने से अस्पतालों में रोगी स्वस्थ हो जाते, विद्यालयों में ज्ञान उग आता और सचिवालयों में ईमानदारी। दुर्भाग्य से वास्तविकता रंगे हुए बोर्डों से नहीं, बदली हुई प्रवृत्तियों से बदलती है।

पाठकों के पत्र

कैसे साबित करें कि हम भारतीय हैं...

'दिव्य हिमाचल' में 27 जून को प्रकाशित संपादकीय 'भारतीय साबित करो' पढ़ा। संपादक महोदय को दिल से बधाई, ऐसे सही, उचित और स्टीक संपादकीय के लिए। आज के दिन भारतीयों के पास कोई ऐसा प्रमाण या प्रमाणपत्र नहीं है जिससे वो अपना भारतीय होना साबित करें। क्या यह अफसोस और शर्म की बात नहीं है। मैं 81 वर्ष पहले यहां पैदा हुआ, दो-तीन पीढ़ियां गुजर गईं और आज हमें कहा जा रहा है कि साबित करो तुम भारतीय हो। नागरिकता प्रमाणपत्र सबको नहीं मिलता, शायद उनको दिया जाता है जो यहां के पैदाइशी नहीं हैं या जो नागरिकता के लिए आवेदन करते हैं। अगर पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड और पैन कार्ड आदि नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं हैं, तो नागरिकता कैसे साबित करें। -सुरेश भारद्वाज निराश, धर्मशाला

सड़क हादसे में चार की मौके पर मौत

जालंधर-भोगपुर एचएच पर पेश आया दर्दनाक हादसा, पांच गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती

निजी संवाददाता-जालंधर

जालंधर-भोगपुर हाईवे पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसा सोमवार सुबह करीब 5:33 बजे किशनगढ़ के पास जौहल ढाबा के नजदीक हुआ। सूचना मिलते ही एसएसएफ टीम कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बलेनो कार भोगपुर से जालंधर की ओर जा रही थी। इसी दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ जालंधर से पठानकोट जा रही यूपी कार से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी, कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में बलेनो कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रुपिंदर सिंह निवासी हिम्मतपुर जिला होशियारपुर, उनकी पत्नी हरप्रीत कौर, अर्शदीप सिंह और संतोष कौर के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल बन गया। वहीं दूसरी कार में सवार पांच लोग घायल हुए जिन्हें स्थानीय लोगों ने एसएसएफ टीम के पहुंचने से पहले ही फोर्टिस अस्पताल पहुंचा दिया गया। घायलों में उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी परिवार के सदस्य शामिल बताए गए हैं। सभी का इलाज जारी है। वहीं एक्सीडेंट की सूचना मिलने के बाद चौकी अलावलपुर

■ भोगपुर से जालंधर की ओर जा थी गाड़ी

के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे। डीएसपी राजीव कुमार भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद एसएसएफ टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और राहत कार्य में सहयोग दिया। पुलिस अब हादसे के पीछे की वजह और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

सगे भाइयों से 25 ग्राम हेरोइन जब्त

पठानकोट पुलिस ने गश्त के दौरान धरे; ड्रग मनी भी बरामद

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-पठानकोट

तारागढ़ पुलिस ने गश्त के दौरान न्यू परमानंद श्मशान घाट के पास से दो संदिग्ध युवकों को काबू कर उनके कब्जे से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद की है। पकड़े गए दोनों आरोपी सगे भाई बताए जा रहे हैं और अमृतसर जिले के गांव भोआ फतेहगढ़ के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार एएसआई सुरिंदर सिंह के नेतृत्व में तारागढ़ पुलिस की टीम गांव नवां परमानंद की ओर गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान जब पुलिस पार्टी श्मशान घाट के सामने पहुंची, तो वहां दो युवक खड़े दिखाई दिए। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से नशा और नकदी बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संदीप सिंह और आकाशदीप सिंह के रूप में हुई हुई । पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार पुलिस पार्टी को अपनी ओर आता देख आरोपियों में से एक संदीप सिंह ने घबराहट में अपनी पैंट की दाईं जेब से एक प्लास्टिक का लिफाफा निकालकर जमीन पर फेंक दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को मौके पर ही घेरकर काबू कर लिया। इसके बाद जमीन पर फेंके गए लिफाफे को कब्जे में लेकर नारकोटिक्स ड्रग्स डिटेक्शन किट से जांच की गई, जिसमें से 25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी संदीप सिंह की पैंट की जेब की तलाशी लेने पर 1,040 रुपए की ड्रग मनी भी बरामद की गई। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी यह हेरोइन कहां से लेकर आए थे और इसे किसे सप्लाई करने की योजना थी।

फर्जी विजिलेंस रेलवे इंस्पेक्टर पकड़ा

जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन पर रौब जमाकर विशेष सुविधाओं का लाभ लेने की कर रहा था कोशिश

निजी संवाददाता-फिरोजपुर

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर डिवीजन के जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को स्वयं को रेलवे विजिलेंस इंस्पेक्टर बताकर रेलवे कार्यों में अनधिकृत हस्तक्षेप करते हुए पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम जावेद अली बताया और स्वयं को रेलवे विजिलेंस इंस्पेक्टर बताकर रेलवे कर्मचारियों के बीच अपनी झूठी पहचान स्थापित करने का प्रयास किया। वह फर्जी पहचान के आधार पर रेलवे की विशेष सुविधाओं का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश कर रहा था। जब उससे रेलवे का पहचान पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया, तो वह कोई भी वैध प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद तत्काल मामले की सूचना रेलवे

■ पहचान पत्र न दिखाने पर रेलवे सुरक्षा बल की कार्रवाई

सुरक्षा बल को दी गई, जिसने आवश्यक कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई प्रारंभ कर दी। यह जानकारी देते हुए परमदीप सिंह सैनी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक फ्रेट उत्तर रेलवे फिरोजपुर ने बताया, कि फिरोजपुर मंडल यात्रियों एवं कर्मचारियों से अपील करता है, कि यदि कोई संदेहास्पद व्यक्ति स्वयं को रेलवे अथवा विजिलेंस बताए तो उसकी वैध पहचान अवश्य जांचें तथा किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या संबंधित रेलवे अधिकारियों को दें।

अमृतसर में 25 ओपन जिम युवाओं को समर्पित

पंजाब में तीन हजार नए जिम स्थल और 3,100 खेल मैदान कर रही विकसित

निजी संवाददाता-अमृतसर

अटारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक जसविंदर सिंह रामदास ने सोमवार अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव बहोड़ू में नवनिर्मित ओपन जिम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि पंजाब सरकार युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा खेलों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। विधायक रामदास ने बताया, कि अमृतसर जिले में कुल 25 ओपन जिम युवाओं को समर्पित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा प्रत्येक जिम स्थल पर लगभग पांच लाख रुपए की लागत से आधुनिक व्यायाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पूरे राज्य में तीन हजार नए जिम स्थल तथा 3,100 खेल मैदान विकसित कर रही है, ताकि युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित किया जा सके। उन्होंने बताया कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 400 नए आम आदमी क्लीनिक भी पूरी तरह तैयार हैं और जल्द ही जनता को

■ विधायक जसविंदर सिंह रामदास ने किया उद्घाटन

समर्पित किए जाएंगे। विधायक ने कहा, कि पंजाब सरकार ने कृषि क्षेत्र में भी ऐतिहासिक पहल की है और वर्तमान में राज्य में सिंचाई के लिए रिकॉर्ड 80 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग किया जा रहा है। पंजाब सरकार द्वारा पहली जुलाई से 'मावां धीयां सत्कार योजना' भी शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिकए ग्रामीण एवं अन्य सम्मानित व्यक्ति उपस्थित थे।

'इंडिया टुडे बेस्ट कालेजिज सर्वे' में केएमवी का दबदबा

फैशन डिजाइनिंग, बीबीए और बीसीए के लिए पंजाब में पहले स्थान पर, डायरेक्टर अतिमा द्विवेदी ने दी बधाई

निजी संवाददाता-जालंधर

शहर के कन्या महाविद्यालय (स्वायत्त) ने लगातार आठवें वर्ष प्रतिष्ठित 'इंडिया टुडे बेस्ट कालेजेस सर्वे 2026' में शीर्ष स्थान हासिल करके उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। नवीनतम सर्वेक्षण में केएमवी को इसके फैशन डिजाइनिंग, बीबीए और बीसीए के लिए पंजाब में पहला स्थान दिया गया है, जबकि बीकॉम और बीए दोनों श्रेणियों में इसने दूसरा स्थान हासिल किया है। यह निरंतर मान्यता शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की चल रही प्रतिबद्धता और उच्च शिक्षा में इसकी अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। इस बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाते हुए डायरेक्टर प्रो डा. अतिमा शर्मा द्विवेदी ने कहा, कि ये रैंकिंग इस बात का प्रमाण हैं कि केएमवी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक प्रमुख ब्रांड नाम है। प्रो. द्विवेदी ने इस सफलता का श्रेय कालेज की प्रगतिशील शिक्षण पद्धतियों, मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे और अपने छात्रों के लिए अमरीका और यूरोप में उच्च वेतन वाली भूमिकाओं सहित शीर्ष ऑन कैंपस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट सुरक्षित करने की क्षमता को दिया। केएमवी की सफलता को प्रेरित करने वाला एक प्रमुख कारक भारत की नई शिक्षा नीति एनईपी का इसका अग्रणी कार्यान्वयन है, जिससे यह उत्तर भारत में ऐसा करने वाला पहला कालेज बन गया है। अपग्रेड किए गए सिलेबस के साथ विशेष ऑनर्स और एकीकृत कार्यक्रम शुरू करके, कालेज यह सुनिश्चित करता है कि उसके छात्र 21वीं सदी के आवश्यक कौशल से लैस हों। पाठ्यक्रम का यह अपग्रेडेशन भारत और विदेशों के 140 अग्रणी शिक्षाविदों के साथ-साथ प्रमुख औद्योगिक भागीदारों के सहयोग से हासिल किया गया था। वहीं संस्थान के लिए अत्यधिक गर्व के क्षण में आर्य शिक्षा मंडल के अध्यक्ष चंद्रमोहन ने डायरेक्टर प्रो. डा. अतिमा शर्मा द्विवेदी और केएमवी के पूरे स्टाफ को अपनी हार्दिक बधाई दी। अध्यक्ष चंदर मोहन ने कहा, कि यह निरंतर मान्यता शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता और उच्च शिक्षा में इसकी नेतृत्वकारी भूमिका को दर्शाती है। उन्होंने संकाय फैकल्टी और कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय समर्पण और सामूहिक कड़ी मेहनत के लिए सराहए जो केएमवी को नंबर एक रैंक के योग्य बनाता है।

लायलपुर खालसा कालेज यूनिवर्सिटी में पहले स्थान पर

जालंधर। शहर के लायलपुर खालसा कालेज के गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी द्वारा घोषित एमए (म्यूजिक वोकल) सेमेस्टर 1 के रिजल्ट बहुत अच्छे रहे। स्टूडेंट कोमलप्रीत कौर ने 10 एसजीपीए में से 9.75 एसजीपीए हासिल करके यूनिवर्सिटी मेरिट में पहला स्थान हासिल किया, इंदरप्रीत कौर और बबीता ने 9.50 एसजीपीए हासिल करके संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। इस मौके पर गवर्निंग काउंसिल की प्रेसिडेंट सरदारनी बलबीर कौर ने स्टूडेंट्स उनके माता-पिता और टीचर्स को खास तौर पर बधाई दी। वहीं कालेज के प्रिंसीपल डा. रछपाल सिंह संधू ने स्टूडेंट्स को भविष्य में और मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए मोटिवेट किया। उन्होंने यह भी कहा, कि कालेज इन स्टूडेंट्स को हर तरह की मदद देगा और आने वाले रिजल्ट में जो स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी से खास पोजीशन या मेरिट में आएंगे, उन्हें खास सुविधाएं दी जाएंगी। इस मौके पर म्यूजिक डिपार्टमेंट के हेड प्रो. सुखदेव सिंह भी मौजूद थे

बेअदबी कानून पर घिरी आप सरकार

श्रीअकाल तख्त साहिब में जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कानून पर उठाए छह सवाल

निजी संवाददाता-अमृतसर

श्रीअकाल तख्त साहिब ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट 2026 में एक महीने में संशोधन करने का आदेश दिया है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कानून पर छह एतराज जताए। उन्होंने कहा कि सरकार बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाए, इस पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों में विधानसभा फैसला नहीं कर सकती। तब तक इस कानून को होल्ड किया जाए। जत्थेदार ने दो सवाल पूछे। इस दौरान विधायकों ने माना कि कानून को बिना पढ़े सहमति दी। सुनवाई से पहले जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो वीडियो भी सुनवाए। पेशी के लिए के सभी सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ अकाल तख्त पहुंचे। कांग्रेस, अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी सुनवाई में मौजूद रहे। सिंह गड़गज ने सीएम भगवंत मान के दो बयान सुनवाए। जिनमें वह कह रहे हैं, कि अगर बेअदबी करने वाला मानसिक रोगी हुआ तो उसके मां-बाप या कस्टोडियन को सजा मिलेगी। इस पर विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा, कि इस सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट नहीं करना चाहिए, यह संवेदनशील मसला है। सिंह गड़गज ने कहा कि सरकार अपने कानून बनाए अकाल तख्त को कोई एतराज नहीं लेकिन सिखों के लिए कोई कानून बने तो उसमें सिखों की राय लेनी चाहिए। इस पर विधायक इंद्रवीर निज्जर ने कहा, कि जब सुझाव मांगे थे तब एसजीपीसी को बुलाया था। निज्जर ने कहा, कि कमेटी की तरफ से कोई चिट्ठी नहीं भेजी गई। सरकार का मुझे नहीं पता कांग्रेस एमएलए प्रताप बाजवा ने कहा कि मैंने इस बारे में सदन में मांग उठाई थी। स्पीकर ने नहीं मानी आप विधायक जगरूप सिंह ने कहा, कि कानून को सहमति दी। लेकिन पढ़ा नहीं। अकाली एमएलए गनीव कौर ने कहा कि ये एमएलए बोलने पर बेइज्जती करते हैं।

दो करोड़ से बनेगी भोआ हलके सड़क

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-पठानकोट

पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने सोमवार गांव सरमोलाहारी में करीब दो करोड़ छह लाख रुपए की लागत से बनने वाली तीन सड़कों के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हलके के हर गांव को बेहतर सड़क सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्य लगातार जारी हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उनके चार साल तीन महीने के कार्यकाल के दौरान भोआ हलके में 421 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्य करवाए गए हैं। इसके अलावा हाल ही में करीब 20 किलोमीटर नई सड़कों को भी मंजूरी दी गई है, जिन पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी हमेशा कोशिश रही है कि हलके के किसी भी गांव के लोगों को कीचड़ और टूटी सड़कों की वजह से कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि सोमवार शुरू किए गए प्रोजेक्ट्स के तहत गांव सरमोलाहारी की फिरनी का निर्माण, बाजीगर बस्ती सुकालगढ़ से गुलपुर नहर तक सड़क का निर्माण और कटारूचक चटपट में स्थित ऐतिहासिक बाबा भोले नाथ मंदिर को गांव सिंबली से मुख्य सड़क तक जोड़ने वाली लिंक रोड बनाई जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत निशानी
विकास खंड निरमण्ड, जिला कुल्लू हि.प्र.
निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत निशानी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री व ढुलान व अन्य कार्य हेतु निविदा (कुटेशन) आमंत्रित करती है। सामग्री/ कार्य का विवरण निम्न प्रकार से है :-

रेत, रोड़ी, पत्थर, ईंट, सरिया, चादर, एंगल, चैनल, पी.वी.सी., आई.आर.सी.सी., अन्य सभी प्रकार के पाईप व शीट, इंटर लॉक व सभी प्रकार की टाइलें, कोटा स्टोन,, रंग पंचायत कार्यालय हेतु सभी प्रकार का फर्नीचर, बिस्तरे तथा खिड़की-दरवाजे, सभी प्रकार भवन निर्माण व अन्य निर्माण कार्य की सभी सामग्री तथा नागरिक सूचना बोर्ड निर्माण व लिखाई, दीवार लेखन, जेसीबी कार्य आदि। सामग्री आपूर्ति के रेट स्थान गांव सड़क में निशानी मातला, पुजारली, सुनैर, रलू के लिए प्रदर्शित करें।

अतः इच्छुक व्यक्ति/ वेंडर अपनी निविदा (कुटेशन) सीलबंद लिफाफे में दिनांक 07/07/2026 तक कार्यालय ग्राम पंचायत निशानी में प्रातः 11:00 बजे पूर्वाह्न तक जमा करवाएं। इसके बाद कोई निविदा (कुटेशन) नहीं ली जाएगी। निविदा कुटेशन पंचायत कार्यालय निशानी में दिनांक 07/07/2026 को 12:00 बजे अपराह्न पंचायत समिति द्वारा खोली जाएंगी।

नियम व शर्तें :-

1. निविदादाता के पास सामग्री का GST नंबर का होना अनिवार्य है। 2. निविदा (कुटेशन) साफ व स्पष्ट शब्दों में होनी चाहिए। 3. निविदादाता पंचायत का देनदार न हो। 4. जिस निविदादाता की निविदा/ कुटेशन रेट सबसे कम होगा, वही मान्य होगा। 5. समान दर व किसी विवाद हेतु ग्राम पंचायत को पूर्ण अधिकार रहेगा। 6. निविदा को किसी भी समय बिना कारण के रद्द करने का अधिकार पंचायत के पास होगा। 7. निविदादाता को रेत, रोड़ी, पत्थर की मूल्य राशि का भुगतान M-Form देने या रायल्टी जमा करने के बाद किया जाएगा। 8. अन्य शर्तें व अधिक जानकारी के लिए पंचायत कार्यालय में या मोबाइल नंबर 94181-58979 संपर्क करें। 9. निविदादाता को निविदाओं में भाग लेने के लिए धरोहर राशि व शपथ पत्र मु. 2,50,000/- रुपए की राशि चैक द्वारा जमा करनी अनिवार्य होगी।

प्रधान/ सचिव
ग्राम पंचायत निशानी
वि.खं. निरमण्ड, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

सख्ती | कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस बोले, विधानसभा क्षेत्र में करीब 200 किलोमीटर सड़कों का हो रहा नवीनीकरण

सड़कों के नवीनीकरण से विकास को नई रफ्तार

निजी संवाददाता-श्रीआनंदपुर साहिब

श्रीआनंदपुर साहिब विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए मानक स्थापित करते हुए कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा सड़कों के नवीनीकरण का काम तेज़ी से चल रहा है। लमलैहडी नानोवाल गाँव से जज्जर रामपुर गुरुद्वारा घोड़ेयां दा घाह तक जाने वाली सड़क इस विकास का एक ताज़ा उदाहरण है। एक तरफ़ हरा-भरा प्राकृतिक माहौल और दूसरी तरफ़ उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें इलाके की सुंदरता बढ़ा रही हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ये वही सड़कें हैं जो पिछले कई सालों से जर्जर हालत के कारण लोगों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई थीं। न तो इनकी ठीक से मरम्मत हो पाती थी और न ही नई सड़कें बनाने की दिशा में कोई बड़ा कदम उठाया गया था। स्थानीय निवासियों को आने-जाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, जिससे रोज़मर्रा के काम भी प्रभावित होते थे। अब जब इन सड़कों को फिर से बनाया गया है और ये लोगों के सामने हैंए तो इलाके के लोगों में खुशी की लहर देखी जा रही है। न केवल स्थानीय निवासी, बल्कि यहाँ से गुजरने वाले यात्री भी इन बेहतर सड़कों को देखकर प्रभावित हो रहे हैं। सड़कों की अच्छी हालत के कारण अब सफ़र आसान, सुरक्षित और सुखद हो गया है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस अक्सर कहते हैं, कि चुनाव क्षेत्र में लगभग 200 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया जा रहा है। यह सिर्फ़ एक बयान नहीं है, बल्कि ज़मीनी स्तर पर हो रहा काम इसे साबित कर रहा है। विभिन्न गांवों और इलाकों में सड़कों के सुधार के साथ-साथ लोगों की बुनियादी सुविधाएँ भी बढ़ रही हैं। इस तरह

■ लम्लैहड़ी-नानोवाल से जज्जर रामपुर तक सड़कों की बदली सूरत

■ लोगों की लंबित मांग पूरी बेहतर सुविधा

के विकास कार्य न केवल परिवहन को बेहतर बनाते हैं, बल्कि गाँवों के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी मजबूत करते हैं। लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए, ये सड़कें अब इलाके की नई पहचान बन रही हैं। भविष्य में भी ऐसे प्रोजेक्ट जारी रहेंगे, जो चुनाव क्षेत्र की छवि को और बेहतर बनाएँगे।

मई में औद्योगिक उत्पादन 5.1 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच मई में औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल मई की तुलना में इस साल मई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 5.1 प्रतिशत ऊपर रहा। विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत, बिजली एवं गैस आपूर्ति में 9.9 प्रतिशत और जलापूर्ति, सीवरेज तथा अपशिष्ट प्रबंधन में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, खनन क्षेत्र में 1.6 प्रतिशत की गिरावट रही।

दिव्य हिमाचल **क्लासिफाइड**
छोटा विज्ञापन, बड़ा लाभ
संपर्क करें: 93180-49232, 94180-65257
कांगड़ा 01892-307700, 264713, फैक्स: 264700
शिमला 0177-2629030, 2627030
चंडीगढ़ 0172-4707700, 4192946

सूचना

● मैं अंशुल पुत्र सुरेश कुमार,गांव चिल्लियां, डाकघर जलाड़ी, तहसील नादौन, जिला हमीरपुर (हि.प्र.) बयान करता हूं कि मैने अपना नाम अंशुल से बदलकर अंशुल कुमार रख लिया है नोट करें।

Advt. No.: 03079

NOTICE

● I, Service no. 3977537X Rank hony Nb Sub Hoshiar Singh R/o VPO Ludret Tehsil Haripur Distt kangra (HP) Declare that in my service record my son name is wrongly entered as Rohit kumar instead of Rohit Singh. Concerned note it..

Advt. No.:03093

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि समाचारपत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में विवेक से काम लें और कोई कदम उठाने मसलन चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित, भविष्य संबंधी, अनुबंध, आकर्षक या किसी प्रकार की पुरस्कार योजना-प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व भली-भांति जांच पड़ताल कर लें। किसी भी विज्ञापन में किए गए दावे से 'दिव्य हिमाचल' न तो सहमत है और न ही इसकी गारंटी देता है। इस मामले में पाठक ही निजी तौर पर जिम्मेदार होगा, जबकि 'दिव्य हिमाचल' के प्रकाशक, संपादक या स्वामी को किसी विज्ञापन के विषय, संदर्भ या दावे के परिणामों की विफलता के लिए जिम्मेदार नहीं माना जाएगा।

अब सिर्फ सात फीसदी ओबीसी आरक्षण

पश्चिम बंगाल में 186 विधायकों की सहमति से नया कानून लागू, 113 जातियां बाहर

एजेंसियां— कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत समुदायों के आरक्षण से जुड़े तृणमूल कांग्रेस सरकार के 2012 के अधिनियम में संशोधन करने वाले दो विधेयक सोमवार को पारित कर दिए। पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2026 और पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आरक्षण ढांचे को 17 फीसदी से घटाकर सात प्रतिशत करते हुए 66 समुदायों को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण प्रदान किया गया है। ये विधेयक विपक्ष के नेता ऋताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के कुछ बागी विधायकों के सदन से वॉक आउट करने के बीच पारित किए गए। कुल 186 विधायकों ने दोनों विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 17 ने इनके विरोध में वोट दिया। छह सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के अनुरोध पर मत विभाजन का आदेश दिया। सिद्दीकी और तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायक बिश्वनाथ दास ने पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय के उल्लंघन का हवाला देते हुए दोनों विधेयक का विरोध किया और उन्हें प्रवर समिति के पास भेजने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल के पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री गौरीशंकर घोष ने दोनों विधेयक को पेश करते हुए कहा कि सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है और संशोधनों के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है।

घोष ने सदन से कहा कि हमने बिना किसी क्षेत्रीय सर्वेक्षण के पहले शामिल किए गए 113 समुदायों को हटा दिया है, जबकि 66 उप-समुदायों को बरकरार रखा है, जिन्हें विभिन्न सर्वेक्षणों के बाद शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग जांच करेगा और अगर उसे लगता है कि किसी समुदाय को शामिल किया जाना चाहिए, तो वह राज्य सरकार के विचारार्थ सिफारिशें दे सकता है। पिछली सरकार ने आयोग को दरकिनार कर दिया था, इसलिए उच्च न्यायालय ने इस प्रक्रिया को रद्द कर दिया।

- टीएमसी कार्यकाल से दरकिनार पिछड़ा वर्ग आयोग भी होगा एक्टिव
- समुदाय की सिफारिशों पर होगा विचार

सीएम योगी का अखिलेश पर तंज

लखनऊ। मुरादाबाद को 365.50 करोड़ रुपए की 63 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने उन्होंने कहा कि पहले सरकारी धन कब्रिस्तान बनाने में खर्च होता था, जबकि अब वही धन मंदिरों के विकास, धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और जनहित के कार्यों पर लग रहा है। सीएम ने अखिलेश के अयोध्या को एक बेमिसाल धार्मिक नगरी के रूप में स्थापित करने वाले बयान पर नसीहत दे डाली। उन्होंने अखिलेश यादव का बिना नाम लिए कहा, यदि उन्हें वास्तव में सद्बुद्धि आ गई है तो उन्हें उनकी सरकार के दौरान रामभक्तों पर हुए अत्याचार के लिए सार्वजनिक रूप से पश्चाताप करना चाहिए।

जमात-ए-इस्लामी पर फिर बैन की मांग

एजेंसियां— ढाका

बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर से एक बड़े उथल-पुथल की खबर है. बांग्लादेश के हाल के घटनाक्रम कुछ गंभीर इशारा करते हैं। 22 जून को सत्तारूढ़ गठबंधन ने एक बार फिर से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसी बीच 2024 जुलाई-अगस्त में देश छोड़कर गईं शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने का ऐलान कर दिया है। फिर से प्रतिबंध की खबरों के बीच जमात-ए-इस्लामी ने सरकार से पूछा है कि क्या बीएनपी अवामी लीग को फिर से बांग्लादेश की राजनीति की मुख्यधारा में लाना चाहती है। ये घटनाएं 2024 के छात्र आंदोलन के बाद बनी नई राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती दे रही हैं। 2024 के जुलाई-अगस्त आंदोलन के बाद शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के साथ जमात-ए-इस्लामी पर लगा पुराना प्रतिबंध हटा लिया गया था. अंतरिम सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने पार्टी को नए सिरे से संगठित होने का मौका दिया. फरवरी 2026 के आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष की भूमिका हासिल की। बीएनपी के तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के सामने अब यह पार्टी मजबूत चुनौती बनकर उभरी है। बांग्लादेश की संसद में 22 जून 2026 को बीएनपी सांसद रफीकुल इस्लाम ने जमात-ए-इस्लामी की राजनीति पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि 1971 के स्वाधीनता संग्राम का विरोध करने वाली और धर्म का राजनीतिक शोषण करने वाली पार्टी को बांग्लादेश में राजनीति करने से रोका जाना चाहिए और पूरी तरह बैन कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने इसे फासीवादियों की तरह प्रतिबंधित करने की मांग की। रफीकुल इस्लाम ने कहा कि इस्लाम शब्द नाम में होने भर से कोई पार्टी इस्लाम का प्रतिनिधित्व नहीं करती। उन्होंने मस्जिदों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने की भी वकालत की।

भारत-सेशेल्स के रिश्ते होंगे मजबूत

सफल यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स की तीन दिन की सफल यात्रा के बाद सोमवार को स्वदेश रवाना हो गए। रवाना होने से पहले श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि उनकी यात्रा बेहद सफल रही और इसके ठोस नतीजे निकले हैं, जिनसे भारत-सेशेल्स की दोस्ती और मजबूत होगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि सेशेल्स की मेरी यात्रा बहुत सफल रही है और इसके ठोस नतीजे निकले हैं, जिनसे भारत और सेशेल्स के रिश्ते और बेहतर होंगे। मैं कह सकता हूं कि यह बहुत अच्छी बात है कि हमारे रिश्तों के बीते 50 साल गहरे भरोसे और मिलकर की गई तरक्की पर आधारित रहे हैं। आने वाले 50 साल नवाचार, सततता और साझा खुशहाली पर आधारित होने चाहिए। मुझे खुशी है कि मैं राष्ट्रीय दिवस के जश्न में शामिल हुआ हूं और वह भी ऐसे समय में जब सेशेल्स अपनी आज़ादी के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। मैं राष्ट्रपति हर्मिनी, वहां की सरकार और सेशेल्स के लोगों का उनके स्नेह के लिए धन्यवाद करता हूं। श्री मोदी ने यात्रा के अंतिम दिन भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भी संवाद किया और सेशेल्स की प्रगति में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा,' सेशेल्स में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई। वे सेशेल्स की तरक्की में असरदार योगदान दे रहे हैं। श्री मोदी ने विक्टोरिया के महात्मा गांधी कोट पीस पार्क जाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज, विक्टोरिया के महात्मा गांधी कोट पीस पार्क में। बापू ने जो आदर्श आने वाली पीढ़ियों को दिए थे, वे शांति, न्याय और मानवीय गरिमा की खोज में हम सभी में नई ऊर्जा भरते हैं। उनके विचार एक बेहतर दुनिया बनाने की हमारी सामूहिक कोशिशों को लगातार प्रेरित करते हैं।

गुंडाराज का होगा खात्मा, नफरत फैलाने वालों को बख्शेंगे नहीं

एजेंसियां— कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार के दो नए विधेयक पेश किए जाने से पहले मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में कानून का राज स्थापित करेगी और गुंडाराज का खात्मा करेगी। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि एजीयूपी विधायक हुमायूं कबीर के खिलाफ उनके कथित भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले भाषण को लेकर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के दो भाषणों पर पहले ही उनकी पार्टी के विधायक ने सदन में आपत्ति उठाई थी। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि अब बहुत हो चुका। ऐसे लोगों को सबक सिखाने का समय आ गया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले राज्य में कमजोर मुख्यमंत्री होने की वजह से लोग मनमानी बातें करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हुमायूं कबीर के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं सदन को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि कोई भी इस तरह की भाषा बोलने की हिम्मत न करे।

पाकिस्तान में जियो न्यूज पर 15 दिन की रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रमुख उर्दू न्यूज चैनल जियो न्यूज का प्रसारण लाइसेंस 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया है। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने आरोप लगाया है कि मुहर्रम के दौरान प्रसारित एक कार्यक्रम में ऐसे धार्मिक दृश्य दिखाए गए, जो धार्मिक भावनाएं आहत कर सकते थे और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए खतरा पैदा कर सकते थे। रिपोर्ट के अनुसार, 26 जून को प्रसारित सफर-ए-इश्क कार्यक्रम में ऐसे दृश्य शामिल थे, जो पाकिस्तान की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संवेदनशीलताओं के अनुरूप नहीं थे। नियामक ने जियो न्यूज को आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं और मामले को काउंसिल ऑफ कंप्लेंट्स के पास भेज दिया है।

पृष्ठ एक के शेष...

राधा पालमपुर...

शपथ दिलाई। इसके पश्चात समारोह में पहुंचे कांग्रेस के छह पार्षदों को अलग से शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद ही मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर भी बैठक आयोजित की जानी थी, लेकिन शपथ ग्रहण करते ही कांग्रेस के सभी छह पार्षद बैठक कक्ष से बाहर चले गए।

सीबीएसई का फैसला...

लेकिन उन्हें तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी। इस तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल करेगा और 10वीं बोर्ड परीक्षा में इसका पेपर नहीं होगा। इससे पहले बोर्ड ने कहा था कि विदेशी भाषा तभी चुनी जा सकेगी, जब छात्र दो भारतीय भाषाएं पढ़ें या उसे चौथी अतिरिक्त भाषा के रूप में लें। सीबीएसई ने कहा कि 2026-27 में छठी में पढ़ने वाले छात्रों और उसके बाद के सभी बैचों के लिए तीन भाषाएं अनिवार्य होंगी। इनमें दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी होगा। यही छात्र जब 10वीं में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा भी देंगे। बोर्ड ने यह भी कहा कि जो छात्र किसी दूसरे राज्य में पढ़ाई के लिए जाएंगे, वे मिडल स्टेज से लेकर नौवीं तक अपनी मौजूदा तीसरी भाषा जारी रख सकेंगे।

इलेक्ट्रिक पर 50...

बसें पात्र होंगी। योजना का क्रियान्वयन श्रम, रोजगार एवं विदेशी नियोजन विभाग द्वारा परिवहन विभाग तथा जिला प्रशासन के सहयोग से किया जाएगा। चिन्हित उपमंडलीय मार्गों पर बसों के संचालन से लोगों की शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं, सरकारी कार्यालयों, औद्योगिक क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों तथा दूरस्थ पंचायतों तक पहुंच अधिक सुगम होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी संचालन के लिए सभी बसों में जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। योजना के तहत संचालित बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं को किराए में 50 प्रतिशत की रियायत मिलेगी, जबकि कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को विशेष पास प्रणाली के माध्यम से रियायती यात्रा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। राज्य सरकार का मानना है कि इस पहल से युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, पर्यटन एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा स्वच्छ एवं हरित परिवहन तकनीकों को अपनाने में तेजी आएगी।

चढ़ावा चोरी के...

गई। इसी बीच, पुलिस ने चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए। उधर, राम मंदि में चढ़ावा चोरी का मामला सोमवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है? छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा। इसका मतलब है कि अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में 12 जुलाई के बाद ही सुना जाएगा। इधर, पुलिस सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे जेल में बंद आठ आरोपियों के खाते खंगालने के लिए एसबीआई की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। सात आरोपियों के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट लिए। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने बैंक के दो कर्मचारियों को भी नोटिस दिया है। उधर, राम मंदिर ट्रस्ट की 11 जुलाई को होने वाली बैठक अब छह जुलाई को अयोध्या में होगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक मणि रामदास जी की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में हो सकती है। दिन और जगह क्यों बदला गया, इस बारे में पता नहीं चल पाया है। वहीं, राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में फैजाबाद एडवोकेट्स एसोसिएशन की बैठक अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने कहा कि मामले में कोई भी वकील आरोपी का पक्ष नहीं रखेगा। अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए 173 सीआरपीसी के तहत कोर्ट जाएंगे। बार एसोसिएशन सीबीआई जांच की भी मांग करेगा।

एक महीने में...

जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो वीडियो भी सुनवाए। पेशी के लिए,आप के सभी सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ अकाल तख्त पहुंचे। कांग्रेस, अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी सुनवाई में मौजूद रहे।

हरियाणा-राजस्थान...

अब क्रियान्वयन के निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। लगभग 34,102 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्त्वाकांक्षी परियोजना राजस्थान के जल इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध होगी। समझौते (एमओए) पर हस्ताक्षर के अवसर पर श्री शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद थे। इस अवसर पर दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके श्री शर्मा ने कहा कि श्री मोदी के विकसित भारत के विजन में जल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और राज्यों के बीच सहयोग की नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। नर्मदा परियोजना, जल जीवन मिशन, केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं की तरह यमुना जल परियोजना भी इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है। श्री शाह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों राज्यों के मध्य विश्वास, संवाद और समन्वय का सेतु बनकर इस जटिल विषय का समाधान संभव बनाया।

रूस में भी पेट्रोल-डीजल की किल्लत

तबाही पर पहली बार बोले व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन का एक और रिफाइनरी पर हमला

एजेंसियां— मास्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार स्वीकार किया है कि यूक्रेन के हमलों से उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है और पेट्रोल-डीजल की भी किल्लत हो गई है। पुतिन ने तेल प्रतिष्ठानों की सुरक्षा मजबूत करने और ईंधन उत्पादन बढ़ाने का भरोसा दिया है। हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूस के सैन्य और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को टेलीग्राम पर लिखा कि यूक्रेन के लंबी दूरी के ड्रोनों ने रूस की दो तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि हर हमला रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने और शांति की दिशा में एक और कदम है। इन हमलों के कारण रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है। कई क्षेत्रों में पेट्रोल की कमी और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में ईंधन के वितरण पर कोटा या सीमा तय करना भी शुरू कर दिया गया है।

पश्चिमी विश्लेषकों का मानना है कि इससे रूस के सैन्य अभियान की रफ्तार भी प्रभावित हुई है और क्रेमलिन पर वार्ता करने का दबाव बढ़ा है। पुतिन ने रूस के सरकारी टेलीविजन पर कहा कि यूक्रेन का उद्देश्य रूसी समाज में विभाजन पैदा करना और रूस को अपनी सैन्य प्रगति रोकने के लिए मजबूर करना है। हालांकि उन्होंने दावा किया कि इन हमलों का युद्ध के मोर्चे पर कोई असर नहीं पड़ा है।

उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन ने दोनों देशों के अंदरुनी इलाकों पर हमले रोकने तथा लड़ाई को केवल दोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिजिया क्षेत्रों तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन रूस ने इसे अस्वीकार कर दिया। वहीं, रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र के स्लाव्यान्स्क-ना-कुबानी स्थित बड़ी तेल रिफाइनरी में यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से आग लग गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत और एक अन्य घायल हो गया। स्थानीय प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि यारोस्लाव क्षेत्र की एक अन्य रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया, हालांकि रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की। ईंधन की स्थिति की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ हुई बैठक में पुतिन ने स्वीकार किया कि देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि मॉस्को अपनी सभी सामाजिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन करेगा।

कोलकाता में अमरीकी दूतावास के सिस्टम में खराबी

एजेंसियां— कोलकाता

- दूसरे दिन भी वीजा इंटरव्यू रद्द, आज फिर बुलाया

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित अमरीकी वाणिज्य दूतावास में लगातार दूसरे कार्य दिवस भी वीजा इंटरव्यू नहीं हो सके। तकनीकी खराबी के कारण सैकड़ों आवेदकों को बिना इंटरव्यू लौटना पड़ा। वीजा आवेदक शुक्रवार को भी सुबह 8 बजे से ही वाणिज्य दूतावास पहुंच गए थे। हालांकि, करीब एक घंटे बाद अधिकारियों ने बताया कि सिस्टम में तकनीकी खराबी के चलते इंटरव्यू शुरू नहीं हो पा रहे हैं।

आवेदकों को सोमवार को बुलाया गया था, लेकिन पूरा दिन कोई भी वीजा इंटरव्यू नहीं हो पाया। दोपहर करीब एक बजे आवेदकों को दो बैचों में अंदर बुलाकर मौखिक रूप से बताया गया कि वे 30 जून से अलग-अलग तारीखों पर दोबारा आएं।

दुकान खुलते ही एसी खरीदने दौड़े लोग वीडियो वायरल

पेरिस। यूरोप इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और इसका सबसे ज्यादा असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। बढ़ते तापमान ने लोगों की परेशानी इतनी बढ़ा दी है कि जैसे ही एक स्टोर के दरवाजे खुले, लोग एसी और कूलर खरीदने के लिए अंदर दौड़ पड़े। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना फ्रांस के चैम्बरी शहर के एक स्टोर की है। फ्रांस की मीडिया हाउस के एक्स अकाउंट से ये वीडियो शेयर किया गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दुकान खुलते ही दर्जनों ग्राहक तेजी से एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग उपकरणों की ओर भागते हैं।

विकास नहीं, स्वार्थ के लिए बागी हुए सांसद

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दोहराई सदस्यता रद्द करने की मांग

एजेंसियां— मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी से बागी छह सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।' उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर बीजेपी का बाबर जनता पार्टी बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?' उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया। परभणी में ही उद्धव ने कहा कि छह सांसदों का दल-बदल ऑपरेशन देवेंद्र का हिस्सा है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व पहले अपने ही नेताओं के पर काटता है। शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और देवेंद्र फड़नवीस इसका उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि गडकरी के पर इसलिए काटे गए, ताकि वे प्रधानमंत्री न बन सकें। अगर वे दूसरी बार बीजेपी अध्यक्ष बनते तो आरएसएस के समर्थन से प्रधानमंत्री बन सकते थे। शिवसेना को तोड़ने के पीछे भी देवेंद्र फड़नवीस को रोकने की राजनीति है। वह दिल्ली जाने का सपना देख रहे हैं। यह महाराष्ट्र के लिए एक और झटका होगा। उद्धव ठाकरे की शिवसेना चार साल में दो बार टूटी। शिवसेना के 55 विधायक थे। एकनाथ शिंदे 40 विधायकों के साथ अलग हो गए। अब 10 सांसदों में से सात पार्टी से अलग हो गए हैं।

- राम मंदिर चंदा चोरी पर घेरी केंद्र सरकार, बीजेपी को बताया 'बाबर जनता पार्टी'

दिल्ली में कल से लागू होगी नई इलेक्ट्रिकल व्हीकल पॉलिसी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

दिल्ली में पहली जुलाई से नई ईवी पॉलिसी लागू होने जा रही है। सीएम रेखा गुप्ता ने सोमवार को इसका ऐलान किया है। इस पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने पर ग्राहकों को बड़ी छूट और सबसिडी देने की प्लानिंग है। सीएम रेखा गुप्ता ने इसका ऐलान करने के साथ कहा कि दिल्ली को ईवी कैपिटल बनाने की प्लानिंग है। इसके जरिए प्रदूषण की समस्या से निपटने में बड़ा संबल मिलेगा। दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह पॉलिसी पहली जुलाई से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नई ईवी पॉलिसी के तहत अगले चार वर्षों में करीब 15,000 करोड़ रुपए का निवेश होने का अनुमान है। सरकार का कहना है कि इस निवेश से इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सरकार के अनुसार, नई नीति का उद्देश्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, प्रदूषण कम करना और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना है।

मंगेतर से मांगकर प्रेमी को दिए थे एक करोड़

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन से शादी की शॉपिंग के नाम पर एक करोड़ रुपए लिए थे। इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी। केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। रास्ते में उसकी अपने भाई साहिल से किसी बात को लेकर बहस हो रही थी।

HIMACHAL ROAD TRANSPORT CORPORATION KARSOG UNIT

Tender Notice

Sealed tenders are invited on 14.07.2026 from the interested parties for allotment of booking agency at Booking office Bus Stand Karsog to conduct booking of HRTC Buses on commission basis under Karsog unit for a period of one year. The tenders will submit up to 12:00PM on 14.07.2026 and will be opened at 12:30PM on the same day at Bus Stand Karsog. The tender form along-with terms and condition can be purchased from the Regional office, HRTC Karsog up to 12:00 PM on 14.07.2026 against cash payment of Rs. 1000/- + 180(GST) = 1180/-.

The tender form must be accompanied with earnest money Rs. 50,000/- (in cash/ DD) for each agency in favour of RM, HRTC, Karsog-175011.

The Chairman of the Committee reserves the right to reject/ accept any or all tenders without assigning any reason. **Regional Manager HimachalRoad Tpt. Corporation Karsog-175011.**

राजनाथ सिंह ने जारी किया डीएफपी-2026, अनुसंधान से उत्पादन तक की प्रक्रिया होगी तेज

डीआरडीओ को वित्तीय शक्तियों का नया ढांचा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन-2026 (डीएफपी-2026)' जारी किया। इस संशोधित ढांचे का उद्देश्य रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के समय पर निष्पादन, कार्यकुशलता और जवाबदेही को बढ़ाना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि डीएफपी-2026 अनुसंधान एवं विकास से विकसित प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और प्रौद्योगिकियों के शीघ्र उत्पादन तथा उन्हें सशस्त्र बलों में तेजी से शामिल किए जाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया ढांचा उद्योग और शिक्षा जगत के साथ सहयोग को भी अधिक मजबूत बनाएगा, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि संशोधित व्यवस्था रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

कार्यात्मक सशक्तिकरण बढ़ेगा

डीएफपी-2026 का उद्देश्य रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के भीतर विभिन्न स्तरों पर कार्यात्मक सशक्तिकरण को बढ़ाना है। संशोधित ढांचे में परीक्षण अभियानों, परीक्षणों और मूल्यांकन गतिविधियों के लिए अलग वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा परियोजना-पूर्व अनुसंधान एवं विकास पहलों को मंजूरी देने की शक्ति तथा बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं, रक्षा नवाचार त्वरक-उत्कृष्टता केंद्र (डीआईएडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) परियोजनाओं से संबंधित अनुदान सहायता के लिए वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट पृथक्करण किया गया है।

सीबीएसई और वेदांत में फिर ठनी

री-इवैल्यूएशन के अंकों पर बवाल; बोर्ड ने बताया झूठ, तो छात्र ने किया पलटवार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

सीबीएसई और 12वीं के एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव के बीच नंबरों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब एक बेहद गंभीर और दिलचस्प मोड़ पर आ गया है। हाल ही में सीबीएसई ने वेदांत के दावों को सफेद झूठ करार दिया, जिसके बाद वेदांत ने भी सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए बोर्ड की पूरी थ्योरी पर ही बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। इस नए विवाद की शुरुआत सीबीएसई की तरफ से जारी एक आधिकारिक स्पष्टीकरण के बाद हुई। बोर्ड ने 28 जून को साफ किया कि 12वीं कक्षा के मार्क्स वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के 99.7 फीसदी से ज्यादा मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इसी नोट में सीबीएसई ने वेदांत श्रीवास्तव के उन दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत और सफेद झूठ बताया, जिसमें छात्र ने कहा था कि री-इवैल्यूएशन के बाद उसके फिजिक्स के नंबरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, री-इवैल्यूएशन प्रक्रिया के दौरान वेदांत के फिजिक्स थ्योरी के मार्क्स 35 से बढ़कर 44 हो गए, यानी सीधे नौ नंबरों का फायदा हुआ। इसके अलावा, मैथमेटिक्स में उसके नंबर 46 से 47 (एक नंबर की बढ़ोतरी) और कम्प्यूटर साइंस में 61 से 62 (एक नंबर की बढ़ोतरी) हुए। बोर्ड का कहना है कि तीनों विषयों को मिलाकर छात्र के कुल 11 नंबर बढ़े हैं। सीबीएसई के इस बयान के बाद वेदांत श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मोर्चा खोल दिया। वेदांत ने बोर्ड को टैग करते हुए लिखा, फिजिक्स में जो नौ नंबर बढ़ने की बात आप कह रहे हैं, वे री-इवैल्यूएशन के जरिए नहीं बढ़े हैं। वो मेरे असल नंबर हैं, जो आपने मुझे पहले इसलिए नहीं दिए थे, क्योंकि आपकी तरफ से मेरी आंसर शीट ही बदल दी गई थी। री-इवैल्यूएशन के पोर्टल से तो मेरे सिर्फ दो ही नंबर बढ़े हैं, एक कम्प्यूटर साइंस में और एक मैथ्स में। वेदांत ने सीबीएसई के आरोपों पर तीखा सवाल दागते हुए पूछा कि यह बात भला झूठ कैसे हो सकती है? उन्होंने कहा कि फिजिक्स के नौ नंबर री-इवैल्यूएशन पोर्टल खुलने से पहले ही ठीक कर दिए गए थे। छात्र का तर्क सीधा है कि नौ नंबरों का इजाफा उस वक्त हुआ, जब सीबीएसई ने अपनी गलती मानी कि उसकी आंसर शीट किसी दूसरे छात्र के साथ बदल गई थी। असली री-इवैल्यूएशन से तो सिर्फ गणित और कम्प्यूटर साइंस में एक-एक नंबर ही बढ़ा है।

- कहा, फिजिक्स के नौ मार्क्स री-इवैल्यूएशन पोर्टल खुलने से पहले ही ठीक कर दिए गए थे

हमें झूठा कहना गलत

इस पूरे मामले पर वेदांत के भाई सिद्धांत श्रीवास्तव ने भी नाराजगी जताई। सिद्धांत ने साफ कहा कि वेदांत का ओरिजिनल फिजिक्स थ्योरी स्कोर 44 था, न कि 35। इसलिए बोर्ड का यह कहना कि उसका स्कोर 35 था, पूरी तरह गलत है। सिद्धांत ने कहा, यह बेहद खेदजनक स्थिति है। हमने 11 सवालों के लिए री-इवैल्यूएशन की अर्जी दी थी और अगर जांच के बाद एग्जामिनर्स को लगा कि और नंबर देने की गुंजाइश नहीं है, तो हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। हमें उस पर कोई आपत्ति नहीं है। हमारी एकमात्र आपत्ति इस बात पर है कि हमें झूठा कहा जा रहा है, जो कि सरासर गलत है।

जल्द आएगा नीट यूजी का रिजल्ट

एनटीए के महानिदेशक का आश्वासन, तेजी से हो रहा काम

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा यानी नीट यूजी का री-एग्जाम 21 जून को हुआ था। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी नीट यूजी रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह के मुताबिक, मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट के नतीजे जल्द से जल्द घोषित किए जाएंगे। नीट यूजी प्रोविजनल आंसर-की पर आपत्तियां दर्ज कराने की विंडो बंद होने के बाद फाइनल आंसर-की और रिजल्ट का इंतजार है। नीट परीक्षा के बाद रिजल्ट में करीब 30-40 दिन लगते हैं, लेकिन नीट यूजी पेपर लीक के चलते पहले ही काफी देरी हो चुकी है। इसलिए एनटीए तेजी से काम कर रहा है। एनटीए की तरफ से रिजल्ट की सटीक तारीख और समय का ऐलान होना बाकी है। माना जा रहा है कि जुलाई के शुरुआती हफ्तों में नीट यूजी स्कोरकार्ड डाउनलोड करने का लिंक एक्टिव कर दिया जाएगा। इसके तुरंत बाद मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स के लिए काउंसलिंग और एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

20 लाख छात्रों ने दी है परीक्षा

नीट यूजी के री-एग्जाम के आंकड़ों में बदलाव देखने को मिला है। 21 जून को हुई परीक्षा में 20 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जबकि इससे पहले मई में हुई परीक्षा में यह संख्या लगभग 22 लाख थी। इसका मतलब है कि दोबारा हुई परीक्षा में करीब दो लाख अभ्यर्थी कम हो गए। जानकारों का मानना है कि नीट यूजी परीक्षा दोबारा होने में हुई देरी के कारण कई अभ्यर्थियों ने इंजीनियरिंग या अन्य वैकल्पिक कोर्स में एडमिशन ले लिया है, जिसके चलते उन्होंने री-एग्जाम छोड़ना ही बेहतर समझा।

चार बोनस अंक भी मिलेंगे

नीट यूजी रिजल्ट से पहले ही सभी 20 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों के लिए राहत की खबर है। एनटीए की तरफ से जारी प्रोविजनल आंसर-की के मुताबिक, फिजिक्स के एक सवाल को 'ड्रॉप' यानी हटा दिया गया है। दरअसल, आंसर-की चैलेंज विंडो के दौरान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स और वर्नियर कैलिपर्स से जुड़े सवालों पर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। नीट यूजी परीक्षा एक ही शिफ्ट में हुई थी। इसलिए इस ड्रॉप किए गए सवाल के बदले सभी उम्मीदवारों को चार बोनस अंक दिए जाएंगे। इससे कई स्टूडेंट्स की रैंक ऊपर जा सकती है।

बड़सर की आंचल ने एम्स प्रवेश परीक्षा में देश भर में किया टॉप

बड़सर। एम्स प्रवेश परीक्षा की टॉपर आंचल को सम्मान

निजी संवाददाता— बड़सर

उपमंडल बड़सर की ग्राम करेर की होनहार बेटी आंचल शर्मा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा आयोजित एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा-2026 में प्रथम स्थान (एआईआर-1) प्राप्त कर हिमाचल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर एचपीएमसी एवं नशा निवारण बोर्ड के निदेशक रूबल सिंह ठाकुर ने आंचल शर्मा को सम्मानित करते हुए उनकी सफलता पर बधाई दी। इस अवसर पर रूबल सिंह ठाकुर ने कहा कि आंचल शर्मा की सफलता क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आंचल शर्मा एवं उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दीं।

रेलवे जूनियर इंजीनियर परीक्षा को एडमिट कार्ड जारी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए एक बड़ी और बेहद जरूरी खबर सामने आई है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने आखिरकार जूनियर इंजीनियर भर्ती के दूसरे चरण यानी सीबीटी-2 परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड आधिकारिक रूप से जारी कर दिए हैं। जिन उम्मीदवारों ने पहले चरण की परीक्षा को सफलतापूर्वक पास किया था और जो इस परीक्षा में बैठने के योग्य पाए गए हैं, वे अब बिना किसी देरी के अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। आरआरबी जूनियर इंजीनियर सीबीटी-2 की परीक्षा दो जुलाई 2026 को देश भर के विभिन्न निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। आपको बता दें कि यह पूरी भर्ती प्रक्रिया केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचना संख्या 05/2025 के तहत की जा रही है।

नीट यूजी री-एग्जाम को खरीदी थीं 95000 दीवार घड़ियां

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

21 जून को हुई नीट यूजी री-एग्जाम के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 95000 घड़ियां खरीदी थीं। ये घड़ियां देश-विदेश के सभी परीक्षा केंद्रों के लगभग हर परीक्षा कक्ष में लगाई गई थीं, ताकि छात्र समय का सही उपयोग कर से। दरअसल, एनटीए के नियमों के अनुसार, परीक्षा हॉल में डिजिटल और एनालॉग दोनों तरह की घड़ियां पहनकर जाना बैन था। ऐसे में परीक्षा कक्ष में दीवार घड़ी लगाने से छात्रों को समय देखने में आसानी हुई। इस री-एग्जाम में भारत और विदेश के 5440 परीक्षा केंद्रों पर 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में होने वाली नीट यूजी परीक्षाओं में भी परीक्षा कक्षों में घड़ियां उपलब्ध कराई गई। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीन मई की रद्द हुई परीक्षा के बाद छात्रों से फीडबैक लिया गया था। इसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने मांग की थी कि परीक्षा के दौरान समय लगातार दिखाई देना चाहिए, ताकि वे बेहतर तरीके से समय को मैनेज कर सकें। सभी छात्रों को समान सुविधा देने के लिए एनटीए ने सभी 95000 परीक्षा कक्षों में घड़ियां लगाने का फैसला किया था। यह निर्णय मई के अंत में लिया गया और केवल तीन सप्ताह के भीतर खरीद पूरी करनी थी। बता दें कि बड़ी कंपनियां इतनी कम समय में 95000 घड़ियों की आपूर्ति नहीं कर पा रही थीं। इसलिए एनटीए ने कई छोटी कंपनियों से घड़ियां खरीदकर यह काम समय पर पूरा किया।

- फीडबैक में छात्रों ने एनटीए को दिया था सुझाव

दिशा पटानी की 'आवारापन-2' का टीज़र जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी की आगामी फिल्म 'आवारापन 2' का टीज़र रिलीज हो गया है। टीज़र में दिशा पाटनी के नए लुक और उनके रहस्यमयी किरदार ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। टीज़र में दिशा पटानी लाल रंग की पोशाक में सेलो बजाते हुए नजर आती हैं। उनका शांत और भावनात्मक अंदाज फिल्म की कहानी में उनके किरदार के महत्त्व का संकेत देता है। मेकर्स ने फिलहाल उनके किरदार से जुड़ी अधिक जानकारी साझा नहीं की है।

घुमारवीं के चार खिलाड़ी इंडियन कोर्फबॉल टीम में

स्टाफ रिपोर्टर— घुमारवीं

घुमारवीं उपमंडल के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दधोल के चार खिलाड़ियों का भारतीय कोर्फबॉल टीम में चयन हुआ है। इनमें अपूर्व, कनिष्क, साक्षी और रिधिमा शामिल हैं। ये चारों खिलाड़ी अब 25 जुलाई से पहली अगस्त तक थाईलैंड में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कोर्फबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जालंधर में राष्ट्रीय जूनियर कोर्फबॉल-4 प्रतियोगिता में देशभर की करीब 30 टीमों ने भाग लिया। अंडर-19 वर्ग के फाइनल में हिमाचल ने हरियाणा को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर दधोल स्कूल के इन चारों खिलाड़ियों का भारतीय टीम के लिए चयन हुआ। इस उपलब्धि पर व्यवसायी एवं समाजसेवी राम चंद बरूर ने चारों खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने स्मृति-चिह्न भेंट कर खिलाड़ियों को बधाई दी।

- थाईलैंड में 25 जुलाई से पहली अगस्त तक करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

व्हाट्सऐप पर किसने किया ब्लॉक, नहीं चलेगा पता

दिव्य हिमाचल ब्यूरो— नई दिल्ली

व्हाट्सऐप अपने यूजर्स की प्राइवेसी को मजबूत बनाने के लिए एक नए फीचर की टेस्टिंग कर रहा है। व्हाट्सऐप पर अब पता नहीं लगाया जा सकेगा की आपको ब्लॉक किया गया है या नहीं। फिलहाल यह फीचर टेस्टिंग फेज में है और अभी आम यूजर्स के लिए उपलब्ध नहीं है। कुछ टेक एक्सपर्ट्स ने एक ऐसे तरीके का पता लगाया था, जिसकी मदद से यह अंदाजा लगाया जा सकता था कि किसी कॉन्टैक्ट ने आपको ब्लॉक किया है या नहीं। अब व्हाट्सऐप इस तरीके को बंद करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने सिस्टम में बदलाव की टेस्टिंग कर रही है, ताकि ब्लॉक करने वाले व्यक्ति की प्राइवेसी और बेहतर तरीके से सुरक्षित रह सके। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाट्सऐप अपने एनस्क्रिप्शन सिस्टम में बदलाव कर रहा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी यूजर या रिसर्चर तकनीकी तरीकों से यह पता न लगा सके कि उसे किसी ने ब्लॉक किया है या नहीं। ध्यान देने वाली बात यह है कि फिलहाल यह सिर्फ टेस्टिंग में है और व्हाट्सऐप ने इसे सभी यूजर्स के लिए जारी नहीं किया है। यूजर्स के लिए फिलहाल कुछ भी नहीं बदलेगा। चैटिंग, कॉलिंग, स्टेटस और दूसरे फीचर्स पहले की तरह काम करते रहेंगे।

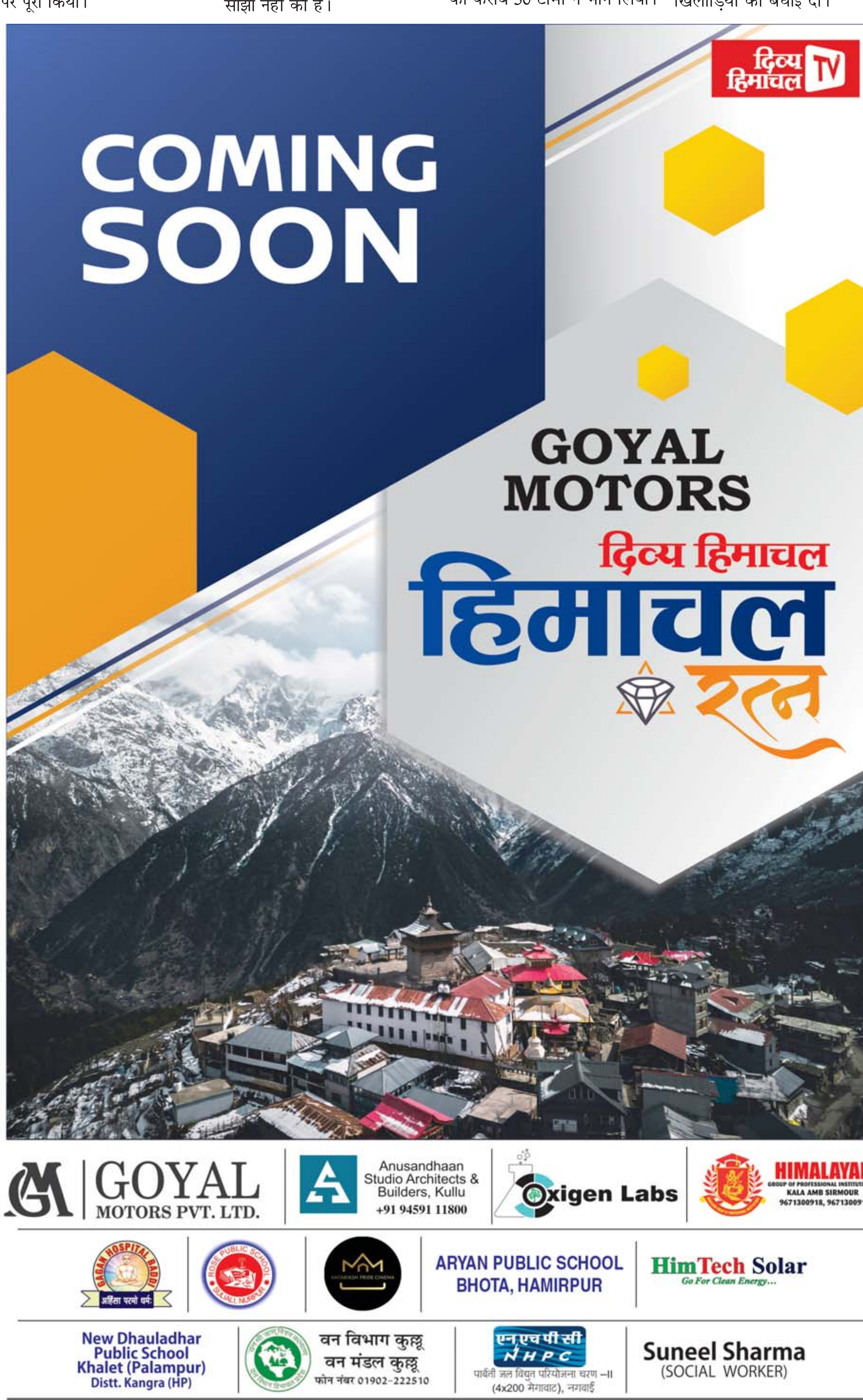

राशिफल

मेष: आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। पैसा बचाने को लेकर परिजनों से बात कर सकते हैं। गलत बातों को गलत वक्त पर कहने से बचें। प्रिय का अस्थिर बर्ताव रोमांस को बिगाड़ सकता है।

वृष: जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर बहस होगी। आज आपकी शोहरत बढ़ेगी। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए होशियारी दिखाएं।

मिथुन: आज आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे। मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफा मिले। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा।

कर्क: जीवनसाथी की सेहत की ओर ध्यान दें। आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। परिवार के साथ रिश्ते-नातों में नई जान डालने के लिए सही समय है।

सिंह: दोस्त की सलाह सेहत के लिए उपयोगी रहेगी। होशियारी से निवेश करें। मशहूर लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

कन्या: मज़बूत और स्पष्टवादी बनें तथा फैसले तुरंत लें। आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं। बेटी की बीमारी मूड ख़राब कर सकती है। एकतरफा प्यार आपके लिए काफ़ी ख़तरनाक साबित होगा।

तुला: स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिजाजी आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। पढ़ाई पर ध्यान दें।

वृश्चिक: बच्चों के साथ खेलना सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। आपके पास आज पैसा पर्याप्त मात्रा में होगा। जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे।

धनु: दूसरों के साथ खुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट संबंधी निवेश अच्छा-खासा मुनाफा देंगे। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें।

मकर: आपकी समझदारी और प्रयास सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आप खुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे। सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आज प्रिय की पसंद के कपड़े पहनें।

कुंभ: मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते वक्त हिम्मत दिखाएं। समय और धन की कद्र करें। दफ्तर में आप तारीफ पाएंगे। छात्रों को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं।

मीन: धैर्य बनाए रखें, क्योंकि समझदारी और प्रयास सफलता ज़रूर दिलाएंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले में विजय मिल सकती है। रोमांस आनंददायी और रोमांचक रहेगा। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे।

कल का पंचांग

01 जुलाई, 2026, बुधवार, विक्रमी संवत् 2083, शाकाब्ध 1948, पक्ष शुक्ल, तिथि प्रतिपदा, समाप्तिकाल सुबह 07 बजकर 40 मिनट तक, नक्षत्र पूर्वाषाढ़, समाप्तिकाल सुबह 06 बजकर 52 मिनट तक, योग एंद्र, समाप्तिकाल सायं 04 बजकर 03 मिनट तक, करण कौलव, समाप्तिकाल सुबह 07 बजकर 40 मिनट तक, प्रविष्टे 16 आषाढ़, चंद्रमा धनु राशि में, सूर्योदय प्रातः 05 बजकर 30 मिनट, सूर्यास्त सायं 07 बजकर 32 मिनट

सुडोकू : पहेली 1880

		7		2			1	
	1	8	6			2		
				8		3		
					8	7	6	4
5	4							
		2						5
					5	4	3	
	9	3	1					

दिव्य हिमाचल

कम्पीटीशन रिव्यू

ज्ञानलोक — हिमाचल का राजकीय फूल कौन सा है?

1. निम्न में किस स्थान पर मधुमक्खी पालन केंद्र स्थित है ?
(क) पालमपुर
(ख) कोठीपुरा
(ग) सरोल
(घ) कमांड

2. हिमालय प्रदेश का राजकीय पुष्प कौन सा है?
(क) गुलाबी बुरांश
(ख) सफेद गुलाब
(ग) सूर्यमुखी
(घ) पलाश

3. हिमालय प्रदेश का बंदली वन्यजीव विहार किस जिला में स्थित है ?
(क) चंबा
(ख) सिरमौर
(ग) कांगड़ा
(घ) मंडी

4. दरन घाटी वन्यजीव विहार प्रदेश के किस जिला में स्थित है ?
(क) कांगड़ा
(ख) बिलासपुर
(ग) किन्नौर
(घ) शिमला

5. मौलिक अधिकार का सिद्धांत कहां से प्रेरित है?
(क) फ्रांस
(ख) कनाडा
(ग) ब्रिटेन
(घ) अमरीका

उत्तर	1	2	3	4	5
	ग	क	घ	घ	घ

पहेली 1879 का उत्तर

1	3	4	5	7	9	6	8	2
5	2	8	6	3	1	7	9	4
9	6	7	8	2	4	1	3	5
3	8	2	1	9	6	5	4	7
4	5	9	2	8	7	3	6	1
6	7	1	4	5	3	8	2	9
7	1	6	3	4	2	9	5	8
8	4	3	9	1	5	2	7	6
2	9	5	7	6	8	4	1	3

निर्देश : बॉक्स में खाली स्थानों को 1 से 9 तक के अंकों से ऐसे भरें कि दाएं से बाएं और ऊपर से नीचे एक भी अंक दोहराया न जाए। उत्तर: देखें कल

चोटिल एम्मा रादुकानू ने विंबलडन से वापस लिया नाम

लंदन। ब्रिटेन की टेनिस खिलाड़ी एम्मा रादुकानू ने चोट के कारण ओपनिंग राउंड से ठीक पहले विंबलडन 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। टेनिस क्ले कोर्ट सीजन के खत्म होने के बाद से ही यह ब्रिटिश खिलाड़ी रादुकानू दाहिने पैर की बार-बार होने वाली चोट से जूझ रही थीं। स्कैन में उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला। रादुकानू ने कहा, मुझे डॉक्टर्स ने सलाह दी है कि मैं जबरदस्ती खेलना जारी न रखूं।

कनाडा पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में

फुटबॉल वर्ल्ड कप के नाकआउट मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 1-0 से दी मात

लॉस एंजलस। प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद जश्न मनाते कनाडा के खिलाड़ी

एजेंसियां— लॉस एंजलस

कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना चार जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजलस स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हैड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

भारत ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई

- ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की सीट भी पक्की
- आईसीसी टी-20 रैंकिंग के आधार पर होगा पुरुष टीम का चयन

एजेंसियां— दुबई

ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड के प्रदर्शन के चलते) ने लॉस एंजलस 2028 ओलंपिक गेम्स के लिए महिला टी-20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शनों के चलते प्रवेश कर लिया है। लॉस एंजलस 28 ओलंपिक्स में महिलाओं के इवेंट में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। इन चार टीमों ने क्रमशः ओसनिया, एशिया, अफ्रीका और यूरोप से सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाले योग्य फिनिशर के रूप में अपनी जगह पक्की की। टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में से एक वेस्टइंडीज, देशों के समूह के तौर पर ओलंपिक्स में हिस्सा लेने के लिए योग्य नहीं हैं, क्योंकि उन्हें आईओसी की नेशनल ओलंपिक कमेटी के तौर पर मान्यता नहीं मिली है। पुरुष टीमों के लिए चार जगहों का निर्धारण आईसीसी टी-20 रैंकिंग के आधार पर होगा। रैंकिंग में 31 दिसंबर, 2026 तक अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओसनिया से सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाली योग्य टीमें ओलंपिक्स में प्रवेश पाएंगी। अमरीका बतौर मेज़बान दोनों इवेंट के लिए क्वॉलिफ़ाई करने के योग्य है, लेकिन उन्हें 30 जून से लेकर 31 दिसंबर, 2026 की क्वॉलिफिकेशन की अवधि तक दोनों टी20 रैंकिंग में शीर्ष 15 में रहना होगा। अमरीका की पुरुष टीम 13वें स्थान पर है इसलिए उनके प्रवेश करने की संभावना प्रबल है। इस समय अमरीका की महिला टीम 20वें स्थान पर है। अगर वह इस मापदंड पर खरी नहीं उतर पाती है, तो पहली मार्च, 2027 तक किसी भी महाद्वीप से, ओलंपिक्स में प्रवेश न पाने वाली टीमों में से टी20 रैंकिंग में सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाली टीम को प्रवेश मिल जाएगा।

क्रोएशियन टीम डरने वाली नहीं

रोनाल्डो की पुर्तगाली टीम को कप्तान लुका मॉड्रिच की चेतावनी

एजेंसियां— न्यूयॉर्क

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 में दो जुलाई को क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगवाई वाली पुर्तगाल और लुका मॉड्रिच की क्रोएशिया के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा। इस महामुकाबले से पहले क्रोएशियाई कप्तान लुका मॉड्रिच ने साफ संदेश देते हुए कहा कि उनकी टीम किसी से डरने वाली नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पुर्तगाल भी क्रोएशिया का सामना करने को लेकर सहज महसूस नहीं करेगा। क्रोएशियाई टीम के कप्तान लुका मॉड्रिच ने कहा कि उनकी टीम इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है। मॉड्रिच ने कहा, पुर्तगाल एक शानदार और बेहद मजबूत टीम है। हमें पूरी ताकत के साथ लड़ना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि हमारा अगला प्रतिद्वंद्वी कौन होगा। मुझे पूरा भरोसा है कि हमें सामने देखकर वे भी सहज महसूस नहीं करेंगे।

नेमार ने दिखाई दरियादिली, वेनेजुएला के भूकंप पीड़ितों को दिए 2.1 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर ने मैदान के बाहर भी बड़ा दिल दिखाते हुए भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए 2.5 लाख अमरीकी डालर (करीब 2.1 करोड़ रुपए) दान किए हैं। यह राशि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जिससे प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और रहने की जगह भी उपलब्ध कराया जाएगा। नेमार ने इस मुश्किल घड़ी में वेनेजुएला के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी यह छोटी-सी मदद प्रभावित परिवारों को राहत और हौसला देगी।

केप वर्डे के फुटबॉल कप्तान रेयान मेंडेस पर रेप का आरोप

एजेंसियां— मेक्सिको

- फीफा वर्ल्ड कप में चार जुलाई को नॉकआउट में अर्जेंटीना से मैच

केप वर्डे फुटबॉल टीम के कप्तान रेयान मेंडेस पर रेप के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड में मार्च, 2026 की फीफा सीरीज के दौरान टीम के साथ ट्रांसलेटर के तौर पर काम करने वाली एक महिला ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा या नहीं। मामले की जांच जारी है। अभी तक उन्हें किसी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब केप वर्डे पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंचा है। वह राउंड ऑफ-32 में पहुंचने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश बना है। टीम को चार जुलाई को अर्जेंटीना से मैच खेलना है। मेंडेस ग्रुप स्टेज के तीनों मैच खेल चुके हैं। हालांकि, उनके नाम एक भी गोल दर्ज नहीं हैं। फीफा ने बयान जारी कर कहा कि हम किसी भी तरह के गलत आचरण के आरोप को गंभीरता से लेते हैं। हम न्यूजीलैंड की संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है, लेकिन इससे आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

तीनों विभागों में फेल रही भारतीय महिला टीम

लंदन। भारतीय टीम वूमंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश नहीं कर पाई। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ग्रुप फेज से ही बाहर हो गई। इसके बाद टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कई कड़वे सच टीम को लेकर स्वीकार किए हैं। उन्होंने सबसे पहले तो यह कहा है कि टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और इस पूरे टूर्नामेंट में तीनों विभाग में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। दूसरी बात उन्होंने यह कही है कि भारत की टीम को क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में रणनीति पर फिर से विचार करने की जरूरत है। मजूमदार ने कहा, हमें अपनी रणनीति या अपने टी-20 खेल पर फिर से विचार करना होगा। हमें तय करना होगा कि हम किस संयोजन के साथ खेलने जा रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड पर आसान जीत दर्ज की, लेकिन दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार ने कई कमियों को उजागर किया।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को रौंद खत्म किया 40 साल का सूखा

नॉटिंघम: ट्रॉफी के साथ चहकती न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम

एजेंसियां— नॉटिंघम

टॉम लैथम की अगवाई वाली न्यूजीलैंड टीम ने इंग्लैंड से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से जीत ली है। न्यूजीलैंड ने सोमवार को तीसरे टेस्ट में मेजबान इंग्लैंड को 160 रन से रौंदा। यह नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में हुआ। कीवी टीम ने दूसरे मैच में 253 रन जबकि इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में 115 रनों से विजयी परचम फहराया था। ऐसा पहली बार हुआ है, जब न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट हारने के बाद वापसी करते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम की। न्यूजीलैंड ने 40 सालों के बाद नॉटिंघम में टेस्ट जीतने का सूखा समाप्त किया है। न्यूजीलैंड ने इससे पहले 1984 में यहां इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड ने आखिरी टेस्ट में 370 रन का टारगेट दिया। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी पांचवें दिन 51.2 ओवर में 212 रनों पर सिमट गई।

हेनरिक मलान ने आयरलैंड के मुख्य कोच का पद छोड़ा

बेलफास्ट। भारत के खिलाफ टी-20 में आयरलैंड की 2-0 की ऐतिहासिक जीत की देखरेख करने के 24 घंटे से भी कम समय के बाद, हेनरिक मलान ने तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा दे दिया है। मलान का अनुबंध शुरू में 2027 की शुरुआत में चलने के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन 45 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी ने क्रिकेट आयरलैंड की विज्ञप्ति के साथ हटने का फैसला किया है, जिसमें कहा गया है कि उनका मानना है कि अगले साल के एकदिवसीय विश्व कप के लिए योग्यता हासिल करने को ध्यान में रखते हुए नए कोच के लिए कदम उठाने का यह सही समय है। मलान को जनवरी 2022 में तीन साल के अनुबंध पर सीनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, जिसे बाद में 2024 में बढ़ा दिया गया था। उनकी देखरेख में, आयरलैंड ने 2022, 2024 और 2026 में लगातार तीन टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इंग्लैंड 2022 में चैंपियन बना। आयरलैंड की अब तक की तीन टेस्ट जीतों में से प्रत्येक में मलान ही शीर्ष पर थे। मलान ने कहा, इन खिलाड़ियों, कर्मचारियों और व्यापक आयरिश क्रिकेट समुदाय के साथ काम करना एक पूर्ण विशेषाधिकार रहा है। मेरे परिवार और मुझे यहां रहने का एक अद्भुत अनुभव रहा है, और हम आयरिश क्रिकेट में शामिल अपने समय को बड़े स्नेह के साथ याद करेंगे।

जैसे सबका डेब्यू हुआ सूर्यवंशी का भी होगा

बेलफास्ट। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार बताया है। हालांकि, कोच ने साफ तौर पर कहा कि टीम में जगह पाने के लिए वैभव को भी उसी चयन प्रकिया से गुजरना होगा, जिससे अन्य खिलाड़ी गुजरे हैं। 45 साल के साउथ अफ्रीकी कोच ने आयरलैंड से हार पर कहा कि टीम खुद को हालात के हिसाब से ढाल नहीं पाई। आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में वैभव को मौका न मिलने पर उठे सवालों के जवाब में टेन डोशेट ने कहा कि संजू सैमसन ने कुछ महीने पहले भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अच्छे आईपीएल सीजन के बाद भी खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है। वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तैयार है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

दिव्य हिमाचल

प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान संपादक अनिल सोनी द्वारा दिव्य हिमाचल प्रकाशन प्रा. लि. के लिए, प्लाट नंबर 23, एचपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, दवनी, बद्दी, (हि.प्र.) से मुद्रित तथा टिंबर हाउस बिल्डिंग, नजदीक सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला (हि.प्र.), से प्रकाशित। स्थानीय संपादक, संजय अवस्थी समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन।

पंजीयन संख्या-•HPHIN/2003/11579
फोन: (0177) 2629030, 2627667
डाक रजिस्टर्ड नंबर-21